धनबाद
बुधवार 25.02.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-06 पृष्ठ- 12
फाल्गुन शुक्ल पक्ष-8
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

धनबाद पुलिस

सेवा ही लक्ष्य

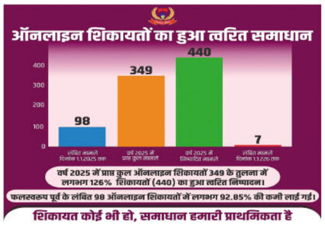

प्रभात कुमार - वरीय पुलिस अधीक्षक,धनबाद

जनवरी-फरवरी में अपराधियों को मिली कड़ी सजा

वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के नेतृत्व में धनबाद में मजबूत अनुसंधान और प्रभावी पैरवी का असर अब अदालतों के फैसलों में दिख रहा है। जनवरी और फरवरी माह में कई गंभीर मामलों में दोष सिद्ध हुआ और अभियुक्तों को कड़ी सजा मिली है। जहां जनवरी में 5 मामलों में 7 अभियुक्तों को सजा सुनाई गई, जिनमें पॉक्सो, हत्या, आर्म्स एक्ट और दहेज उत्पीड़न जैसे मामले शामिल रहे। वहीं फरवरी में दुष्कर्म, पॉक्सो और आर्म्स एक्ट के मामलों में अदालत ने 2 वर्ष से लेकर 25 वर्ष तक की कठोर सजाएं सुनाई। इन फैसलों से स्पष्ट है कि धनबाद पुलिस की वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धति, मजबूत साक्ष्य संकलन और समय पर चार्जशीट दाखिल करने की कार्रवाई अदालत में प्रभावी साबित हो रही है। लगातार मिल रही सजा से अपराधियों में भय और आम जनता में न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

राज्य में अव्वल धनबाद पुलिस
काण्ड निष्पादन में बनाया नया कीर्तिमान

धनबाद पुलिस ने आपराधिक मामलों के निष्पादन में पूरे राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2025 में दर्ज 6408 काण्डों की तुलना में लगभग 140% यानी 8992 काण्डों का सफल निष्पादन किया है। इस प्रभावी कार्रवाई के परिणामस्वरूप पूर्व से लंबित 4716 मामलों में करीब 54.8% की कमी दर्ज की गई जो जिले में बेहतर कानून-व्यवस्था और सक्रिय पुलिसिंग का प्रमाण है।

नागरिकों की सुरक्षा के लिए चलाया सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान लोगों को सुरक्षित वाहन चलाने, ट्रैफिक नियमों का पालन करने और दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

पुलिस की पाठशाला से छात्र छात्राओं में बढ़ रही है जागरूकता

युवा पीढ़ी को जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने के उद्देश्य से एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा और कानून संबंधी बुनियादी जानकारी दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों द्वारा सीधे संवाद के माध्यम से बच्चों को सुरक्षित व्यवहार, आपात स्थिति में सहायता लेने के तरीके और सामाजिक जिम्मेदारियों के बारे में भी समझाया जा रहा है, जिससे उनमें जागरूकता के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है।

झारखण्ड की सबसे विशाल मानव श्रृंखला बनाकर एसएसपी ने दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

डायल 112 रिस्पांस टाइम में धनबाद पुलिस का शानदार रिकॉर्ड

अपराध की रोकथाम, अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई और आम जनता को समय पर सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से धनबाद पुलिस ने पुलिस कंट्रोल रूम को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाया है। कंट्रोल रूम को आधुनिक तकनीकी संसाधनों और उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, जिससे आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित हो सके। डायल 112 सेवा के तहत धनबाद पुलिस ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए औसत रिस्पांस टाइम मात्र 8 मिनट दर्ज किया है। यह आंकड़ा धनबाद पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

रौंग साईड पर वाहन चलानेवालों के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए स्वयं सड़क पर उतरे एसएसपी प्रभात कुमार

हाईटेक हुआ पुलिस कंट्रोल रूम

धनबाद पुलिस को कोई भी सूचना देने अथवा आपातकालीन स्थिति में मदद के लिए डायल करें 112

संपादकीय

महिलाओं से जुड़े मामलों में जजों की संवेदनशीलता पर सवाल

इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी भी तरह के अन्याय के बाद न्याय के लिए न्यायपालिका ही उम्मीद का ठौर होती है। अदालतों में बैठे न्यायाधीश यह सुनिश्चित करते हैं कि पीड़ित पक्ष के साथ इंसाफ हो। मगर कई बार ऐसे मामले भी चर्चा और चिंता का कारण बने हैं, जिनमें महिलाओं के खिलाफ अपराधों से जुड़े मुकदमों में किसी जज की टिप्पणी या उनके फैसले को न्याय की अवधारणा पर पूर्वाग्रह हावी होने के तौर पर देखा गया। इस क्रम में कानूनी प्रावधानों की व्याख्या करते हुए जो कहा गया, उसमें संवेदनशीलता का अभाव नजर आया। शायद यही वजह है कि पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट को जजों के दृष्टिकोण में जरूरी संवेदनशीलता विकसित करने के लिए अलग से प्रयास करने पर जोर देना पड़ा। शीर्ष अदालत की पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि न्यायपालिका के सदस्यों के दृष्टिकोण के साथ ही अदालती प्रक्रियाओं में अंतर्निहित संवेदनशीलता और विवेक विकसित करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है।

हालांकि समय-समय पर शीर्ष अदालत की ओर से न्यायाधीशों के दृष्टिकोण पर रूढ़िवादी सोच हावी होने से उपजे सवालों से निपटने के लिए कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2023 में एक पुस्तिका भी इस उद्देश्य से तैयार की गई थी कि न्यायाधीश पितृसत्तात्मक भाषा को पहचान कर उससे बच सकें। मगर इस सबका कोई ठोस असर सामने नहीं आ सका है। इसी के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने अब राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को यौन हिंसा और अन्य अपराधों के संदर्भ में न्यायाधीशों तथा न्यायिक प्रक्रिया के भीतर संवेदनशीलता एवं करुणा विकसित करने के उद्देश्य से दिशा-निर्देश

तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने को कहा है। जाहिर है, शीर्ष अदालत का निर्देश यह सुनिश्चित करने के मकसद से है कि जज महिलाओं के विरुद्ध अपराधों और खासतौर पर यौन हिंसा के मामलों में पूरी संवेदनशीलता के साथ सुनवाई करें, उनके फैसलों पर सामाजिक भेदभाव या पूर्वाग्रहों पर बनी धारणाओं की छाया नहीं दिखे। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट की इस पहल में एक ऐसी समस्या की पहचान कर उसे रेखांकित किया गया है, जिसकी आमतौर पर अनदेखी की जाती है, लेकिन कई फैसलों पर उसका असर देखा जाता है।

दरअसल, महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा से जुड़े मामलों में कई बार सामाजिक धारणाओं पर पितृसत्तात्मक सोच से संचालित मानसिकता हावी होती है। जबकि अदालतों में न्यायाधीशों से यह उम्मीद की जाती है कि वे इस तरह के पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर कानून की व्याख्या करते हुए समाज में प्रचलित आम मानसिकता, उसके आधार पर बनने वाली धारणाएं और उसमें महिलाओं की वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखेंगे। साथ ही वे मामले में फैसला देते हुए निरपेक्ष रह कर जरूरी संवेदनशीलता और करुणा का सहारा लेंगे। विडंबना यह है कि देश में निचली अदालतों में महिलाओं के खिलाफ होने वाले जघन्य अपराधों और बलात्कार के मामलों में भी कुछ जज सामाजिक हकीकतों की अनदेखी करते हुए कानून के प्रावधानों की व्याख्या इस तरह करते हैं कि उससे आरोप हल्के हो जाते हैं और पीड़ित महिला के न्याय पाने की राह ज्यादा मुश्किल हो जाती है। इसलिए जरूरत है कि न्यायाधीशों के दृष्टिकोण में संवेदना और करुणा विकसित करने के लिए लैंगिक संवेदनशीलता पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के साथ-साथ न्यायपालिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर जोर दिया जाए।

अर्थव्यवस्था को लगा झटका बढ़ सकती है महंगाई...

देश के आठ प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि दर पिछले माह जनवरी में गिरकर चार फीसद पर आ गई, जो समूची अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। इन क्षेत्रों का देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक और सकल घरेलू उत्पाद में महत्त्वपूर्ण योगदान है, इसलिए इनकी उत्पादन गति धीमी होने से देश की आर्थिक वृद्धि प्रभावित होती है। इन क्षेत्रों से जुड़े उद्योगों को देश की अर्थव्यवस्था का स्तंभ माना जाता है, जो बुनियादी ढांचे के विकास, रोजगार सृजन और समग्र औद्योगिक वृद्धि को गति देते हैं।

पिछले दिनों सरकार की ओर से जारी आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया था इस वर्ष की शुरुआत थोक और खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी के साथ हुई है। अब बुनियादी क्षेत्रों की वृद्धि दर में गिरावट यह दर्शाती है कि देश की अर्थव्यवस्था को कई मोर्चे पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि वस्तुओं के उत्पादन में कमी से मांग और आपूर्ति के बीच पैदा होने वाले अंतर की वजह से महंगाई के और बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।गौरतलब है कि देश के आठ प्रमुख बुनियादी क्षेत्र- कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में लगभग चालीस फीसद की हिस्सेदारी रखते हैं। ऐसे में इन क्षेत्रों की वृद्धि दर में गिरावट का समग्र अर्थव्यवस्था पर क्या असर पड़ सकता है, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। सरकार की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2025 में बुनियादी क्षेत्रों की वृद्धि दर 5.1 फीसद और दिसंबर में 4.7 फीसद थी। मगर, इस साल जनवरी में कच्चा तेल एवं प्राकृतिक गैस तथा कोयला एवं सीमेंट क्षेत्र के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, उर्वरक, इस्पात और बिजली उत्पादन में थोड़ी वृद्धि ने स्थिति को और कमजोर होने से रोका है। यह विचित्र बात है कि एक ओर निर्यात के जरिए अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के दावे किए जाते हैं, तो दूसरी तरफ बुनियादी क्षेत्रों में उत्पादन की गति धीमी पड़ती जा रही है। सरकार को चाहिए कि इन क्षेत्रों में चुनौतियों से निपटने के लिए कारगर कदम उठाए जाएं।

आज का कार्टून

गांव से दिखा एआई समिट का चमकता मंच...

सुनहरा सपना है, लेकिन देश के यथार्थ से बहुत दूर लगता है इस गांव से। जब देखती हूं मुंबई और दिल्ली में होते इस तरह के सम्मेलनों को, तो वास्तव में ऐसा लगता है जैसे किसी दूसरे ग्रह के नजारे देख रही हूं। इसलिए दिल से उम्मीद करती हूं कि एआइ जल्दी से जल्दी भारत के देहातों में फैले, ताकि हम उन बुनियादी समस्याओं का समाधान ढूंढ पाएं, जो मानव बुद्धि से सुलझे नहीं हैं अभी तक। बदहाल शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की समस्याएं। बिजली, पानी की समस्याएं। गरीबी, गंदगी की समस्याएं। क्या एआइ इन सारी समस्याओं के समाधान ढूंढ सकेगा? ऐसे सवाल मन में आते रहे एआइ सम्मेलन को दूर से देखते समय। कृत्रिम मेधा (एआइ) का दौर शुरू हो चुका है। यह सच है कि एआइ मानव क्षमताओं और उत्पादकता को कई गुना बढ़ा देगा। भारत के पास मानव संसाधनों की विशाल और लगातार बढ़ती संपदा है (कम से कम 2050 तक)। हालांकि, इसकी गुणवत्ता विकसित देशों के मानव संसाधनों से काफी अलग है।

तवलीन सिंह

यह लेख एक गांव में बैठकर लिख रही हूं। यहां से देखा मैंने पिछले सप्ताह दिल्ली में हो रहे एआइ समिट का तामझाम। सच पूछिए तो अजीब-सा लगा। यहां बैठकर जब समाचार चैनलों पर सुने मैंने एआइ के महारथियों के भाषण, तो लगा जैसे ये लोग किसी दूसरे ग्रह से बातें कर रहे थे। ऐसा लगा जैसे इन महारथियों को जानकारी नहीं है कि भारत के सरकारी स्कूलों का हाल क्या है। जानते नहीं हैं कि अभी तक इन स्कूलों में कंप्यूटर भी इतने थोड़े आए हैं कि इंटरनेट से वास्ता जोड़ना हो, तो सेलफोन से होता है।

यह गांव महाराष्ट्र में है। यहां एक बड़ा निजी स्कूल ऐसा है, जिसको सरकारी स्कूलों के हिसाब से देखा जाए, तो काफी अच्छा है। यहां थोड़ी बहुत फीस लगती है, लेकिन अध्यापक आते हैं रोज और बच्चों को वाणिज्य और विज्ञान से लेकर साहित्य तथा अंग्रेजी भाषा तक पढ़ाने का इंतजाम है। बच्चे अच्छी-सी वर्दी पहन कर आते हैं साइकिलों पर। लड़कियों की वर्दी है नीली कमीज, सफेद सलवार और बालों में लाल रंग के फीते। लड़कों की वर्दियां विदेशी पैंट-शर्ट हैं, वही नीले सफेद रंगों में।

मैं इस गांव में आती रही हूं पिछले कोई तीन दशकों से, इसलिए जानती हूं कई लोगों को, जिनकी पढ़ाई इस स्कूल में हुई है। लिख-पढ़ लेते हैं सब, लेकिन इतना नहीं कि कोई अच्छी नौकरी हासिल कर सकें। इसलिए मुंबई से यहां बसे धनवानों के घरों में नौकर बनते हैं। कोई ड्राइवर है, कोई सुरक्षा गार्ड का काम करता है और बहुत तरक्की जो करते हैं, उनको मैनेजर या 'हाउसकीपर' की नौकरी मिलती है। इनमें से एक भी नहीं मिला है मुझे जो अंग्रेजी बोल सकता हो या बुनियादी गणित से आगे बढ़ चुका हो। कंप्यूटर की समझ है, लेकिन एआइ के बारे में कोई नहीं जानता है।

यहां गरीबों की बस्ती में एक दूसरा स्कूल है, जहां बच्चे नंगे पांव आते हैं स्कूल में घिसे, पुराने कपड़ों में। स्कूल को एक पुराने किस्म के सरकारी बंगले में बनाया गया है, जिसकी छत में से बरसात के मौसम में पानी इतना गिरता है कि स्कूल को बंद किया जाता है इस मौसम में। यहां दो अध्यापकों के आने का इंतजाम है, लेकिन वे आती हैं इस गांव से कई किलोमीटर दूर एक छोटे शहर से। देहात के हिसाब से इनका वेतन अच्छा है, लेकिन पढ़ाने तभी आती हैं, जब आना जरूरी हो। जब चुनाव होते हैं, तो इनकी ड्यूटी कहीं और लग जाती है। बच्चों की पढ़ाई में जो नुकसान होता है, इसकी कोई परवाह नहीं करता है। यहां जो बच्चे पढ़ने आते हैं, उनके माता-पिता इतने गरीब हैं कि इनके झुग्गीनुमा घरों में कोई सुविधा नहीं होती है

बिजली-पानी की।

समंदर किनारे इस गांव की तस्वीर को मैंने आपके लिए विस्तार से खींचा है, इसलिए कि ऐसे गांव भारत के हर राज्य में आपको मिलेंगे। महाराष्ट्र भारत के विकसित राज्यों में गिना जाता है, तो आप कल्पना कीजिए कि बिहार और उत्तर प्रदेश में क्या हाल होता होगा गांवों के सरकारी स्कूलों का। स्वास्थ्य सेवाएं इस गांव में न होने के बराबर है। एक कस्बा है कुछ दूरी पर जहां मरीजों को ले जाया जाता है, लेकिन बीमारी गंभीर हो तो कम से कम तीस किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। बहुत गंभीर हो तो मुंबई जाना पड़ता है, जो इस गांव से सौ किलोमीटर दूर है। एआइ के विशेषज्ञ कहते हैं कि शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में एआइ बहुत काम आएगा। यह बात सच भी है।

पिछले सप्ताह मेरे घुटने में थोड़ी तकलीफ थी, तो मैंने चैटजीपीटी से सलाह ली और बड़े ध्यान से उसने मेरी तकलीफ के बारे में जानकारी ली तथा इलाज बताया। घुटना ठीक हो गया है मेरा बिना डाक्टर से सलाह लेने के। मेरी जानकारी के कई लोग हैं, जो छोटा-मोटा इलाज करवाना हो, तो चैटजीपीटी से करवा लेते हैं। यानी एआइ वास्तव में अपने देश के देहातों में कई लाभ ला सकता है। समस्या यह है कि एआइ को चलाने के लिए बिजली बहुत चाहिए होती है और अपने देहातों में बिजली आती-जाती है अपनी मर्जी से।

इसलिए इस गांव में बैठकर जब मैंने देखे एआइ इम्पैक्ट समिट के दृश्य, जिनमें अपने प्रधानमंत्री को देखा दुनिया के सबसे बड़े राजनेताओं से गले मिलते हुए, तो बहुत अच्छा लगा। और भी अच्छा लगा जब देश के सबसे प्रसिद्ध पत्रकार भी इस सम्मेलन में दिखे। वे न होते, तो शायद गलगोटिया विश्वविद्यालय का वह झूठ न पकड़ा जाता, जिसमें एक चीन में बनाए हुए रोबोट कुत्ते को विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने अपने छात्रों का बनाया हुआ बताने की कोशिश की।

इन पत्रकारों में से कुछ ऐसे भी हैं, जो चुनावों के मौसम में देश के ग्रामीण क्षेत्रों में घूमने आते हैं, लेकिन अजीब समस्या हमारी यह है कि हम जब वापस दिल्ली और मुंबई जाते हैं, तो भूल जाते हैं कि जब तक शहरी इंडिया और ग्रामीण भारत के तार जोड़ने का काम नहीं होता है, तब तक एआइ बेमतलब रहेगा, बिल्कुल वैसे जैसे 2047 तक भारत का विकसित होना बेमतलब लगता है।

सुनहरा सपना है, लेकिन देश के यथार्थ से बहुत दूर लगता है इस गांव से। जब देखती हूं मुंबई और दिल्ली में होते इस तरह के सम्मेलनों को, तो वास्तव में ऐसा लगता है जैसे किसी दूसरे ग्रह के नजारे देख रही हूं। इसलिए दिल से उम्मीद करती हूं कि एआइ जल्दी से जल्दी भारत के देहातों में फैले, ताकि हम उन बुनियादी समस्याओं का समाधान ढूंढ पाएं, जो मानव बुद्धि से सुलझे नहीं हैं अभी तक। बदहाल शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की समस्याएं। बिजली, पानी की समस्याएं। गरीबी, गंदगी की समस्याएं। क्या एआइ इन सारी समस्याओं के समाधान ढूंढ सकेगा? ऐसे सवाल मन में आते रहे एआइ सम्मेलन को दूर से देखते समय।

कृत्रिम मेधा (एआइ) का दौर शुरू हो चुका है। यह सच है कि एआइ मानव क्षमताओं और उत्पादकता को कई गुना बढ़ा देगा। भारत के पास मानव संसाधनों की विशाल और लगातार बढ़ती संपदा है (कम से कम 2050 तक)। हालांकि, इसकी गुणवत्ता विकसित देशों के मानव संसाधनों से काफी अलग है। एक विकसित देश में व्यावहारिक रूप से हर कोई स्कूली शिक्षा प्राप्त करता है और विद्यार्थियों की आबादी का एक बड़ा हिस्सा कालेज तक की शिक्षा ग्रहण करता है। वहां जीवन भर सीखने और नए कौशल हासिल करने का अवसर होता है। भारत में जनसांख्यिकीय लाभांश के साथ इसका बोझ भी आता है।

सफलता की असली ताकत है 'दृढ़ निश्चय'

मनुष्य का जीवन किसी सीधी सड़क की यात्रा नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे महासागर की यात्रा है, जिसमें मौसम प्रति पल अपना रंग बदलता रहता है। हवा का रुख कभी यात्रा की दिशा के अनुकूल होता है, तो कभी प्रतिकूल। विशाल जलराशि कभी शांत होती है, तो कभी उग्र। ऐसी दशाओं में नाव का चलना केवल भाग्य या परिस्थितियों पर ही निर्भर नहीं होता, बल्कि वह निर्भर करता है नाविक की सजगता, साहस और खासकर उस पतवार पर, जिसे वह लगातार थामे रहता है।

प्रेरणा अवस्थी

जीवनरूपी महासागर की इस यात्रा में जो तत्त्व पतवार की भूमिका अदा करता है, वह है दृढ़ निश्चय। यह ऐसी शक्ति है, जो मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों में भी सही दिशा से भटकने नहीं देती। इसलिए यह कहना कोई अत्युक्ति नहीं कि दृढ़ निश्चय ही जीवन की पतवार है।

आज का समय जितना द्रुत है, उतना ही अधिक विचलनशील भी। तकनीक के उन्नयन ने निस्संदेह हमें सुविधाओं का अमूल्य कोष प्रदान किया है, लेकिन साथ ही हमें अधीरता भी एक पार्श्वप्रभाव के रूप में प्राप्त हुई है। विकल्पों की बाढ़ ने हमें विविध अवसर दिए हैं, लेकिन निर्णय की स्थिरता को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया है। आज स्थिति यह है कि हम शीघ्रातिशीघ्र परिणाम चाहते हैं, तत्काल स्थापित होना चाहते हैं और बिना संघर्ष के ही सफलता की कल्पना करने लगते हैं। यही कारण है कि मार्ग में उपस्थित छोटे-छोटे अवरोध भी हमें बड़े संकट जैसे प्रतीत होने लगते हैं। कोई कार्य अपनी सिद्धि में थोड़ा समय ले ले, तो हमारा मन हमसे कहता है कि 'इसे छोड़ो'। कार्य में असफलता प्राप्त होने पर मन उसे अपनी क्षमताओं की परिधि से परे समझ लेता है। आलोचना की स्थिति में मन हताशा और नकारात्मकता से भरने लगता है।

ऐसे प्रतिकूल समय में दृढ़ निश्चय ही वह आंतरिक बल है, जो मन को टूटने से बचाता है और विचारों को बिखरकर व्यर्थ नहीं होने देता। दृढ़ निश्चय को कई बार हठ, जिद या कठोरता के साथ जोड़ दिया जाता है। मगर वास्तविक दृढ़ निश्चय का आधार कभी कठोर नहीं होता, बल्कि यह विवेक की कोमलता से निर्मित होता है। दृढ़ निश्चय सदैव सही लक्ष्य चुनकर, सही दिशा पकड़कर, प्रत्येक बाधा को पार करते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इसकी पतवार में एक अनोखा लचीलापन होता है। परिस्थितियां बदलने पर यह अपनी गति का तरीका भी परिवर्तित कर लेती है, लेकिन प्रत्येक दशा में लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता बनी रहती है। यह व्यक्तित्व को स्थिरता प्रदान करता है। अंतर्मन में विद्यमान भय, आलस्य, निराशा और शंका व्यक्ति की संभावनाओं को समाप्त कर देते हैं। दृढ़ निश्चय ही वह गुण है जो इन शत्रु भावों के प्रति एक अमोघ अस्त्र का कार्य करके इनका शमन करता है और मन को लक्ष्य के साथ बांधे रखता है।

सफलता का मार्ग बाहर से जितना आकर्षक दिखाई पड़ता है, भीतर से उतना ही कठिन और संघर्षपूर्ण होता है। हम अक्सर किसी व्यक्ति की मंजिल को देखते हैं, उस मंजिल तक पहुंचने में उसके द्वारा की गई यात्रा को नहीं। अनेक बार टूटकर भी अपने संकल्प को बचाए रखने के उत्साह को शायद हम नहीं देख पाते। दृढ़ निश्चय का संबंध परिश्रम के साथ धैर्य से भी है। निरंतरता ही मेहनत के मूल्य को निर्मित करती है। यह सीख हमें प्रकृति से सतत रूप से मिलती रहती है। बीज मिट्टी में पड़कर तत्काल वृक्ष नहीं बन जाता। बहता पानी एक ही दिन में नदी के रूप में अपनी पहचान नहीं प्राप्त कर लेता। पर्वतों की विशालता भी सदियों में ही अस्तित्व में आती है। ठीक इसी तरह मनुष्य के भीतर भी बड़े परिवर्तन एक क्षण में नहीं घटित होते।

दृढ़ निश्चय व्यक्ति को लंबी यात्रा के लिए तैयार करता है। वह उसे सदैव प्रेरित करता है कि मार्ग अवश्य कठिन एवं दुरूह होगा, लेकिन यात्रा को विराम मत देना। छोटे-छोटे संकल्प मन को दृढ़ता प्रदान करते हैं। संकल्पों की ऊर्जा से सिंचित मन ही धीरे-धीरे बड़े संघर्षों के लिए तैयार होता है। दृढ़ निश्चय का आधार है- स्वयं के प्रति ईमानदारी। जो व्यक्ति अपने आप से बार-बार वादा करके तोड़ता है, वह अति शीघ्र भीतर से कमजोर हो जाता है, लेकिन स्वयं के साथ प्रतिबद्ध व्यक्ति आत्मविश्वास के उच्चतम स्तर को प्राप्त कर लेता है।

दृढ़ निश्चय व्यक्ति को परिस्थितियों का दास नहीं बनने देता। यह व्यक्ति को प्रतिकूल परिस्थिति में भी प्रयत्न की निरंतरता को बनाए रखने की शक्ति देता है। नतीजतन, व्यक्ति मानसिक रूप से सशक्त हो जाता है। दृढ़ निश्चय से पूर्ण व्यक्ति गिरकर भी उठता है, रुककर भी फिर चल पड़ता है और हारकर भी जीतने का प्रयास करता है। जीवन में कई बार हम कुछ समय के लिए पीछे चले जाते हैं, लेकिन अगर हमारा संकल्प जीवित है, तो हम फिर से आगे बढ़ जाते हैं। एक महत्त्वपूर्ण बात यह कि दृढ़ निश्चय की पतवार बिना दिशा के नहीं चलती। इसलिए लक्ष्य का चयन भी नितांत महत्त्वपूर्ण है। लक्ष्य ऐसा होना चाहिए जो आत्मा की गहराई से जुड़ा हो। जब लक्ष्य हमारे भीतर से निकलता है, तब दृढ़ निश्चय स्वतः मजबूत होता है। मगर जब लक्ष्य केवल बाह्य प्रदर्शन के लिए होता है, तब वह कठिनाई का वार होते ही टूट जाता है।

इसलिए जीवन में सर्वप्रथम यह स्पष्ट होना जरूरी है कि हमें दरअसल चाहिए क्या। उसके बाद उसी लक्ष्य के लिए अपने भीतर दृढ़ निश्चय को उत्पन्न करना चाहिए। आज तेजी से परिवर्तित होती दुनिया, अनियंत्रित प्रतिस्पर्धा और जटिल चुनौतियों के बीच हमें अपने भीतर दृढ़ निश्चय को केवल एक गुण के रूप में ही नहीं, बल्कि जीवन की आधारशिला के रूप में विकसित करना होगा। जो व्यक्ति दृढ़ निश्चय की पतवार थामकर जीवनयात्रा को जारी रखता है, परिस्थितियां उसे लेशमात्र भी क्षति नहीं पहुंचा सकतीं। वे केवल और केवल उसके व्यक्तित्व को निखारने का कार्य करती हैं।

धनबाद
बुधवार 25.02.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-06 पृष्ठ- 12
फाल्गुन शुक्ल पक्ष-8
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक
बिहार ऑबजर्वर

झारखंड विधानसभा में 1,58,560 करोड़ अबुआ दिशोम बजट पेश, बालकों और थर्ड जेंडरों पर विशेष रूप से दिया गया जोर

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा में आज मंगलवार को वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने २०२६-२०२७ का बजट पेश किया। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की ओर से विधानसभा में अबुआ दिशोम बजट पेश किया गया। इस बजट में समावेशी और चहुंमुखी विकास की बात की गई। इस बजट का कुल योजना आकार १,००,८९१ करोड़ रुपये निर्धारित किया गयाष जिसमें बच्चों और थर्ड जेंडर समानता को विशेष रूप से प्राथमिकता दी गई। वहीं, वित्त मंत्री ने बाल कल्याण के लिए १०,७९३.१६ करोड़ रुपये का अलग बाल बजट निर्धारित किया, जो यह दर्शाता है कि आने वाली पीढ़ी के सर्वांगीण विकास को केंद्र में रखकर ये बजट लाया गया है।

बाल बजट के अंतर्गत शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा और कौशल विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को मजबूती दी जाएगी। आंगनबाड़ी सेवाओं के विस्तार, पूरक पोषाहार, विद्यालयी आधारभूत संरचना सुधार, डिजिटल शिक्षा और छात्रवृत्ति जैसी पहलों के माध्यम से बच्चों के बेहतर भविष्य की नींव तैयार की जा रही है। विशेष रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया है, ताकि कोई भी बच्चा विकास की मुख्यधारा से वंचित न रहे। कुपोषण उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना इस बजट की प्रमुख दिशा है।

वहीं, थर्ड जेंडर बजट के तहत ३४,२११.२७ करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह राशि महिलाओं के साथ-साथ थर्ड जेंडर समुदाय के सशक्तिकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। सामाजिक

सुरक्षा योजनाओं, पेंशन, शिक्षा सहायता, कौशल विकास और रोजगार सृजन कार्यक्रमों के माध्यम से जेंडर समानता को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। थर्ड जेंडर समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने, सम्मानजनक आजीविका और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की प्रतिबद्धता इस बजट में स्पष्ट दिखती है।

उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में तैयार यह बजट राज्य के गरीबों के आँसू पोंछने के साथ-साथ आम लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने वाला साबित होगा। यह बजट समावेशी, सतत और जनकल्याण कारी विकास को समर्पित है तथा राज्य की आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

केंद्र से प्यार भी, तकरार भी, बजट में अस्पष्टता

झारखंड सरकार के इस बजट में स्पष्टता का अभाव और द्वंद साफ साफ झलकता है। वित्त मंत्री ने अपने भाषण में कहा- झारखंड के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत कुछ करना अकेले राज्य सरकार के बस की बात नहीं है। केंद्र का आर्थिक सहयोग जरूरी है। लेकिन केंद्रीय करों में झारखंड की हिस्सेदारी के लिए निर्धारित लक्ष्य से लगभग पांच हजार करोड़ की राशि अभी तक अप्राप्त है। अनुदान की राशि में भी केंद्र से अब तक ११ हजार करोड़ की राशि कम मिली है। अनुदान की राशि में भी केंद्र लगातार कटौती कर रही है। मनरेगा जो अब वीबी-जी, राम जी योजना का नया स्वरूप तय किया है, उसमें राज्य को ४० फीसदी राशि का मैचिंग ग्रांट देना पड़ेगा। इससे राज्य सरकार के कोष पर प्रति वर्ष लगभग ५६४० करोड़ का बोझ पड़ेगा। लेकिन दूसरी ओर बजट भाषण में वित्त मंत्री यह भी संदेश दे रहे हैं-किसी के पैर में गिर कर कामयाबी पाने से बेहतर है, अपने पैरों पर चल कर कुछ बनने की ठान लें। स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि झारखंड अपने पैरों पर चलने की ताकत रखता है। पर इसके लिए संसाधन कहां से जुटाए जाएंगे, यह क्लियर नहीं है। कौन से सेक्टर या प्रयास होगा, जिससे राजस्व में वृद्धि होगी, यह नहीं है। वही घिसी-पिटी बातें हैं, जिससे राजस्व में अप्रत्याशित की संभावना कहीं से नहीं दिखायी पड़ रही है। और जब संसाधन नहीं बढ़ेंगे तो झारखंड को विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा करना केवल राजनीतिक भाषा तक सीमित होती जाएगी।

डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय

हां वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने इस बजट में अपने समाज का जरूर ख्याल रखा है। दलितों के मसीहा कहे जानेवाले डॉ भीमराव अंबेडकर के नाम पर चतरा में विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा, निश्चित रूप से उनके समाज और दलित बहुल चतरा के इलाके में सकारात्मक संदेश दिया है। आने वाले वर्षों में इसके लिए वित्त मंत्री को उनके समाज के लोग जरूर याद करते रहेंगे।

स्थापना व्यय को कम करने पर जोर, लेकिन लेकिन कैसे होगा संभव

बजट में स्थापना व्यय को लगातार कम करने पर जोर दिया गया है। आंकड़े के अनुसार २०१९-२० में कुल बजट का ४७ फीसदी स्थापना मद में रखा गया था। इस वित्तीय वर्ष में स्थापना व्यय को ३६ फीसदी तक कम किया गया है। लेकिन यह नहीं बताया गया है कि राज्य में रिक्त पड़े लाखों पदों पर नियुक्तियां होंगी तो स्थापना व्यय को सीमित रखना, कैसे संभव होगा। मालूम हो कि स्थापना व्यय में वेतन, रख रखाव और अन्य अनुपादक खर्च आते हैं। यह राज्य सरकार के लिए दोधारी तलवार है।

जीएसडीपी वृद्धि कैसे होगा संभव

राज्य का जीएसडीपी वित्तीय वर्ष २०२४-२५ में ५ लाख १६ हजार करोड़ रहा। अगले पांच वर्षों में इसे बढ़ा कर १० लाख करोड़ किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए वर्तमान मूल्य पर करीब १४ फीसदी के दर से विकास करना होगा। जबकि २०११-१२ से २०२४-२५ के बीच ▶▶ 8

विकास, सामाजिक न्याय और आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम : केशव महतो कमलेश

रांची (एजेंसी): कांग्रेस कार्यालय में प्रस वार्ता किया गया, जिसमें आम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि बज़ट राज्य के समग्र विकास, सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत और दूरदर्शी कदम है। यह बजट न केवल वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखता है, बल्कि भविष्य की चुनौतियों के समाधान की भी स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और बुनियादी ढांचे जैसे प्रमुख क्षेत्रों में संतुलित और प्रभावी प्रावधान किए हैं। ग्रामीण विकास और किसानों की आय बढ़ाने के लिए विशेष योजनाओं का विस्तार राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार देगा। ▶▶ 8

अबुआ दिशोम बजट को कहा दिशाहीन और निराशाजनकः अमर कुमार बाउरी

झारखंड सरकार के वित्तीय वर्ष २०२६-२७ के 'अबुआ बजट' को लेकर सियासत तेज हो गई है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने बजट को पूरी तरह निराशाजनक और दिशाहीन करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट आम जनता की उम्मीदों पर पानी फेरने वाला है और वित्तीय प्रबंधन की विफलता का दस्तावेज प्रतीत होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार न तो राजस्व सृजन की कोई स्पष्ट रणनीति पेश कर पाई है और न ही राज्य के समग्र विकास की ठोस दिशा दिखा सकी है। बाउरी ने कहा कि इस बजट से युवाओं, छात्रों, बुजुर्गों और महिलाओं को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन सरकार उन उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बेरोजगार युवाओं के लिए कोई ठोस योजना नहीं लाई गई है। ▶▶ 8

आम आदमी को निराश करने वाला बजट : रघुवर दास

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार द्वारा पेश किया गया बजट लोगों की आंखों में धूल झोंकने वाला बजट है। यह बजट विकास को गति नहीं देगा। यह बजट आम आदमी की आशाओं को पूरा करने वाला बजट नहीं है। इस बजट में योजनाओं के नाम पर अधिक रुपये रखने की बात कही गई है। वित्त मंत्री जी ने अलग-अलग मदों में बड़ी राशि रखने की घोषणा की है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या योजना की कसौटी, योजना की सफलता या उसके लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए केवल उनके लिए रुपये रखने तक ही सीमित है?

दास ने आगे कहा कि पिछले बजट में अलग-अलग मदों के लिए योजनाओं के निमित्त बड़ी-बड़ी रकम खर्च करने की घोषणा की गई थी, लेकिन क्या वह राशि खर्च हो पाई। बजट में केवल बड़ी रकम का प्रावधान कर देना विकास सुनिश्चित नहीं करता; असली चुनौती उस राशि का सही समय पर और सही तरीके से क्रियान्वयन है। साथ ही झारखण्ड सरकार ने गरीब, आदिवासी, किसान, ▶▶ 8

जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाला है अबुआ दिशोम बजट : जोबा माझी

चाईबासा (एजेंसी): राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने मंगलवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष २०२६-२०२७ के लिए बजट पेश किया। सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने बजट की सराहना करते हुए इसे राज्य के लोगों की जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाला अबुआ दिशोम बजट बताया। जोबा माझी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने बजट में सामाजिक सुरक्षा और शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसके साथ ही कृषि, पेयजल, स्वास्थ्य पर खास ध्यान देते हुए सभी विभागों में आवश्यकता के मुताबिक बजट दिया गया है।

उन्होंने सरायकेला के सदर अस्पताल को मेडिकल कॉलेज बनाए जाने के सरकार के निर्णय को स्वागत योग्य कदम बताया। मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के लिए १४,०६५ करोड़ ▶▶ 8

छह अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में उस समय हडक़ंप मच गया, जब एक साथ राज्य के छह अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी कोलकाता के सिटी सिविल एंड सेशंस कोर्ट और बैंकशाल कोर्ट को एक ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की मिली। मेल में दावा किया गया था कि अदालत परिसर में बम लगाए गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस, स्निफर डॉग और बम निरोधक दस्ते को मौके पर भेजा गया। घंटों तलाशी ली गई, लेकिन कहीं भी कोई विस्फोटक नहीं मिला। इसी तरह की धमकी हुगली जिले के चिनसुराह कोर्ट, पश्चिम बर्दवान के आसनसोल और दुर्गापुर कोर्ट तथा मुर्शिदाबाद के बेरहामपुर कोर्ट को भी मिली। सभी जगह लगभग एक ही समय पर ऐसे ई-मेल भेजे गए, जिससे हडक़ंप मच गया।

सीएम हेमंत सोरेन की मौजूदगी में सरकार और पंजाब नेशनल बैंक के बीच वेतन पैकेज पर समझौता ज्ञापन, कर्मियों को मिलेगा सीधा लाभ

रांची (एजेंसी): रांची स्थित झारखंड मंत्रालय सभागार में झारखंड सरकार और पंजाब नैशनल बैंक के बीच राज्य सरकार के कर्मचारियों के वेतन खाता पैकेज को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन समारोह में शामिल हुए।

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग द्वारा तैयार 'झारखंड कुबेर डैशबोर्ड' का भी शुभारंभ किया। यह डैशबोर्ड राज्य सरकार की वित्तीय मॉनिटरिंग और ट्रांजैक्शन सिस्टम को अधिक पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में एक अहम पहल मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पंजाब नैशनल बैंक और राज्य सरकार के बीच यह समझौता एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि बैंक सिर्फ आर्थिक लेन-देन का माध्यम नहीं होते, बल्कि व्यवसाय, कृषि, ग्रामीण विकास सहित हर क्षेत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। राज्य सरकार में कार्यरत कर्मचारियों की सैलरी और अन्य वित्तीय गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने में बैंक की भूमिका अहम रहती है।

उन्होंने कहा कि पहले भी राज्य सरकार ने अन्य बैंकों के साथ एमओयू किए हैं और उन समझौतों के अनुरूप कार्य आगे बढ़ रहे हैं। उन्हें विश्वास है कि पंजाब नैशनल बैंक जिस उद्देश्य और जिम्मेदारी के साथ राज्य सरकार से जुड़ा है, उसे सफलतापूर्वक निभाएगा। बेहतर समन्वय का लाभ राज्य सरकार के कर्मचारियों के साथ-साथ आम जनमानस को भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने एमओयू हस्ताक्षर समारोह में उपस्थित बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, मंत्री संजय प्रसाद यादव, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, मंत्री शिल्पी नेहा ▶▶ 8

रांची से उड़ा विमान चतरा में क्रैश, एयर एंबुलेंस में सात लोग थे सवार, सभी शव बरामद

रांची (एजेंसी): रांची से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली रेड बर्ड एयरवेज की क्राफ्ट किंग एयर बी ९०-एल एयर एंबुलेंस सोमवार रात दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस मेडिकल चार्टर्ड फ्लाइट में दो पायलट समेत कुल ७ लोग सवार थे। इनमें एक मरीज, एक डॉक्टर, दो अटेंडेंट और एक पैरामेडिक थे। विमान पर सवार सभी सात लोग हादसे के शिकार हो गए। विमान के टुकड़े और शव बरामद कर लिए गए हैं। जानकारी के अनुसार, हादसा चतरा जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र के कर्माटांड़ गांव के पास स्थित घने जंगलों में हुआ। एयर एंबुलेंस ने रांची से दिल्ली के लिए टेकऑफ किया था। थोड़ी ही देर में एयर एंबुलेंस का संपर्क रडार से टूट गया और हादसे का शिकार हो गया। एयर एंबुलेंस क्रैश होने के बाद गांव के आसपास अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, इस एयर एंबुलेंस में दो कैप्टन विवेक विकास भगत व स्वराजदीप सिंह के अलावा पेशेंट संजय कुमार, अटेंडेंट अर्चना देवी व ध्रुव कुमार, डॉक्टर विकास कुमार गुप्ता और पैरामेडिक सचिन कुमार मिश्रा सवार थे। एयर एंबुलेंस क्रैश होने की सूचना चतरा जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस को मिली। फौरन ▶▶ 8

व्हाट्सऐप ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह बिना स्पष्ट सहमति के डेटा साझा नहीं करेगा

नई दिल्ली (ईएमएस): देश की सबसे बड़ी मैसेंजिंग ऐप्स में से एक व्हाट्सऐप ने प्राइवेसी मामले में सुप्रीम कोर्ट के सामने अपना रुख नरम किया है। कंपनी ने कहा है कि वह यूजर्स का डेटा उनकी स्पष्ट मंजूरी के बिना साझा नहीं करेगी और नियामकों के निर्देशों का पालन करेगी। इसे कंपनी का यू-टर्न माना जा रहा है, क्योंकि २०२१ में लाई गई नई प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर कंपनी पहले काफी आक्रामक रुख में थी।

साल २०२१ में व्हाट्सऐप ने अपनी नई प्राइवेसी पॉलिसी जारी की। इस पॉलिसी में कहा गया था कि बिजनेस अकाउंट्स और कुछ अन्य सेवाओं के लिए यूजर्स का डेटा उसकी पैरेंट कंपनी चशींर झश्ररींर्षीाी खपल्। के साथ साझा किया जा सकता है। कई यूजर्स और जानकारों ने इसे टेक इट ऑर लीव इट मॉडल बताया। यानी अगर आपको व्हाट्सऐप इस्तेमाल करना है तो शर्तें माननी ही होंगी वरना इस ऐप को आप छोड़ दें। इसका व्यापक विरोध हुआ और मामला नियामक संस्थाओं और अदालतों तक पहुंच गया।

यहां पर इस मामले में कंपीटिशन कमीशन ऑफ इंडिया ने दखल दिया। आयोग ने पाया कि व्हाट्सऐप ने अपनी मजबूत बाजार स्थिति का फायदा उठाया और यूजर्स को नई शर्तें ▶▶ 8

अंडमान में समुद्र में हेलिकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग

श्री विजयापुरम (ईएमएस): अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मंगलवार सुबह ९.३० बजे एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। घटना के समय उसमें ५ यात्री और २ पायलट सवार थे। इनमें ३ महिला, ३ पुरुष और एक बच्चा मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि पवन हंस कंपनी के हेलिकॉप्टर ने सुबह ८.३० बजे पोर्ट ब्लेयर से अंडमान के मायाबंदर के लिए उड़ान भरी थी। हेलिकॉप्टर के मायाबंदर पहुंचने के पहले ही उसमें खराबी आ गई। इसके बाद रनवे से ३०० मीटर पहले ही समुद्र में हेलिकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग कराई गई। नागरिक उड्डयन निदेशक नितेश रावत ने बताया कि घटना में दोनों पायलट और ५ यात्री घायल हुए हैं। सभी को मायाबंदर के डॉ. राजेंद्र प्रसाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सेवातीर्थ में पहली कैबिनेट बैठक में मोदी कैबिनेट ने कई बड़े फैसलों पर लगाई मुहर
केरल का नाम अब होगा केरलम, तीन रेल 'मल्टी-ट्रैकिंग' प्रोजेक्ट को भी मंजूरी

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नई कार्य संस्कृति और महत्वाकांक्षी फैसलों के साथ १४० करोड़ लोगों के हित को सर्वोपरि रखते हुए महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए हैं। नए पीएमओ भवन 'सेवातीर्थ' में पहली कैबिनेट बैठक का आयोजन हुआ। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह संकल्प लिया गया कि सभी नीतिगत निर्णय संविधान के मूलभूत सिद्धांतों के अनुरूप होंगे। मंत्रिमंडल ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने का फैसला किया। इसके साथ ही महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, बिहार और झारखंड के आठ जिलों में तीन मल्टी-ट्रैकिंग रेल परियोजनाओं को मंजूरी देने जैसे बड़े फैसलों को हरी झंडी दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में, यह संकल्प भी लिया गया कि संवैधानिक मूल्य उस नैतिक प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति है, जो शासन को नागरिक की गरिमा, समानता और न्याय से जोड़ती है। सेवा तीर्थ की कार्य-संस्कृति में यही भावना निहित होगी, जहां हर नीति संविधान की मूल भावना के अनुरूप होगी और हर निर्णय देशवासियों की आकांक्षाओं के प्रति उत्तरदायी होगा। यह बैठक एवं यह भवन नये भारत के नवनिर्माण की एक स्पष्ट अभिव्यक्ति है। एक सरकारी रिलीज के अनुसार, इस शुरूआत के साथ, हम उस भविष्य का स्वागत कर रहे हैं, जिसके निर्माण में सदियों का श्रम लगा है।

आजादी के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) साउथ ब्लॉक में इतने दशकों तक सरकारों ने विरासत को संभाला और भविष्य के सपने देखे। इसमें कहा गया है, हमने एक ऐसे भारत के सपने देखे, जिसकी सोच स्वदेशी हो, स्वरूप आधुनिक हो, और सामथ्र्य अनंत हो। आज यह सेवातीर्थ उसी संकल्पना का वह मूर्त रूप है जो लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत के गौरव को बढ़ाएगा।

भविष्य की आर्थिक संभावनाओं के लिए नई राह का निर्माण करे : मंत्री जी. किशन रेड्डी

धनबाद (कासं) : नेयवेली में एनएलसी इंडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला 'मूविंग बियॉन्ड एक्सट्रैक्शन: माइन क्लोज़र एंड रिपर्पज़िंग' का समापन हुआ। दोदिवसीय इस कार्यशाला का उद्घाटन केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी द्वारा किया गया, जिसमें खनन क्षेत्र से जुड़े वरिष्ठ विशेषज्ञों, नीतिनिर्माताओं तथा सार्वजनिक क्षेत्र की खनन कंपनियों के प्रतिनिधियों ने व्यापक रूप से भाग लिया।

अपने संबोधन में मंत्री जी. किशन रेड्डी ने इस बात पर बल दिया कि वैज्ञानिक एवं नियोजित माइन क्लोज़र की रूपरेखा खनन के आरंभिक चरण से ही तैयार की जानी चाहिए, जिससे खदान बंदी केवल एक औपचारिक प्रक्रिया न होकर स्थानीय समुदायों, पर्यावरण और भविष्य की आर्थिक संभावनाओं के लिए नई राह का निर्माण करे। कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त ने कार्यशाला को एक दूरदर्शी पहल बताते हुए माइन रिपर्पज़िंग की अवधारणा को देश में बढ़ते पर्यावरणीय दायित्व और समुदायकेन्द्रित विकास मॉडल से जोड़ते हुए इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने भी अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज की। दो दिवसीय इस कार्यशाला में माइन क्लोज़र नीति, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन, समुदाय भागीदारी, पुनर्प्रयोजन मॉडल तथा अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं पर विशेषज्ञ पैनल चर्चाएँ आयोजित की गई।

कार्यक्रम में कोयला मंत्रालय एवं कोल इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी, बीसीसीएल सहित अन्य सीपीएसई के प्रतिनिधिगण तथा टीएमसीपी माइंस, बीसीसीएल के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। दोदिवसीय यह राष्ट्रीय कार्यशाला माइन क्लोज़र एवं सतत् खनन के क्षेत्र में ज्ञानविनिमय और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने का महत्वपूर्ण अवसर रहा।

घायलों से मिलने एसएनएमएमसीएच पहुँचे पूर्व विधायक संजीव

धनबाद (कासं) : पूर्व विधायक संजीव सिंह शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) पहुँचे, जहाँ उन्होंने मतदान के दिन हुई मारपीट की घटना में घायल हुए लोगों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। अस्पताल पहुँचने पर उन्होंने सबसे पहले अधीक्षक डॉ. डी.के. गिन्दोरिया से मुलाकात कर घायलों की स्वास्थ्य स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। इसके बाद वे सर्जिकल आईसीयू पहुँचे और भर्ती घायलों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना।

बताया जा रहा है कि विगत दिनों झरिया थाना क्षेत्र के दास बस्ती में मतदान के दौरान दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई थी, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों को तत्काल शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार घायलों की पहचान तिक दास और शशि शेखर के रूप में हुई है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पूर्व विधायक संजीव सिंह अस्पताल पहुँचे और आपातकालीन विभाग में भी जाकर एक घायल से बातचीत की। उन्होंने पीड़ितों से घटना की पूरी जानकारी ली और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

पूर्व विधायक संजीव सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मतदान जैसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के दौरान हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मारपीट में शामिल सभी लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई जाएगी और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई कराई जाएगी। उन्होंने प्रशासन से भी मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

जनकल्याणकारी वाला बजट : विधायक चंद्रदेव

बलियापुर (ससे) : सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने बजट की सरहाना करते हुए इसे समावेशी एवं जनकल्याणकारी बजट बताया। उन्होंने कहा की बजट में माध्यमिक शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। इससे पंचायती राज व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। वही महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ मंईयां सम्मान योजना के लिए यह बेहतर बजट साबित होगा।

बजट घोषणाओं व आंकड़ों का दस्तावेज : विधायक रागिनी

धनबाद (कासं) : झारखंड सरकार द्वारा विधानसभा में पेश किया गया बजट राज्य की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने में पूरी तरह विफल रहा है। लोगों को आशा थी कि यह बजट महंगाई, बेरोजगारी, बदहाल शिक्षा व्यवस्था, जर्जर स्वास्थ्य ढांचे और किसानों की समस्याओं के समाधान की ठोस दिशा देगा, लेकिन वास्तविकता में यह केवल घोषणाओं और आंकड़ों का दस्तावेज बनकर रह गया।

यह बजट न तो युवाओं को रोजगार की स्पष्ट राह दिखाता है, न किसानों को राहत देता है और न ही महिलाओं, छात्रों तथा मध्यमवर्गीय परिवारों को कोई ठोस सहारा प्रदान करता है। समाज का हर वर्ग खुद को उपेक्षित महसूस कर रहा है। सरकार की नीतिगत अस्पष्टता और विभागों के बीच तालमेल की कमी साफ तौर पर दिखाई दे रही है। जनता अब खोखले वादों नहीं, बल्कि जमीनी काम और जवाबदेही चाहती है।

आउटसोर्सिंग माइंस में वाहन कई फीट नीचे गिरा, तीन घायल

धनबाद (कासं) : धनबाद स्थित बीसीसीएल की आउटसोर्सिंग कम्पनियां सुरक्षा में बड़ी लापरवाही बरत रहे है। जिसके कारण दुर्घटनाओं पर लगाम नही लग पा रहा है। ताज़ा मामला कतरास थाना क्षेत्र के बीसीसीएल एरिया३ के एसजीटी आउटसोर्सिंग का जहाँ संचालित माइंस में बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल, माइंस में रातों रात रास्ता काट दिए जाने से और इसकी सूचना सभी कर्मियों के नही होने के कारण माइंस में जा रहा एक वाहन कई फीट नीचे गिर गया। जिससे न सिर्फ वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, बल्कि इस घटना में वाहन चला रहा चालक और दो अन्य कर्मी बुरी तरह घायल हो गए है। सभी घायलों को गम्भीरवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, इस घटना के लिए स्थानीय प्रबंधन पर सुरक्षा में लापरवाही का आरोप लग रहा है।

जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं से अवगत हुए डीसी

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन द्वारा कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को सुना एवं आश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों का जल्द से जल्द जाँच कराते हुए उचित समाधान कराया जाएगा।

जनता दरबार में रोहड़ाबांध बस्ती से आए एक व्यक्ति ने सेल द्वारा भूमि अधिग्रहण में मिलने वाली मुआवजा राशि एवं नियोजन से संबंधित आवेदन उपायुक्त को सौंपा, कंचनपुर से आई पूजा कुमारी ने ओबीसी प्रमाण पत्र बनने में आ रही समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया, पूर्वी टुंडी से आए अर्जुन कुमार ने अपने रैयती जमीन पर घर निर्माण कार्य नहीं करने देने से संबंधित शिकायत दर्ज कराई, वही अमलाटांड़ से आए मोहम्मद हसन अंसारी ने मकान का शौचालय तोड़ने तथा बिजली काटने और रंगदारी मांगने से संबंधित समेत विभिन्न समस्याओं एवं शिकायत से उपायुक्त अवगत हुए। उपायुक्त ने लोगों को पूर्ण भरोसा दिलाया कि आपकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन विधि सम्मत आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा।

न्याय की जीत, हत्या के आरोपी बाइज्जत बरी

जोड़ापोखर (ससे) : धनसार थाना कांड संख्या १३३/२०१७ के तहत दर्ज हत्या के एक गंभीर मामले में धनबाद स्थित एडीजे-६ अदालत ने विस्तृत सुनवाई के बाद आरोपी को बाइज्ज़त बरी कर दिया। अदालत का यह फैसला न्याय व्यवस्था में साक्ष्य और निष्पक्ष सुनवाई की महत्ता को दर्शाता है। मामले की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से वरीय अधिवक्ताओं की टीम ने प्रभावी पैरवी की। अधिवक्ता अंजन कुमार सिन्हा, सोमनाथ ठाकुर, अशोक कुमार सिंह एवं नीतीश कुमार ने वरिष्ठ अधिवक्ता डी. डी. ठाकुर के मार्गदर्शन में अदालत के समक्ष मजबूत कानूनी तर्क प्रस्तुत किए। बचाव पक्ष ने साक्ष्यों, गवाहों के बयानों और अनुसंधान प्रक्रिया की बारीकी से समीक्षा करते हुए यह दलील दी कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने में असफल रहा है। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत तथ्यों और दस्तावेजों पर गंभीरता से विचार करने के बाद न्यायालय ने पाया कि आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त और ठोस साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। इसी आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषमुक्त करार देते हुए बाइज्ज़त रिहा करने का आदेश दिया।

फैसले के बाद अधिवक्ता अंजन कुमार सिन्हा ने कहा कि न्यायालय में सत्य और प्रमाण सर्वोपरि होते हैं। उन्होंने इसे न्याय की जीत बताते हुए कहा कि यह निर्णय एक निर्दोष व्यक्ति को राहत देने वाला है। यह फैसला आम नागरिकों के लिए यह संदेश देता है कि अदालतें तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय देती हैं तथा न्यायपालिका पर जनता का विश्वास कायम है।

जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट : अनुपमा सिंह

जोड़ापोखर (ससे) : झारखंड राज्य के वित्तीय वर्ष के लिए प्रस्तुत बजट का स्वागत करते हुए धनबाद लोकसभा क्षेत्र की लोकप्रिय कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह ने इसे जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाला संतुलित एवं दूरदर्शी बजट बताया है। श्रीमती सिंह ने कहा कि यह बजट राज्य के गरीबों, किसानों, आदिवासियों, महिलाओं एवं युवाओं सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के समग्र विकास की दिशा में एक सार्थक पहल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट राज्य के विकास को नई गति प्रदान करेगा तथा आम जनता की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं रोजगार सृजन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा मिलेगा। अनुपमा सिंह ने कहा कि यह बजट न केवल वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, बल्कि भविष्य की विकास योजनाओं की मजबूत नींव भी रखता है। यह बजट राज्य की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा तथा समावेशी विकास को सुनिश्चित करेगा।

विश्वास की भावना को मजबूत करने वाला बजट : समीर रवानी

धनबाद (कासं) : झामुमो के जिला प्रवक्ता समीर रवानी ने झारखण्ड सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को राज्य के सर्वांगीण विकास, सामाजिक न्याय और समावेशी प्रगति की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट जनभावनाओं के अनुरूप तैयार किया गया है, जिसमें गरीब, किसान, युवा, महिला, मजदूर, व्यापारी और कर्मचारियों सभी वर्गों का विशेष ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट विकास के साथ विश्वास की भावना को मजबूत करता है। इस बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, सड़क निर्माण, पेयजल, बिजली और रोजगार सृजन पर विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिससे झारखण्ड के हर जिले और हर पंचायत तक विकास की रोशनी पहुँचेगी।

सामान्य प्रेक्षक ने की प्रीसाइडिंग ऑफिसर डायरी की समीक्षा

धनबाद (कासं) : धनबाद नगर निगम के सामान्य प्रेक्षक रोबिन टोप्पो ने राजकीय पॉलिटेक्निक में धनबाद नगर निगम के महापौर व ५५ वार्ड के वार्ड पार्षद तथा चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष व २१ वार्ड पार्षद प्रत्याशी तथा उनके प्रतिनिधियों की मौजूदगी में प्रीसाइडिंग ऑफिसर डायरी की समीक्षा की।

इस दौरान सामान्य प्रेक्षक ने धनबाद नगर निगम तथा चिरकुंडा नगर परिषद के सभी बूथ के प्रीसाइडिंग ऑफिसर से प्राप्त प्रीसाइडिंग ऑफिसर डायरी की बारीबारी से समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उपस्थित प्रत्याशी या उनके प्रतिनिधियों ने कोई आपत्ति नहीं जताई।

मौके पर धनबाद नगर निगम के सामान्य प्रेक्षक रोबिन टोप्पो, महापौर पद के निर्वाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार के अलावा धनबाद नगर निगम व चिरकुंडा नगर परिषद के निर्वाची पदाधिकारी मौजूद थे।

डीडीसी ने कृषक पाठशाला में फल, सब्जी फूलों की खेती करने का दिया निर्देश

धनबाद (कासं) : उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने गोविंदपुर में समेकित ग्राम विकास योजना सह कृषक पाठशाला का निरीक्षण किया।

उन्होंने पाठशाला में संचालित गाय पालन, बत्तख पालन, मत्स्य पालन, फसल उत्पादन सहित अन्य गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पाठशाला में अमरूद, ड्रैगन फ्रूट, केला, पपीता, गन्ना, टमाटर, बैगन, खीरा, करेला, तरबूज के पौधों का रोपण करने का निर्देश दिया। साथ ही मेरीगोल्ड, गुलाब व अन्य खुशबूदार फूलों की खेती करने का भी निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने बकरी, मुर्गी और सूकर पालन के कार्य शीघ्रता से प्रारंभ करने, पाठशाला में साफ-सफाई और उच्च गुणवत्ता के फसलों की खेती प्रारंभ करने का निदेश दिया।

इसके बाद उन्होंने प्रखंड परिसर में बन रहे पौधा संरक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त सन्नी राज के साथ जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

मतगणना को ले काउंटिंग सुपरवाइजर व काउंटिंग असिस्टेंट का प्रथम रेंडमाइजेशन संपन्न

धनबाद (कासं) : नगर निकाय आम निर्वाचन को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की दिशा में प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इसी क्रम में मतगणना हेतु काउंटिंग सुपरवाइजर तथा काउंटिंग असिस्टेंट का प्रथम रेंडमाइजेशन संपन्न कराया गया।

यह रेंडमाइजेशन राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुरूप पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हुआ। पूरी प्रक्रिया जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन तथा सामान्य प्रेक्षक नगर निगम तथा नगर परिषद की उपस्थिति में संपन्न कराई गई, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज समेत सभी आरओ, एआरओ, डीआईओ मौजूद रहे।

तबियत बिगड़ने से कर्मी की मौत, प्रबंधन ने दिया तत्काल नियोजन

जोड़ापोखर (ससे) : लोदना क्षेत्र संख्या १० के कोलियरी कार्यालय में स्वीपर के पद पर कार्यरत गोपी हाड़ी ५६ वर्ष की मंगलवार को ड्यूटी के दौरान तबियत बिगड़ने के कारण उन्हें हॉस्पिटल लाया गया और इलाज के क्रम में मौत हो गई है। घटना के बाद क्षेत्र के संयुक्त मोर्चा समर्थकों तथा उसके नेताओं की सक्रियता के बाद शाम को लोदना क्षेत्रीय प्रबंधन ने मृतक के आश्रित पुत्र अजय हाड़ी को नियोजन पत्र तुरंत दिया गया। प्रबंधन द्वारा नियोजन पत्र दिए जाने के बाद मोर्चा का प्रस्तावित आंदोलन समाप्त हो गया है।

मृतक को पत्नी के अलावा दो पुत्र और दो पुत्री है। इस दौरान नगर निगम चुनाव के मेयर प्रत्याशी संजीव सिंह ने मौके पर क्षेत्रीय कार्यालय में पहुंचकर मृतक के पुत्र अजय से मिलकर सांत्वना देते हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया है। मालुम हो कि लोदना हाड़ी पट्टी निवासी गोपी हाड़ी लोदना कोलियरी में स्वीपर के पद पर कार्यरत है। सुबह में प्रथम पाली में ड्यूटी के दौरान उसकी तबियत बिगड़ने के बाद उसे जियलगोरा अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने गोपी की स्थिति गंभीर होने के चलते उसे केंद्रीय अस्पताल रेफर कर दिया जहां इलाज के क्रम में गोपी की मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने मृतक के आश्रित पुत्र को तत्काल नियोजन देने की मांग को लेकर क्षेत्रीय कार्यालय में गोलबद्ध होकर प्रबंधन से वार्ता किया। क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक अरिंदो कुंडू ने मोर्चा के नेताओं से वार्ता कर मृतक की पत्नी से सहमति लेने के बाद उसके बड़ा पुत्र अजय हाड़ी को नियोजन देने पर सहमति जताते हुए नियोजन पत्र सौंपा। श्री कुंडू ने नेताओं को आश्वस्त किया कि कंपनी के प्राविधान के तहत मृतक के परिवार को सारी सुविधा दी जाएगी । वार्ता में मोर्चा के बिहारीलाल चौहान, ललन पासवान, इस्माइल मल्लिक, अनिल सिंह, ध्रुव हरि, शिव पासवान, संजय यादव, सुभाष उपाध्याय, राजाराम भुईयां, नौशाद अंसारी, प्रजा पासवान आदि श्रमिक नेता थे।

पूर्व विधायक ने की रणनीति पर चर्चा

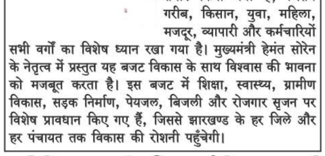

धनबाद (कासं) : चुनाव के उपरांत अपने आवास पर कार्यकर्ताओं के संग पूर्व विधायक संजीव सिंह ने आगे की रणनीति पर चर्चा की। मौके पर विभिन्न जगहों से आये कार्यकर्ता मौजूद रहें।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

जिज्ञासा कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों का प्रयोगशाला भ्रमण

धनबाद (कासं) : सीएसआईआर-केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थानसिम्फर धनबाद द्वारा जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत एकलव्य माध्यमिक विद्यालय, सहराज के विद्यार्थियों के लिए एक ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी प्रयोगशाला भ्रमण का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अनुसंधान के नवीनतम विकास से परिचित कराना तथा खनन, ईंधन अनुसंधान एवं पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न तकनीकों के व्यावहारिक उपयोगों की जानकारी प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को संस्थान की विभिन्न अनुसंधान प्रयोगशालाओं का मार्गदर्शित दौरा कराया गया, जहाँ उन्होंने वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं से संवाद किया। उन्हें कोयला अनुसंधान, पर्यावरण निगरानी तथा ऊर्जा संसाधनों से संबंधित अत्याधुनिक उपकरणों एवं चल रही परियोजनाओं की जानकारी दी गई। संस्थान द्वारा सतत् खनन पद्धतियों एवं ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में किए जा रहे अग्रणी कार्यों के बारे में जानकर विद्यार्थी विशेष रूप से उत्साहित हुए।

जिज्ञासा नोडल वैज्ञानिक डॉ. पल्लबी दास ने विद्यार्थियों को जिज्ञासा कार्यक्रम का परिचय देते हुए इसके उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी तथा युवा मनों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य वैज्ञानिक एवं समन्वयक, एचआरडी, स्किल एवं जिज्ञासा, इंजी. अमरनाथ ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक के रूप में करियर बनाने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया और उन्हें जिज्ञासा, समर्पण तथा नवाचारी सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

यह कार्यक्रम मुख्य वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, मानव संसाधन विकास, दिलीप कुम्भकर के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के कुल ५० विद्यार्थियों एवं ३ शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता की।

होली के पूर्व गरीब महिलाओं को दी गई जरूरत की सामग्री

जोड़ापोखर (ससे) : गेस्ट हाउस में सुरभि महिला समिति, लोदना क्षेत्र के द्वारा होली त्यौहार के उपलक्ष्य में भागा ५ नं. में रह रही २५ गरीब महिलाओ को साड़ी, रंग, अबीर, पिचकारी तथा खाने का पैकेट वितरण किया गया। सामग्री पाकर गरीब महिलाओं के चेहरे पर खुशी झलक रही थीं। इस कार्यक्रम में हिमाद्रि सिन्हा, डेजी कश्यप, मौली सील, पुष्पलता कुमारी, माला विश्वकर्मा, मीना कुमारी, कुमुद शर्मा, श्रीदेवी ने उपस्थित महिलाओं को दी गई।

महादेव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को ले निकाली गई कलश यात्रा

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर बीच बाजार स्थित दुदानी कॉलोनी में नवनिर्मित श्री श्री श्री महादेव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की शुरुआत भव्य कलश शोभायात्रा से की गई। जल यात्रा मंदिर से शुरू होकर ठाकुरबाड़ी तक पहुंची। जहां रंगबिरंगे परिधानों में सुसज्जित महिलाओं ने कलश उठाया। गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा का समापन मंदिर परिसर में हुई। शोभायात्रा में धार्मिक भजनों के बीच श्रद्धालु हर हर महादेव की जयकारा लगाते हुए चल रहे थे। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं बच्चे एवं शामिल थे। कलश स्थापित करने के पश्चात आचार्य दीपक पांडे की अगुवाई में पंचांग पूजन मंडप प्रवेश बेदी पूजन जलाधिवास आदि अनुष्ठान किया गया। शाम को संध्या आरती की गई। २५ फरवरी को शिव परिवार एवं बजरंगबली आदि विग्रहों का नगर भ्रमण होगा। २६ फरवरी को प्राण प्रतिष्ठा, हवन, पूर्णाहुति एवं भंडारा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में राखाल चंद्र तिवारी, संजय अग्रवाल, दिनेश मंडल, छोटू तिवारी, विनोद साव, बीके सिंह, प्रदीप साव, नारायण सेन, गौर दास धनंजय सिंह नवीन सिंह, संतोष साव, सत्यनारायण साव आदि थे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर निर्भरता कम करने पर जोर

बलियापुर (ससे) : प्रजन्य बीएड कॉलेज पहाड़पुर में शैक्षणिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में कॉलेज के सत्र २०२४-२६ एवं २०२५२७ के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव एवं दुष्प्रभाव पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। प्राचार्य डॉक्टर सजल बनर्जी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर निर्भरता कम करने और शिक्षा प्राप्ति के लिए शिक्षकों का सानिध्य एवं पाठ्य पुस्तकों के उपयोग पर जोर दिया। मौके पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

बच्चा चोरी की अफवाह पर मारपीट, तीन आरोपी भेजे गए जेल

धनबाद (कासं) : बच्चा चोरी की अफवाह के बाद दो युवकों के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह घटना राजगंज थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार, डब्लू महतो द्वारा दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की। आवेदन में बताया गया है कि डब्लू महतो अपने साले दीपक महतो के साथ टहलते हुए डालूडीह पुल के पास पहुंचे थे। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने बच्चा चोर होने की अफवाह फैलाते हुए दोनों पर हमला कर दिया और उनके साथ मारपीट की।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को भीड़ के चंगुल से छुड़ाया। घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए कतरास स्थित एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया गया।

पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करते हुए मामले में नामजद विनय मिस्त्री (५६), आकाश तुरी (२१) और सोनू तुरी (२५) को विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आरोपियों को जेल भेजे जाने के दौरान बड़ी संख्या में उनके परिजन सुबह से ही थाना परिसर में जुटे रहे और उन्हें छोड़ने की मांग करते नजर आए।

पुलिस प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। किसी भी संदिग्ध परिस्थिति में स्वयं कानून हाथ में लेने के बजाय तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

लापता युवक का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

धनबाद (कासं) : सुदामडीह थाना क्षेत्र के मोहनबाजार स्थित पथरकट्टा मोहल्ला निवासी

गणेश रवानी उर्फ बबुआ (३८) का शव पास के ही कुआं में तैरता हुआ पाया गया है। वहीं, शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव को देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर सुदामडीह थाना की पुलिस मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज मामले की जांच में जुट गई है।

मृतक डेकोरेटर में मजदूरी का काम किया करता था, जो अविवाहित था तथा शराब का सेवन किया करता था। वहीं मृतक के बड़े भाई राजू ने बताया कि लगभग आठ दिनों से उसका भाई गणेश घर से लापता था। जिसकी खोज परिजनों द्वारा की जा रही थी। लोगों द्वारा सूचना मिली कि एक शव कुआं में गिरा पड़ा है। मौके पर पहुँच शव बाहर निकलवाने पर शव की पहचान उनके भाई गणेश के रूप में कई गई।

वहीं, पुलिस ने शव को कैंजे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने का इंतजार कर रही है, उसके बाद ही मौत के कारणों और अनुसंधान को गति मिल सकेगी।

बीच सड़क पर नाली निर्माण का नागरिकों ने किया विरोध

गोविंदपुर (ससे) : पथ निर्माण विभाग द्वारा गोविंदपुर के टुंडी रोड में बीच सड़क पर नाली निर्माण का नागरिकों ने विरोध किया है। मंगलवार को विभिन्न पंचायत प्रतिनिधि निर्माण स्थल पहुंचे और बीच सड़क पर निर्माण कार्य रोकने की अपील की। उन्होंने इस संबंध में पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता मिथिलेश कुमार और कनीय अभियंता अमित रंजन से बात भी की।

जनप्रतिनिधियों ने इस संबंध में धनबाद उपायुक्त को पत्र लिखा है। इसकी प्रति कार्यपालक अभियंता को भी दी गई है। पत्र में गोविंदपुर पूर्वी की मुखिया झूमा मुखर्जी, पश्चिमी की मुखिया ममता देवी, अमरपुर की मुखिया सोनी खातून, पूर्व मुखिया मोबिन अंसारी, जमडीहा मुखिया गोविंद प्रसाद साव, विधायक प्रतिनिधि जय जीत मुखर्जी, २० सूत्री अध्यक्ष अख्तर हुसैन अंसारी, वीरेंद्र रजक, भाजपा नेता रतिरंजन गिरि, जहीर अंसारी, तालेश्वर साव, गोविंद राय, अमजद अंसारी, अशोक दत्ता समेत दर्जनों ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं। आवेदन में कहा गया है कि पथ निर्माण विभाग द्वारा मनमाना तरीके से सड़क के किनारे की बजाय बीच सड़क पर नाली का निर्माण किया जा रहा है। इससे अतिक्रमण से घिरी टुंडी सड़क और संकीर्ण हो जाएगी तथा इस सड़क पर भी जाम लगने लगेगा।

पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा है कि सड़क के किनारे यदि अतिक्रमण हेतु प्रशासन से हटा दे और नाली निर्माण के बाद दुकान फिर से लगने लगे। उन्होंने कहा कि पत्र निर्माण विभाग ने इसके लिए ३६ लाख रुपए की स्वीकृति दी है परंतु बीच सड़क पर नाली निर्माण से यह राशि बेकार साबित होगी। इस संबंध में पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता ने कहा कि संवेदक द्वारा यदि बीच सड़क प्रणाली का निर्माण कराया जा रहा है तो काम रोक दिया जाएगा तथा प्रशासन से सड़क के किनारे का अतिक्रमण हटाने के बाद नाली निर्माण का निर्देश दिया जाएगा।

कड़े सुरक्षा घेरे में राजकीय पॉलिटेक्निक, 27 को मतगणना

धनबाद (कासं) : धनबाद नगर निकाय चुनाव के शांतिपूर्ण

समापन के बाद सभी मतदान केंद्रों से मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा के बीच संग्रहित कर राजकीय पॉकिटेक्निक में सुरक्षित रखा गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार २७ की सुबह यहीं पर मतों की गिनती प्रारंभ की जाएगी। मतगणना को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग ने व्यापक तैयारियां की हैं।

मतगणना स्थल को पूरी तरह सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है। परिसर में तीन स्तरीय सुरक्षा कवच तैयार किया गया है। बाहरी घेरा में सशस्त्र बलों की तैनाती की गई है, जहां आने-जाने वाले हर व्यक्ति की सघन जांच की जा रही है, बिना पास किसी को अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। मध्य घेरा में दंडाधिकारियों एवं डीएसपी स्तर के पुलिस पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया है, जबकि आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी विशेष रूप से प्रशिक्षित बलों को सौंपी गई है। इस तीसरे घेरे के आगे जाना प्रतिबंधित किया गया है। पूरे परिसर की घेराबंदी कर दी गई है तथा संवेदनशील बिंदुओं पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी निगरानी कंट्रोल रूम से की जा रही है। मतपेटियों के जमा होने के बाद संबंधित भवन को विधिवत सील कर दिया गया है और सील की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और लगातार अधिकारियों से अपडेट ले रहे हैं। डीएसपी स्तर के अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जो २४ घंटे स्थल पर कैम्प कर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त अग्निशमन दल और चिकित्सा टीम को भी सतर्क रखा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। एसएसपी ने स्पष्ट किया है कि मतगणना के दिन भी सुरक्षा के वही कड़े इंतजाम लागू रहेंगे। पूरे परिसर में बैरिकेडिंग, प्रवेश नियंत्रण और पहचान सत्यापन की प्रक्रिया सख्ती से लागू की जाएगी, ताकि मतगणना प्रक्रिया पूर्णतः शांतिपूर्ण और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हो सके।

नाई समाज ने मनाया होली मिलन समारोह

जोड़ापोखर (ससे) : रामचंद्र दल झरिया में नाई समाज संघ झरिया द्वारा नगर अध्यक्ष ईश्वर ठाकुर के अध्यक्षता में उत्साह के साथ होली मिलन समारोह किया गया। डॉ बी एन शर्मा ने कहा कि पुराने द्वेष भावनाओं को भुला कर रंगों का त्योहार होली को खुशी और उल्लास के साथ मनाएं इस समारोह में कलाकारों ने शुर, ढोल, ताशे पर खूब समां बंधा जिसका उपस्थित सैकड़ों लोगों ने जम कर आनंद लिया और एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर एकता का परिचय दिया।

साथ ही साथ बाबा धर्मदास एवं नारायणी माता से प्रार्थना किया कि रंगों का त्योहार होली सभी के जीवन में नया सकारात्मक रंग लाये।

मुख्य रूप से उपस्थिति में प्रखंड अध्यक्ष मोहन ठाकुर, प्रखंड सचिव प्रदीप ठाकुर, नगर सचिव राजकुमार ठाकुर, नगर उपसचिव रामाशीष शर्मा, नगर सलाहकार निरंजन शर्मा, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष लाल धारी शर्मा, अरविंद शर्मा, महेंद्र शर्मा, सुबोध ठाकुर, एमके ठाकुर, संजय ठाकुर, रामाशीष ठाकुर, पन्नालाल शर्मा, रंजन शर्मा, गौतम ठाकुर, किशोर ठाकुर, श्रावण शर्मा, ब्रह्मदेव शर्मा, नरेश शर्मा, रामचंद्र ठाकुर, श्याम सुंदर ठाकुर, रामधिन शर्मा, अभिषेक शर्मा, बिनोद ठाकुर और भी सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

मेयर प्रत्याशी संजीव सिंह पहुंचे राजकीय पॉलिटेक्निक परिसर

धनबाद (कासं) : मेयर प्रत्याशी संजीव सिंह राजकीय पॉलिटेक्निक परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने मतगणना प्रक्रिया को लेकर चल रही गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान समर्थकों से मुलाकात कर उन्होंने शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील की। मीडिया से बातचीत में संजीव सिंह ने कहा कि जनता का मत बहुत जल्द सामने आएगा, आप सभी धैर्य रखें और इंतजार कीजिए। मुझे पूर्ण विश्वास है कि जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है। उन्होंने आगे कहा कि मैं धनबाद की देवतुल्य जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। जो लोग मेरे साथ खड़े हैं, मैं भी सदा उनके साथ मजबूती से खड़ा रहूँगा। परिसर में समर्थकों के बीच उत्साह का माहौल देखा गया, वहीं प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

पिकलबाल खेल को ऊंचाइयों तक ले जाना है : बी सुधीर

धनबाद (कासं) : झारखंड पिकल बॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बी सुधीर ने धनबाद स्थित अपने आवासीय कार्यालय में बताया कि झारखंड में खेल एवं खिलाड़ियों की असीम प्रतिभा है, जिसे निखारने एवं उचित मंच प्रदान करने की आवश्यकता है। इसी क्रम में पिकल बॉल खेल दिनप्रतिदिन लोकप्रिय होता जा रहा है और अनेक खिलाड़ी इस खेल में प्रशिक्षण प्राप्त करने एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने की इच्छा जता रहे हैं खिलाड़ियों को संगठित मंच, व्यवस्थित प्रशिक्षण, संसाधन एवं प्रतियोगिताओं में भागीदारी के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राँची जिला पिकल बॉल एसोसिएशन का विधिवत गठन किया गया है। यह गठन झारखंड पिकल बॉल एसोसिएशन के सचिव प्रभात कुमार एवं उपाध्यक्ष बी. सुधीर के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। शीघ्र ही धनबाद समेत उन जिलों में जिला पिकल बॉल एसोसिएशन का गठन होगा।ओमकार मिश्रा ने कहा पिछले प्रतिस्पर्धाओं में झारखंड के पिकलबाल खिलाड़ियों ने बहुत ही उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इन्हें बड़ा मंच सरकार के द्वारा मिलना चाहिए।

रांची जिला पिकल बॉल एसोसिएशन में अध्यक्ष संजय पांडेय, उपाध्यक्ष मंजीत सिंह, सचिव ऋषि कुमार, संयुक्त सचिव सुमित कुमार, कोषाध्यक्ष योगेश कुमार, कार्यकारिणी समिति सदस्य में हृदीप पी. जनार्दन, दिलीप खलखो, मंगल सिंह, मनोज तिवारी, सीमा, रानी तिर्की, अजीत कुमार, सुमन सिन्हा, विकाश अग्रवाल, भरत कुमार हैं। नवगठित एसोसिएशन का उद्देश्य राँची जिले में पिकल बॉल खेल को बढ़ावा देना, प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षित करना तथा जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में सहभागिता सुनिश्चित करना है। एसोसिएशन शीघ्र ही प्रशिक्षण शिविर, कार्यशालाएं एवं जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की रूपरेखा तैयार करेगा, जिससे युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिल सके।

जिले भर में चला एंटी क्राइम जांच अभियान

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देशानुसार जिले में विधिब्यवस्था सुदृढ़ रखने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से व्यापक एंटी क्राइम जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में एक साथ सघन वाहन जांच और संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई। अभियान के दौरान कुल १२१४ वाहनों की बारीकी से जांच की गई। पुलिस टीमों ने दोपहिया, चारपहिया एवं व्यावसायिक वाहनों की डिक्की, कागजात और ड्राइविंग लाइसेंस की जांच की। बिना कागजात, नियमों का उल्लंघन करने वाले तथा संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त पाए गए वाहन चालकों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थलों, चौकचौराहों, बस स्टैंड एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों में संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी अभियान भी चलाया गया। पुलिस ने लोगों से पूछताछ कर उनकी पहचान सत्यापित की और आपराधिक पृष्ठभूमि की भी जांच की। एसएसपी ने बताया कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने, चोरीछिनतई, अवैध हथियार एवं नशा तस्करी जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए इस प्रकार का अभियान आगे भी जारी रहेगा। आम जनता से अपील की गई है कि वे कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

मतगणना केंद्र का डीसी-एसपी ने किया निरीक्षण

बोकारो (ससे): चास स्थित कृषि उत्पादन बाजार समिति परिसर में बनाए गए मतगणना केंद्र का जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह, उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार समेत अन्य पदाधिकारियों द्वारा विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मतगणना प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने हेतु की गई तैयारियों की गहन समीक्षा* की गई।

नगर पालिका आम निर्वाचन २०२६ अंतर्गत चास नगर निगम एवं फुसरो नगर परिषद की मतपेटियों की गणना हेतु चिन्हित *मतगणना हॉल का जायजा लेते हुए अधिकारियों ने स्ट्रांग रूम से मतगणना हॉल तक मतपेटियों के सुरक्षित ले जाने की व्यवस्था, त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा, सीसीटीवी निगरानी, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं अग्निशमन संसाधनों की उपलब्धता की समीक्षा की। साथ ही, निर्वाची पदाधिकारी, अभ्यर्थियों एवं उनके अधिकृत अभिकर्ताओं के प्रवेश एवं निकासी मार्गों को अलग-अलग सुनिश्चित करने, अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित रखने तथा बैरिकेटिंग को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए गए।

मीडिया सेंटर, मेडिकल सुविधा एवं हेल्प डेस्क की तैयारियों की समीक्षा*

निरीक्षण के क्रम में मीडिया कर्मियों के लिए बनाए गए मीडिया सेंटर, चिकित्सीय सहायता हेतु मेडिकल टीम की तैनाती तथा हेल्प डेस्क की व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। मीडिया प्रतिनिधियों को सुगम सूचना उपलब्ध कराने, पेयजल, शौचालय एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस एवं प्राथमिक उपचार की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा।

मतगणना दिवस के दिन मतगणना कर्मियों, पदाधिकारियों, पुलिस बल, अधिकृत मीडिया प्रतिनिधियों, अभ्यर्थियों एवं उनके अभिकर्ताओं के लिए अलग - अलग वाहन पार्किंग स्थलों का चिन्हांकन किया गया है।

हाथियों के विचरण की ताजा जानकारी के लिए व्हाट्सएप चैनल जारी

बोकारो (ससे): बोकारो जिला में *हाथियों की गतिविधियों को देखते हुए जिला प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा नागरिकों तक समय पर सूचना पहुँचाने के लिए आधिकारिक अपडेट व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। अब लोग हाथियों की लोकेशन, मूवमेंट और सुरक्षा निर्देश सीधे व्हाट्सएप चैनल के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

प्रशासन ने सभी प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत वन विभाग को सूचना देने का अनुरोध किया है।

हाथियों से संबंधित ताज़ा अपडेट पाने के लिए आधिकारिक व्हाट्सएप चैनल को फॉलो करें:यह पहल मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, विशेषकर बोकारो जिले के प्रभावित क्षेत्रों में्।

बीएसएल में सेफ्टी सर्कल कार्यशाला का भव्य उद्घाटन

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में 'सेफ्टी सर्कल स्कीम' के अंतर्गत तीन दिवसीय सेफ्टी सर्कल कार्यशाला का शुभारंभ आज दिनांक २४ फरवरी २०२६ को हुआ. २६ फरवरी २०२६ तक चलने वाली इस कार्यशाला का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त द्वारा मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) बिपिन कृष्ण सरतापे तथा मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा की उपस्थिति में किया गया.

कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा ने गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया. उन्होंने कार्यशाला की संरचना, इसके मुख्य उद्देश्यों तथा इससे अपेक्षित परिणामों के संबंध में विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की.अपने उद्घाटन संबोधन में अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अनुप कुमार दत्त ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यशाला सुरक्षा ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ संयंत्र में एक सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति के विकास में मील का पत्थर साबित होगी. उन्होंने विशेष रूप से कार्यस्थल पर जोखिम एवं खतरों की पहचान तथा उनके सटीक आकलन (रिस्क एवं हैज़र्ड कैलकुलेशन) के महत्व पर बल दिया, ताकि कार्यस्थल को कार्मिकों के लिए पूरी तरह सुरक्षित एवं संरक्षित बनाया जा सके.

इस कार्यशाला में क्यूसीएफआई के गोपाल प्रसाद सिंह, पूर्व मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ), भिलाई इस्पात संयंत्र, बतौर मुख्य संकाय (फैकल्टी) के तौर पर अपनी सेवाएँ दे रहे हैं. वे प्रतिभागियों के साथ सेफ्टी सर्कल की अवधारणाओं, खतरा पहचान, जोखिम मूल्यांकन तथा सतत सुरक्षा सुधार से संबंधित व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारियाँ साझा कर रहे हैं. कार्यशाला का सुचारु संचालन एवं समन्वय, प्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) जे. एन. यादव तथा सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) एस. के. डी. भौमिक द्वारा किया जा रहा है.

यह सेफ्टी सर्कल कार्यशाला कर्मचारियों की सुरक्षा पहलों में सक्रिय भागीदारी को सुदृढ़ करने तथा संगठन में एक पूर्व-सक्रिय सुरक्षा संस्कृति को मजबूती प्रदान करने की दिशा में बोकारो इस्पात संयंत्र की एक महत्वपूर्ण पहल है. नियमित रूप से ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन न केवल कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं की संभावना को कम करता है, बल्कि कार्मिकों के मनोबल और सुरक्षा के प्रति उनकी सजगता को भी बढ़ाता है.

झाएकिमयू केंद्रीय अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री के नाम डीसी को सौंपा मांग पत्र

डुमरी (ससे): झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने मंगलवार को सूबे के मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त गिरिडीह को एक मांग पत्र सौंप डुमरी अनुमंडल में अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड कार्यालय में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं निबंधन कार्यलय में रजिस्टार को पदस्थापित करने के साथ-साथ विभिन्न विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की मांग की है। पत्र में लिखा है कि अनुमंडल में अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा निबंधन कार्यलय में रजिस्टार पदस्थापित नहीं हैं,जिस कारण आम जनता को भारी कठिनाईयों का करना पड़ रहा है। क्योंकि इन विभागों में स्थायी रूप से पदाधिकारी नहीं रहने के कारण लोगों को विभाग से संबंधित कार्य करवाने के लिए कार्यालय का नाहक ही चक्कर काटना पड़ता है। इसलिए उपरोक्त विभाग में पदाधिकारी का पदस्थापन अतिशिघ्र किया जाय ताकि जनता का काम सुचारू रूप हो सके। साथ ही पत्र के माध्यम अन्य विभागों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया है। जिसमें प्रखंड के कुलगो पंचायत में स्थित एसबीआई सीएससी संचालक द्वारा फर्जी डिपोजिट रसीद देकर करोड़ों रुपये का गबन किया गया है। जिसकी सूचना इससे संबंधित भारतीय स्टेट बैंक शाखा इसरी बाजार के अलावे सभी पदाधिकारियों को दी जा चुकी है। परंतु कोई कार्रवाई नही हुई है।प्रखंड के प्रत्येक पंचायत के सचिवालय में जनसेवक पंचायत सेवक,रोजगार सेवक,प्रज्ञा केन्द्र के कर्मचारी एवं जेई को बैठाया जाय।ताकि जनता की समस्या को हल किया जा सके। प्रखंड में भू-माफिया द्वारा अवैध तरीके से गैरमजरूवा और खतियानी जमीन का येन केन प्रकरेण अधिग्रहण करके उसे प्लॉटिंग कर बिक्री किया जा रहा है इसको रोका जाय।

जिस पर रोक लगाना आवश्यक है। जमीन की दाखिल खारिज में खाता, प्लॉट ऑनलाइन चढ़ाने में दलाली एवं राशि वसूली हावी है इस पर भी रोक लगाया जाय।प्रखंड के अन्तर्गत विभिन्न विभागो में आउटसोर्सिंग की नियुक्ति में स्थानीय स्तर से ७५ प्रतिशत बेरोजगार युवकों की नियुक्ति की जाय।जेएसएलपीएस में डुमरी प्रखंड में बीपीओ,एफटीसी,एक सीसी वर्षों से जमे हैं साथ ही झारखंड निवासी नहीं है,जो जेएसएलपीएस के नियम विरूद्ध है।इसकी जांच कर उपरोक्त पद पर कार्यरत कर्मियों को विरमित करते हुए स्थानीय झारखंडी कर्मियों को पदस्थापित किया जाए।पत्र में लिखा है कि एक पखवाड़े के अंदर उपरोक्त मांगों पर आवश्यक पहल किया जाय अन्यथा झारखण्ड एकता किसान मजदूर यूनियन के बैनर तले सैकड़ों ग्रामीण अनुमंडल कार्यालय परिसर डुमरी में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे।

मशीन शॉप की रोल ग्राइंडिंग मशीन का नवीनीकरण

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र के मशीन शॉप में स्थापित जर्मन निर्मित रोल ग्राइंडिंग मशीन का विद्युत एवं यांत्रिकी अनुरक्षण टीम द्वारा सफलतापूर्वक नवीनीकरण किया गया. पिछले कुछ महीनों से यह मशीन परिचालन संबंधी गंभीर बाधाओं एवं जाम होने की समस्याओं से जूझ रही थी, जिसके कारण इसका संचालन अत्यंत कठिन एवं चुनौतीपूर्ण हो गया था. इन तकनीकी समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु संयंत्र की आंतरिक टीम ने इस मशीन के पूर्ण कायाकल्प की पहल की.यह महत्वपूर्ण उपलब्धि अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त, मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) श्री शरद गुप्ता तथा मशीन शॉप के विभागाध्यक्ष श्री पी. पी. सिंह के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में प्राप्त की गई.

इस चुनौतीपूर्ण कार्य को मशीन शॉप के वरीय प्रबंधक श्री शुभलेन्दु कुमार, श्री नितिन सक्सेना तथा सहायक प्रबंधक श्री मनोज कुमार द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया. इस परियोजना में श्री हरिहर राउत, महाप्रबंधक (ईटीएल), श्री अनिंद्य पाल, सहायक महाप्रबंधक (ईआरएस) तथा श्री नवीन कुमार, वरीय प्रबंधक (ईआरएस) का तकनीकी सहयोग सराहनीय रहा. मशीन शॉप से इन कार्यों का पर्यवेक्षण सहायक महाप्रबंधक श्री डी. के. मंडल द्वारा किया गया. नवीनीकरण की प्रक्रिया के दौरान यांत्रिकी टीम ने मशीन के समस्त हिस्सों को खोलकर उनकी गहन ओवरहॉलिंग की और जाम होने की समस्या को जड़ से समाप्त किया. इसके साथ ही मशीन के गियरबॉक्स का भी पूर्ण जीर्णोद्धार किया गया. दूसरी ओर, विद्युत अनुरक्षण टीम ने ईटीएल एवं ईआरएस विभागों के सहयोग से मशीन के प्रमुख घटकों जैसे कंट्रोल केबल्स एवं रिले लॉजिक सिस्टम का सफलतापूर्वक प्रतिस्थापन किया. मशीन शॉप की इस पहल से न केवल रोल ग्राइंडिंग मशीन की कार्यक्षमता एवं विश्वसनीयता में वृद्धि हुई है, बल्कि इससे मशीन की उपलब्धता भी सुनिश्चित हुई है. आंतरिक संसाधनों के माध्यम से किया गया यह नवीनीकरण कार्य संयंत्र की उत्पादकता बढ़ाने और परिचालन लागत कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो बीएसएल की आत्मनिर्भरता एवं तकनीकी उत्कृष्टता को प्रतिबिंबित करता है.

पति के घर पहुंची दुल्हन

खागा,(ईएमएस): फतेहपुर नगर के एक गेस्ट हाउस में १८ फरवरी की रात जयमाला और चढ़ावा की रस्म पूरी होने के बाद वर-वधू पक्ष के बीच मारपीट हो गई। वधू पक्ष के साथ आए पालतू कुत्ते को पीटने पर यह विवाद हुआ, जिसमें वर-वधू पक्ष के पांच लोग घायल हुए। १९ फरवरी को कोतवाली में दिन भर दोनों पक्ष के बीच समझौते की कोशिश होती रही।

मुंबई क्लाइमेट वीक में सियारी पंचायत की पहल की सराहना, उपायुक्त ने दी बधाई

बोकारो (ससे): बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत सियारी पंचायत ने अपने अभिनव लो-कार्बन विकास मॉडल के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। मुंबई में आयोजित क्लाइमेट वीक २०२६ के दौरान पंचायत की पहल को व्यापक सराहना मिली। पंचायत के मुखिया रामवृक्ष मुर्मू ने जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित पंचायत लीडिंग इंडियाज क्लाइमेट चार्ज सत्र में झारखंड सहित बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल से आए प्रतिनिधियों के साथ मंच साझा करते हुए पंचायत द्वारा किए जा रहे जलवायु अनुकूल विकास कार्यों की जानकारी दी।उन्होंने बताया कि क्षेत्र में बार-बार बिजली कटौती के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। कॉन्फ्रेंस ऑफ पंचायत कार्यक्रम से प्रेरणा लेकर पंचायत ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड के सहयोग से ७२ सोलर स्ट्रीट लाइट स्थापित कीं्। साथ ही विद्यालयों एवं सामुदायिक भवनों में सोलर सिस्टम लगाए गए तथा मुख्य तालाब पर सोलर आधारित लिफ्ट सिंचाई पंप स्थापित कर डीजल और अनियमित बिजली पर निर्भरता को कम किया गया।

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) फंड से भी पंचायत क्षेत्र में कई विकास कार्य कराए गए्। बिरसा मुंडा बागवानी मिशन के तहत २,८८० आम सहित ८०० अन्य फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिला।पंचायत हेल्प डेस्क द्वारा योजनाओं के चयन एवं तकनीकी सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई्।

यह पहल पॉलिसी एंड डेवलपमेंट एडवाइजरी ग्रुप, दामोदर बचाओ अभियान एवं कॉमन ग्राउंड इनिशिएटिव के सहयोग से संचालित कॉन्फ्रेंस ऑफ पंचायत कार्यक्रम का हिस्सा है। इस उपलब्धि पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने सियारी पंचायत के मुखिया व उनके पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर जलवायु अनुकूल विकास की यह पहल अन्य पंचायतों के लिए भी प्रेरणादायक है।

Office of District Commissioner, Dhanbad cum Deputy CEO, JRDA, Dhanbad

NOTICE INVITING FOR PRE-BID MEETING BUTTON MUSHROOM CULTIVATION IN ENVIRONMENTALLY CONTROLLED UNIT, THROUGH PRODUCER GROUP OF SHG WOMEN IN BELGARIA TOWNSHIP.

Issue Date: 21-02-2026 **Date of Meeting: 06-03-2026**

The Office of Deputy Commissioner, Dhanbad, cum Deputy CEO JRDA, Dhanbad, invites agencies for a Pre-Bid Meeting for Button Mushroom Cultivation in environmentally controlled unit, through Producer Group of SHG women in Belgaria Township.

Jharia Rehabilitation and Development Authority (JRDA) shall be undertaking the Button Mushroom Cultivation in environmentally controlled unit, through Producer Group of SHG women in Belgaria Township.

The details of the proposed meeting are as follows:

Subject: Button Mushroom Cultivation in environmentally controlled unit, through Producer Group of SHG women in Belgaria Township.

Date of meeting: 06-03-2026

Time: 1 PM

Place: Office of Jharia Rehabilitation and Development Authority, Hatia More, Golf Ground Road, Hirapur, P.O. & District Dhanbad-826001, Jharkhand, followed by site visit (Belgaria).

Mode of Meeting: Offline, interested agencies to participate in online mode may share their interest by 02.03.2026, 5:00 PM with details on email id of the JRDA, so that the VC link may be shared in advance.

Email ID: infojrda.dhn@gmail.com

Phone no. (landline): 0326-2221044

HOD (Skill Development)
JRDA

PR.NO.373547 District(25-26):D

कार्यालय-जिला आयुष समिति, बोकारो

आयुष स्वास्थ्य शिविर

आमजनों को आयुष स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य जाँच हेतु आमंत्रण

राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत निदेशानुसार एवं अनुमोदनोंपरांत बोकारो जिला के तीन प्रखण्डों में (गोमिया, नावाडीह तथा बेरमो) में दिनांक 26.02.2026 को आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है/जाना है।

आमजनों से आग्रह है कि सूची में संलग्नित स्थान एवं समय 10:00 बजे पूर्वाह्न से 04:00 बजे अपराह्न तक में उपस्थित होकर आयुष स्वास्थ्य शिविर का लाभ प्राप्त करें।

यह सूचना जनहीत में जारी।

माह फरवरी 2026 में प्रखण्डवार आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन स्थानवार एवं तिथिवार निम्न है–

Month :-February 2026

SL. No	Name Of Block	Name Of Place For Above Camp	Camp Date
1	गोमिया	नेहरु स्मारक हाई स्कूल, स्वांग गोमिया, बोकारो।	26-02-2026
2	नावाडीह	पंचायत भवन, नावाडीह, बोकारो।	
3	बेरमो	कठारा दुर्गा मंदिर कैम्पस, बेरमो, बोकारो।	

सदस्य सचिव,
जिला आयुष समिति, बोकारो

PR 373508 Health Med Edu and Family Welfare(25-26).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, चास
Email ID – eedwsd.chas@gmail.com

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अवस्थित नलकूपों तथा ग्रामीण जलापूर्ति योजना से संबंधित पेयजल की समस्या से निपटने हेतु Control Room का गठन किया गया है। जो निम्न प्रकार है:–

(1) पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल चास में प्रमंडल स्तर पर श्री संजु कुमार, सहायक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल बोकारो को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है, जिनका मोबाईल नम्बर एवं Whatsapp No. 707710062 है। मो0 फैयाज अंसारी, प्राक्कलक, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, चास को सहायक नोडल पदाधिकारी बनाया गया है, जिनका मोबाईल नम्बर एवं Whatsapp No 7677161906 है। श्री मनोज कुमार, उच्च वर्गीय लिपिक, पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल, चास जिनका मोबाईल नम्बर 9905570947 तथा श्री शिव शंकर पाल उच्च वर्गीय लिपिक, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल चास जिनका मोबाईल नम्बर 9123498512 है को Control Room का प्रभारी बनाया गया हैं। Control Room में कार्यालय अवधि में शिकायत दर्ज करा सकते है।

(2) पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल चास/बोकारो एवं प्रशाखा स्तर पर भी शिकायत पुस्तिका संधारित है, तथा संबंधित ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के जल सहिया के पास भी शिकायत दर्ज करा सकते है।

प्रखण्ड का नाम	कनीय अभियंता का नाम एवं सर्म्पक न0	सहायक अभियंता का नाम एवं सर्म्पक न0	प्रमण्डल स्तर पर प्रतिनियुक्त कर्मी का नाम एवं सम्पर्क नं0
चास	श्री अनुपम कुमार राय, कनीय अभियंता मो0– 8340564821	श्री संजु कुमार सहायक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल बोकारो मो0–707710062	श्री शिव शंकर पाल, उच्च वर्गीय लिपिक, फोन नं0 – 06542–265810
चन्दनकियारी	श्री शैलेन्द्र महतो , कनीय अभियंता मो0–8709652541		
जरीडीह	श्री कमलनाथ मुन्डा, कनीय अभियंता मो0– 8789214814		
बेरमो, चन्द्रपुरा आंशिक (14 पंचायत)	श्री हिमांषु शेखर यादव, कनीय अभियंता मो0–9973865191		

नोट :– उपरोक्त अंकित पदाधिकारियों से सम्पर्क नहीं होने की स्थिति में विभागीय टौल फ्री नम्बर 18003456502 एवं 9470176901 एवं जिला में कार्यरत Control Room के दूरभाष संख्या 06542222111 तथा Website - https://jharjal.jharkhand.gov.in भी शिकायत दर्ज की जा सकती है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, चास

PR 373504 Drinking Water and Sanitation (25-26)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, तेनुघाट।
Email ID – eedwsd.tenughat@gmail.com

आवश्यक सूचना

सर्व सधारण को सूचित किया जाता है कि आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में अवस्थित नलकूपों तथा ग्रामीण जलापूर्ति योजना से संबंधित पेयजल की समस्या से निपटने हेतु Control Room कार्यरत है जो निम्न प्रकार है–

(1) पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, तेनुघाट में प्रमंडल स्तर पर श्री शास्त्री साह, सहायक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल, तेनुघाट को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है जिनका मोबाईल नम्बर एवं Whatsapp No. 9430308778 है, एवं श्री अमीत कुमार, कनीय अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल तेनुघाट को सहायक नोडल पदाधिकारी बनाया गया है जिनका मोबाईल नम्बर एवं Whatsapp No. 8709504733 है। श्री होपन हेम्ब्रम, उच्च वर्गीय लिपिक, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, तेनुघाट जिनका मोबाईल नम्बर 9263290368 को Control Room का प्रभारी बनया गया है तथा श्री कैलाश किशोर राणा, दफ्तरी, जिनका मोबाईल नम्बर 6205617955 पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, तेनुघाट को सहायक बनाया गया है। Control Room में कार्यालय अवधि में शिकायत दर्ज करा सकते है।

(2) पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल तेनुघाट/पेटरवार एवं प्रशाखा स्तर पर भी शिकायत पुस्तिका संधारित है, तथा संबंधित ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति के जल सहिया के पास भी शिकायत दर्ज करा सकते है।

प्रखण्ड का नाम	कनीय अभियंता का नाम एवं सर्म्पक न0	सहायक अभियंता का नाम एवं सर्म्पक न0	प्रमण्डल स्तर पर प्रतिनियुक्त कर्मी का नाम एवं सम्पर्क न0
गोमिया	श्री रोहित कुमार मंडल कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा गोमिया मो0 8002146670 / लुकमान अंसारी, प्राक्कलक पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल तेनुघाट मो0 9065824760	श्री शास्त्री साह सहायक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल, तेनुघाट मो0 9430308778	श्री होपन हेम्ब्रम, उच्च वर्गीय लिपिक, मो0 – 9263290368 श्री कैलाश किशोर दफ्तरी, मो0 नं0–6205617955
नावाडीह एवं चन्द्रपुरा (अंश)	श्री विमल कुमार कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा नावाडीह मो0 7739042466		
पेटरवार	श्री प्रतीक कुमार सिन्हा कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा पेटरवार मो0 8651122186		
कसमार	श्री गोपाल पोदार कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा कसमार मो0 9570040026		

नोट :– उपरोक्त अंकित पदाधिकारीयों से सम्पर्क नहीं होने की स्थिति में विभागीय टौल फ्री नम्बर 18003456502 एवं 9470176901 एवं जिला में कार्यरत Control Room के दूरभाष संख्या 06542222111 तथा Website - https://jharjal.jharkhand.gov.in भी शिकायत दर्ज की जा सकती है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, तेनुघाट।

PR 373532 (Drinking Water and Sanitation) 25-26 (D)

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं.1, धनबाद

अति अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना (प्रथम आमंत्रण)

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या– DHN-1/19/2025-26

दिनांक – 21.02.2026

1	कार्य का नाम	Construction of 200/165x180M depth HYDT, Lowering of submersible motor, supply, fitting & fixing of pipe fittings, GI Galvanised Structure PVC Tank required for water supply in campus of Nirsa Polytechnic under D.W. & S. Division no.1, Dhanbad.
2	प्राक्कलित राशि	रू0 5.22996 लाख
3	अग्रधन की राशि	रू0 0.11 लाख
4	कार्य पूर्ण करने की अवधि	1 माह
5	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	28.02.2026, 4.00 बजे अपराह्न तक।
6	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	07.03.2026, 5.00 बजे अपराह्न तक।
7	तकनीकी बीड खोलने की तिथि एवं समय	09.03.2026, 01.00 बजे अपराह्न
8	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी एवं कार्यालय का पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं.1, धनबाद
9	ई–प्रोक्योरमेंट कार्यालय का सम्पर्क नं0	0326–2311259
10	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्प लाईन नं0	0651–1280345

विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट नं0– http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं.1, धनबाद

PR 373540 Drinking Water and Sanitation (25-26)_D

यौन उत्पीड़न केस:अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया

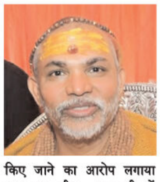

प्रयागराज/वाराणसी (ईएमएस): शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने नाबालिग के यौन उत्पीड़न और अन्य अपराधों के आरोप में मामला दर्ज होने के बाद मंगलवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की। सूत्रों के अनुसार, अदालत में आवेदन दाखिल करने से पहले इस संबंध में सरकारी वकील के कार्यालय को नोटिस भेजा गया है। प्रयागराज के झूंसी थाने में अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी के खिलाफ पिछले एक साल में एक नाबालिग सहित दो व्यक्तियों के यौन शोषण के आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

प्राथमिकी के अनुसार, शिकायतकर्ताओं में स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज और एक नाबालिग सहित दो अन्य व्यक्ति शामिल हैं, जिन्होंने गुरुकुल में और माघ मेले सहित धार्मिक सभाओं के दौरान यौन शोषण किए जाने का आरोप लगाया था। इस बीच, वाराणसी में विद्यामठ में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि हमारे शुभचिंतक अधिवक्ता हमारे पास आए थे। हमसे कहा कि हम आपकी सहायता करने के लिए तैयार हैं तो हमने कहा ठीक है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि कुछ वकीलों ने सहायता की पेशकश करते हुए उनसे संपर्क किया था, लेकिन उन्हें अब तक उठाए गए किसी भी कदम के बारे में कोई जानकारी नहीं है। अविमुक्तेश्वरानंद ने एक तस्वीर दिखाई और आरोप लगाया कि प्रयागराज का एक पुलिस अधिकारी उनके खिलाफ साजिश रचने के केंद्र में है।

उन्होंने कहा कि तस्वीर में अधिकारी केक काटते हुए और आशुतोष ब्रह्मचारी उनके पास खड़े दिखते हैं। अविमुक्तेश्वरानंद ने दावा किया कि प्रशासन और पुलिस ने १८ जनवरी, मौनी अमावस्या से उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि पॉक्सो अधिनियम के तहत तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने के प्रावधानों के बावजूद, पुलिस ने खुद मामला दर्ज नहीं किया और इसके बजाय अदालत के आदेश के बाद मामला दर्ज किया गया।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने सवाल किया कि अधिकारियों को भेजे गए ईमेल से तुरंत मामला दर्ज क्यों नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि अदालत का आदेश सबूतों की तुलना में कानूनी फैसलों पर अधिक केंद्रित है और इससे संकेत मिलता है कि आशुतोष ब्रह्मचारी का समर्थन कौन कर रहा है। अविमुक्तेश्वरानंद ने यह भी दावा किया कि वाराणसी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने हाल ही में विद्यामठ का सर्वेक्षण किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें गौ संरक्षण अभियान से हटाने के लिए पूरी व्यवस्था का इस्तेमाल उनके खिलाफ किया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, संबंधित मामले में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं और अन्य संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। शिकायत में अविमुक्तेश्वरानंद और मुकुंदानंद ब्रह्मचारी के अलावा दो-तीन अज्ञात लोगों का भी उल्लेख है।

इसमें आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने खुद को धार्मिक उपदेशक बताकर नाबालिग और एक अन्य युवक का पिछले साल कई मौकों पर यौन उत्पीड़न किया। याद हो कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद हाल ही में प्रयागराज में माघ मेले के आयोजकों के साथ टकराव के कारण सुर्खियों में आए थे। उन्होंने प्रशासन पर मौनी अमावस्या के दिन उन्हें स्नान करने से रोकने का आरोप लगाया था।

पूनम पांडे ने वृंदावन में प्रेमानंद से मिलकर हुई भावुक

मथुरा,(ईएमएस): बॉलीवुड अभिनेत्री पूनम पांडे को उनके बोल्ड बयान और कपड़ों को लेकर ही जाना जाता है लेकिन हाल ही में उनका एक अलग ही अंदाज दिखाई दिया। वे इन दिनों कृष्ण नगरी यानी कि वृंदावन में हैं जहां उन्हा आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज जी के दर्शन किए। इस दौरान वह काफी भावुक हो गई और फूट- फूट कर रोने लगी। उनके फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। प्रेमानंद महाराज जी से श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में मिलने हजारों की संख्या में भक्त आते हैं और अपने जीवन के कष्टों को बयां करके मार्ग दर्शन मांगते हैं। इन्हीं भक्तों की भीड़ में पूनम पांडे भी नजर आई। वे आखों में आंसू लिए महाराज जी के प्रवचन सुनती नजर आई। बहुत ही विश्वास से पूनम पांडे ने अपने दोनों हाथों को ऊपर उठाया हुआ है। उनका यह रूप शायद पहले कभी किसी ने नहीं देखा होगा।

इस दौरान अभिनेत्री गुलाबी रंग के सूट में नजर आई। एक वीडियो में देखा गया कि वह मथुरा की गलियों का आनंद ले रही हैं और बांके बिहारी के दर्शन कर रो पड़ती हैं।

82 किलोमीटर लंबे रेल मार्ग का तीन साल के अंदर चार बार उद्घाटन किया प्रधानमंत्री ने

मेरठ (ईएमएस) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीनी कंपनी की सहायता से बनी दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल परियोजना का अब तक चार बार उद्घाटन कर चुके हैं। पहली बार साहिबाबाद से लेकर दुहई तक १७ किलोमीटर लंबे रेल मार्ग का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने २० अक्टूबर २०२३ को किया था। इसके बाद ६ मार्च २०२४ में प्रधानमंत्री ने दुहई डिपो से लेकर मोदीनगर तक १७ किलोमीटर लंबे कॉरिडोर का उद्घाटन किया।

५ जनवरी २०२५ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साहिबाबाद से लेकर न्यू अशोक नगर तक १३ किलोमीटर लंबे कॉरिडोर का उद्घाटन किया। और अब २२

फरवरी २०२६ को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कालका जी से लेकर मेरठ तक कॉरिडोर का उद्घाटन किया है। मात्र ८२ किलोमीटर लंबे रेलवे कॉरिडोर के उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री का चार बार आना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। लोग कमेंट करके कह रहे हैं कि जितना प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में खर्च हुआ इतने पैसे में रेल के कई डब्बे बन सकते थे। सवाल यह भी उठाया जा रहा है कि प्रधानमंत्री को एक ही इलाके में बार-बार आने के लिए समय कैसे मिल जाता है।

हल्का लेखपाल दस हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

कौशांबी (ईएमएस): कौशांबी जिले में विजिलेंस टीम ने भ्रष्टाचार के मामले में एक हल्का लेखपाल को गिरफ्तार किया है। शिकायत मिलने पर टीम ने तुरंत जांच शुरू की और पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र में तैनात लेखपाल महेंद्र कुमार मौर्य को हाल ही में १०,००० रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी लेखपाल को विजिलेंस टीम अपने कब्जे में लेकर रवाना हो गई। सूत्रों के अनुसार, शिकायतकर्ता भोलानाथ जायसवाल ने प्रयागराज स्थित विजिलेंस टीम को सूचना दी थी कि हैसियत प्रमाण पत्र बनाने के एवज में लेखपाल महेंद्र कुमार मौर्य उन्हें १० हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे है।

शिकायत के आधार पर विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया और चम्पहा बाजार स्थित एक मिठाई की दुकान में पहले से ही छिपकर इंतजार किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में नमाज पढ़ने पर 13 छात्रों को नोटिस

लखनऊ (ईएमएस) : रमजान के महीने में लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में नमाज पढ़ने को लेकर पुलिस प्रशासन ने छात्रों के खिलाफ कार्रवाई कर दी है। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर स्थित लाल बारादरी में नमाज पढ़ने के प्रकरण में प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई कर १३ छात्रों को नोटिस दे दिया है। सहायक पुलिस आयुक्त/कार्यपालक मजिस्ट्रेट, महानगर कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा के तहत जारी नोटिस में आरोप लगाया गया है कि संबंधित छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर में लाल बारादरी के पास चल रहे निर्माण कार्य को बाधित करने का काम किया। कैंटीन के सामने सड़क पर बैठकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थान पर नमाज पढ़ने की कोशिश की, जिससे शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका उत्पन्न हुई। पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर जारी आदेश में कहा गया है कि इन गतिविधियों से विश्वविद्यालय परिसर में तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई और भविष्य में लोक शांति भंग होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी आधार पर कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने सभी १३ छात्रों को निर्देश दिया है कि वे एक वर्ष तक शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की गारंटी के रूप में ५० हजार का व्यक्तिगत मुचलका और ५०-५० हजार के दो जमानतदार प्रस्तुत करें।

लखनऊ यूनिवर्सिटी परिसर की लाल बारादरी का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें हिंदू छात्रों ने चेन बनाकर मुस्लिम छात्रों को नमाज पढ़ने में मदद की थी। सोमवार को छात्रों के दूसरे संगठन ने इसके विरोध में प्रदर्शन किया था। आरोप है कि लाल बारादरी में रेनोवेशन का काम चल रहा है। इसके बावजूद छात्र यहां नमाज अदा करने पहुंचे थे। जब छात्रों को नमाज पढ़ने से रोका गया तब हिंदू छात्रों ने बैरिकेटिंग को गिरा दिया और ह्यूमन चेन बनाकर खड़े हो गए। इसके बाद छात्रों ने नमाज अदा की और रोजा खोला।

नीतीश के मंत्री का राहुल गांधी पर हमला, देश की जनता अब उन्हें गंभीरता से नहीं लेती

पटना (ईएमएस): बिहार में नीतीश सरकार में मंत्री मंगल पांडे ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि देश की जनता अब उन्हें गंभीरता से बिल्कुल नहीं लेती। राहुल गांधी की पहचान अब इसतरह के नेता के तौर पर है जो देश की छवि को धूमिल करने का काम कर रहा हैं, लेकिन राहुल गांधी को सफलता हाथ नहीं लग रही है। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट में यूथ कांग्रेस के शर्टलेस विरोध पर नीतिश सरकार में मंत्री पांडे ने कहा कि जब भी भारत को बदनाम करने या देश की इमेज खराब करने के लिए कांग्रेस सबसे आगे रहती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी तेजी से मजाक का विषय बनते जा रहे हैं। इसकारण भारत की जनता राहुल गांधी को कभी गंभीरता से नहीं लेती। मंत्री पांडे ने कहा कि एआई समिट विश्व का मंच था, जहां २० देशों के राष्ट्राध्यक्ष आए थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा वहां जिस तरह का प्रदर्शन हुआ है, वह निंदनीय है। कांग्रेस के इस प्रोटेस्ट से सभी को बहुत आघात पहुंचा है। कांग्रेस के लोग पता नहीं कि अब लोकतंत्र में क्या दिखाना क्या चाहती है। कांग्रेस ने शर्टलेस प्रोटेस्ट से देश की छवि को खराब करने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस को सफलता नहीं मिली। भाजपा नेता अश्विनी कुमार चौबे ने इंडिया एआई समिट में यूथ कांग्रेस के शर्टलेस प्रोटेस्ट पर कहा कि आपने देखा कि एआई समिट में १४० देशों के प्रतिनिधियों का कॉन्फ्रेंस चल रहा था और किस प्रकार से कांग्रेस के द्वारा एक छोटी-सी बात को लेकर भारत की छवि को दुनिया के सामने खराब करने की कोशिश की गई।

पटना में बच्चा चोरी की घटनाओं पर प्रशासन अलर्ट

पटना (एजेंसी): पटना जिला प्रशासन बच्चों की सुरक्षा को लेकर अब पूरी तरह से सतर्क हो गया है. हाल ही में बच्चा चोरी की घटनाओं में वृद्धि को देखते हुए, समाहरणालय, पटना (जिला प्रोग्राम कार्यालय) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है. जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को एक सख्त पत्र जारी कर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष निर्देश दिए हैं. इन निर्देशों का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों पर आने वाले बच्चों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करना है, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार के खतरे से बचाया जा सके. प्रशासन ने इस मामले में किसी भी तरह की ढिलाई को गंभीरता से लेने की चेतावनी दी है.

जारी पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर आने वाले बच्चों को किसी भी हालत में अकेला न छोड़ा जाए. यह सुनिश्चित किया जाए कि बच्चे हर समय निगरानी में रहें. इसके अतिरिक्त, बच्चों को केंद्र से छुट्टी के समय केवल उनके पंजीकृत अभिभावकों को ही सौंपा जाए. किसी भी अन्य व्यक्ति, भले ही वह परिचित क्यों न हो, को बच्चे सौंपने से मना किया गया है. यह दिशानिर्देश आंगनबाड़ी केंद्रों की महिलापर्यवेक्षिकाओं, सेविकाओं और सहायिकाओं को भी सख्ती से पालन करने के लिए कहा गया है, ताकि बच्चों की सुरक्षा में कोई चूक न हो. इन निर्देशों का पालन न करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

प्रशासन ने बच्चा चोरों द्वारा अपनाई जा सकने वाली विभिन्न युक्तियों के प्रति भी आगाह किया है. पत्र में विशेष रूप से उल्लेख किया गया है कि बच्चा चोर पुरुष या महिला किसी भी वेशभूषा में हो सकते हैं और वे बच्चों को बहला-फुसलाकर अपहरण करने का प्रयास कर सकते हैं.

इस गंभीर खतरे को देखते हुए, सभी संबंधित कर्मियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया गया है. जिला प्रशासन का यह कदम बच्चों के प्रति बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने और अभिभावकों में विश्वास पैदा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है. सभी हितधारकों से इन निर्देशों का पालन कर बच्चों के सुरक्षित भविष्य को सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया है.

ये कड़े निर्देश पटना में बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं. उम्मीद है कि इन उपायों से बच्चा चोरी की घटनाओं पर लगाम लगेगी और आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हो पाएगा.

अमित शाह के दौरे पर एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष का वार

पटना (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार के दौरे पर आने वाले हैं. इस दौरान अमित शाह सीमांचल का दौरा करेंगे. गृह मंत्री के इस दौरे पर एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि वह भारत के होम मिनिस्टर हैं और कोने-कोने में जाने का उनका अधिकार है. अंदरूनी सिक्योरिटी की जिम्मेदारी भी उन्हीं को दी गई है. उन्हें आना चाहिए और देखना चाहिए, लेकिन मेरी विनती गृह मंत्री से है कि आप आए हैं और सामरिक दृष्टिकोण से आंतरिक सुरक्षा का विश्लेषण जरूर करें. उन्होंने कहा कि सीमांचल का वह इलाका है, जब हमारे पूर्वज करवट बदलते तो बांग्लादेश चले जाते. हमारे पूर्वजों ने कुर्बानी दी. भारत को अपना देश समझा है हमारी आर्थिक स्थिति क्या है? हमारी सामाजिक स्थिति, हमारी शैक्षणिक स्थिति, पलायन कितना है, बीमारी कितनी है, इंफ्रास्ट्रक्चर कितना है, मैं समझता हूं ये सब भी आप देखेंगे.

हिंसा भड़काने और अन्य तरह की चर्चा पर -खचखच् प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने कहा कि बीजेपी के लोगों का कल्चर रहा है, वह आएंगे और वह भड़काएंगे तो देखेंगे. हम लोग आग बुझाने वाले लोग हैं. वहीं, राज्यसभा की सीट को लेकर उन्होंने कहा कि दलितों का इस देश में कोई नहीं है हम लोग कमजोर पार्टी हैं, तो सिर्फ वोट देंगे. राज्यसभा में हमारा एक आदमी जाए और दलित का प्रतिनिधित्व करें.

गुटखे के प्रचार को लेकर हाईकोर्ट सख्त, शाहरुख अजय देवगन व अक्षय को भी बनाया पक्षकार

लखनऊ (ईएमएस) : इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खण्डपीठ ने गुटखा कंपनियों का प्रचार करने के मामले में अपने पूर्व के आदेश के पालन के संबंध में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को जवाब देने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी। मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की जनहित याचिका पर दिया है।

दरअसल, हाईकोर्ट ने २५ नवंबर २०२५ को हुई सुनवाई के दौरान प्राधिकरण से पूछा था कि २०२३ में याची के प्रत्यावेदन पर अब तक जांच लंबित क्यों है? याचिका में गुटखा कंपनियों के साथ क्रिकेटर कपिल देव, सुनील गावस्कर, वीरेंद्र सहवाग, क्रिस गेल तथा अभिनेताओं अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, अक्षय कुमार, अजय देवगन, सलमान खान, रितिक रोशन, टाइगर श्राफ, सैफ अली खां व रणवीर सिंह को भी पक्षकार बनाया गया है। याचिका में कहा गया है कि ये हस्तियां जो पान मसाला कंपनियों का प्रचार कर रही हैं उनमें से अधिकांश पद्म पुरस्कार धारक हैं और उनकी ओर से किए जाने वाले ऐसे विज्ञापनों से समाज में गलत संदेश जाता है। ये विज्ञापन उपभोक्ता कानूनों का उल्लंघन भी है।

बांका में शादी के तुरंत बाद मैट्रिक परीक्षा देने पहुंची दुल्हन

बांका (एजेंसी): बिहार स्थित बांका के रजौन में प्रखंड में एक बेटी का पढ़ाई के प्रति ऐसा जुनून देखा गया कि शादी के तुरंत बाद सेंटर पर मैट्रिक परीक्षा देने पहुंची। दुल्हन का नाम ब्यूटी कुमारी है। ब्यूटी अपनी शादी की रस्में पूरी होते ही अंग्रेजी की परीक्षा लिखी। रजौन के धौनी चकसफिया स्थित प्लस टू प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र पर मेहंदी और गहनों में सजी ब्यूटी को देखकर सभी हैरान रह गए। वहीं, उसके पति संजीत कुमार यादव परीक्षा केंद्र के बाहर इंतजार कर रहे थे।

हाथों में मेहंदी, लाल जोड़ा, माथे पर सिंदूर और गहनों से सजी ब्यूटी कुमारी जैसे ही परीक्षा केंद्र पहुंची, वहां कौतूहल का माहौल बन गया। सभी की निगाहें दुल्हन बनी छात्रा पर टिक गई। हालांकि वह बिना किसी झिझक के मुस्कुराते हुए परीक्षा कक्ष में प्रवेश कर गई। जानकारी के अनुसार, अमरपुर प्रखंड के इटहरी गांव की रहने वाली ब्यूटी कुमारी की शादी रजौन प्रखंड के मझौनी गांव निवासी संजीत कुमार यादव से पहले से तय थी।

इसी दौरान मैट्रिक परीक्षा का कार्यक्रम घोषित हो गया। रविवार की रात विवाह की सभी रस्में पूरी हुईं, लेकिन छात्रा ने शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए सोमवार सुबह अंग्रेजी की परीक्षा में शामिल होने का निर्णय लिया।

परीक्षा के बाद ब्यूटी कुमारी ने बताया कि वह शादी के कारण अपनी पढ़ाई और परीक्षा को प्रभावित नहीं होने देना चाहती थी। उसका कहना था कि एक साल की मेहनत बेकार न जाए, इसलिए उसने परीक्षा देना जरूरी समझा। उसने कहा कि परिवार और ससुराल पक्ष के सहयोग से ही वह यह निर्णय ले सकी और समय पर परीक्षा केंद्र पहुंच पाई। छात्रा के इस निर्णय में उसके पति संजीत कुमार यादव ने भी पूरा सहयोग दिया।

10 हजार लाइब्रेरियन पदों की बहाली को ले अभ्यर्थियों का गुस्सा, प्रदर्शन

पटना (एजेंसी): बिहार में लाइब्रेरियन बहाली प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर अभ्यर्थियों का गुस्सा अब सड़कों पर दिखने लगा है। 'ऑल बिहार ट्रेंड लाइब्रेरियन एसोसिएशन' के बैनर तले सैकड़ों अभ्यर्थियों ने राजधानी पटना में आक्रोश मार्च निकाला। मार्च की शुरुआत पटना विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी से हुई, जहां से प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए करगिल चौक तक पहुंचे। कारगिल चौक पहुंचते ही अभ्यर्थियों ने सड़क पर बैठकर विरोध जताया। कुछ देर बाद कई प्रदर्शनकारी तकिया लगाकर सड़क पर ही लेट गए और शंखनाद करते हुए शिक्षा मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की। अभ्यर्थियों का कहना है कि नियमावली जारी होने के बावजूद भी अब तक परीक्षा तिथि घोषित नहीं की गई है, जिससे उनका भविष्य अधर में लटक गया है।

प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने कारगिल चौक पर बैरिकेडिंग लगा दी। अतिरिक्त पुलिस बल और वाटर कैनन भी मौके पर तैनात किए गए। हालांकि, माहौल कुछ समय के लिए तनावपूर्ण रहा, लेकिन स्थिति नियंत्रण में रही।

पुलिस अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच वार्ता भी होती रही। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने साफ कहा कि यदि जल्द परीक्षा तिथि घोषित नहीं की गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। वहीं, पटना जिला अध्यक्ष हर्षित राज ने इसे युवाओं के साथ अन्याय बताते हुए पारदर्शी और नियमित नियुक्ति प्रक्रिया की मांग को दोहराई।

बताते चलें कि राज्य में स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में लाइब्रेरियन के करीब १० हजार पद खाली पड़े हैं। पद रिक्त रहने से पुस्तकालय व्यवस्था प्रभावित हो रही है और कई जगह दूसरे विभाग के कर्मचारी ही लाइब्रेरी का काम संभाल रहे हैं। हालांकि पुलिस ने अंततः प्रदर्शनकारियों को समझाकर सड़क खाली कराई, लेकिन अभ्यर्थियों ने साफ कर दिया है कि जब तक परीक्षा की तिथि घोषित नहीं होगी, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

तीन मंजिला मकान में भीषण आग, पांच मासूमों समेत महिला जिंदा जली

मेरठ,(ईएमएस): यूपी के मेरठ जिले से किदवईनगर इलाके में एक कपड़ा व्यापारी के तीन मंजिला मकान में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में परिवार की एक महिला और पांच मासूम बच्चों की जलकर मौत हो गई। किदवईनगर निवासी कपड़ा व्यापारी इकबाल अंसारी का तीन मंजिला मकान है। घर के ग्राउंड फ्लोर पर रेडीमेड कपड़ों का बड़ा गोदाम है, जबकि ऊपर की मंजिलों पर परिवार रहता था। सोमवार रात करीब ९ बजे, अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और आग कपड़ों के गोदाम तक पहुंच गई।

देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। कपड़ों का स्टॉक होने की वजह से लपटें इतनी तेज थीं कि उन्होंने चंद मिनटों में पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। ऊपर रह रहे परिवार को नीचे उतरने का मौका तक नहीं मिला और घर धुएं के गुबार में तब्दील हो गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन जब टीम अंदर दाखिल हुई, तो वहां का मंजर देखकर दिल भर आया। इस अग्निकांड ने इन ६ लोगों की जान ले ली। जिसमें रुखसार (३०) आसिम की पत्नी, अद्दस (३), नबिया (६ माह), इनायत (६ माह) रुखसार के बच्चे, महविश (१२) और हम्माद (४) फारूक के बच्चे थे। इस हादसे में दो अन्य लोग भी गंभीर रूप से झुलसे हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए डीएम और एसएसपी तुरंत मौके पर पहुंचे। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी, लेकिन वहां रखे सिलेंडर के लीक होने ने आग में घी का काम किया, जिससे धमाका और लपटें और तेज हो गई। कपड़ा कारोबारी के घर हुए इस हादसे ने पूरे किदवईनगर को गम में डुबो दिया है। एक साथ ५ बच्चों और एक महिला की मौत ने सभी की आंखें नम कर दीं। फॉरेंसिक टीम अभी भी मौके पर मौजूद है ताकि हादसे के तकनीकी कारणों की विस्तृत जांच की जा सके।

नियम विरुद्ध प्राइवेट नर्सिंग कॉलेजों में नामांकन लेनेवाले अभ्यर्थियों को सरकार ने दी राहत

रांची (एजेंसी): राज्य के विभिन्न प्राइवेट नर्सिंग कॉलेजों द्वारा पूर्व में नामांकित अभ्यर्थियों को राज्य सरकार ने राहत देने का फैसला किया है। इसके लिए मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में तय नियमों को एक बार क्षांत (शिथिल) करने का फैसला लिया गया है। इस फैसले से वैसे छात्र जो झारखंड संयुक्त प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा पर्षद(गउएउएइ) के द्वारा काउंसिलिंग के आधार पर नहीं, सीधे प्राइवेट नर्सिंग कॉलजों द्वारा नामांकित कर लिए गए थे, उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति मिल सकेगी। जानकारी के अनुसार निजी नर्सिंग कॉलेजों द्वारा अपनी संस्था को तकनीकी मान्यता नहीं मिलने तथा कतिपय अन्य अनियमितताओं के बावजूद नर्सिंग कोर्स में नामांकन ले लिया था। इस कारण झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलोजी (जेयूटी) द्वारा उनकी परीक्षा नहीं ली जा रही थी। ऐसे नामांकित अभ्यर्थियों की वर्षों से परीक्षा नहीं हो पा रही थी। अब राज्य सरकार द्वारा छूट दिए जाने के बाद वे परीक्षा में बैठ सकेंगे और नर्सिंग की डिग्री प्राप्त कर सकेंगे। निकाय चुनाव को लेकर जारी आचार संहिता के कारण आज कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णय की प्रेस ब्रीफिंग नहीं की गयी। लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुल २२ प्रस्तावों को स्वीकृति दी गयी। एक को स्थगित कर दिया गया। इनमें लगभग एक दर्जन फैसले कोर्ट के आदेश से जुड़े थे।

अब नेतरहाट आवासीय विद्यालय में नियुक्तियां जेपीएससी या जेएसएससी करेगी

राज्य सरकार ने मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में नेतरहाट आवासीय विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की नियुक्ति संबंधी नियमावली में बड़ा बदलाव किया है। यह बदलाव इसलिए किया गया क्योंकि २०१० में नेतरहाट विद्यालय को दी गयी स्वायतता के बाद स्कूल का रिजल्ट लगातार खराब होता जा रहा था। देश का प्रीमियर इंस्टीट्युट होने के बाद भी यहां बच्चे फेल करने लगे थे। तीन साल पहले विद्यालय का एक छात्र केमेस्ट्री की परीक्षा में फेल कर गया था। पूर्व में नियुक्ति का अधिकार एक्स चेयरमैन को था, जो सभापति होते थे। सभापति कोई एक्स नेतरहाटीयन हुआ करता था। इसके लिए कोई योग्यता निर्धारित नहीं थी। लेकिन अब सभापति के लिए योग्यता निर्धारित कर दी गयी है। अब इस पद पर नियुक्ति के लिए कला, संस्कृति, विज्ञापन, प्रबंधन या कई अन्य क्षेत्रों में १० वर्ष का अनुभव जरूरी होगा।

यह भी बदलाव किया गया है कि अब विद्यालय के प्राचार्य, उप प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मियों की नियुक्ति जेपीएससी या जेएसएससी के माध्यम से होगी। यहां मालूम हो कि राज्य सरकार ने लगभग डेढ़ महीने पहले नेतरहाट आवासीय विद्यालय संचालन नियमावली को भी स्वीकृति दी थी। उसमें चार बॉडी का गठन किया गया था। एपेक्स बॉडी मुख्यमंत्री, जेनरल बॉडी विभागीय मंत्री, तीसरा कार्यकारिणी समिति सभापति की अध्यक्षता में गठित करने का प्रावधान किया गया है। यहां सभापति अब एक्स नेतरहाटीयन होंगे, लेकिन उनके लिए योग्यता निर्धारित कर दी गयी है। और चौथा विद्यालय प्रबंध समिति का गठन किया गया है।

कैबिनेट की बैठक में चाईबासा क्षेत्र में अबुआ आवास निर्माण संबंधी प्रस्ताव भी रखा गया। इसमें एसबेस्टस और सीट से निर्माण की बात कही गयी थी। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री ने इस प्रस्ताव को स्थगित करते हुए ग्रामीण विकास विभाग को नये सिरे से प्रस्ताव देने का निर्देश दिया है। उसमें उस क्षेत्र के लोगों के रहन सहन को ध्यान में रखते हुए अबुआ आवास निर्माण की प्रक्रिया निर्धारित करने की बात कही गयी है। सीएम ने कहा कि खपड़ा, टाइल्स या उस क्षेत्र में पाए जानेवाले भवन निर्माण संबंधी मैटेरियल का उपयोग अबुआ आवास के निर्माण किया जाए। साथ ही उसकी खरीददारी की जाए।

साइंस सिटी के विकास पर २५५ करोड़ की स्वीकृति

कैबिनेट की बैठक में साइंस सिटी के विकास पर २५५ करोड़ के खर्च की प्रशासनिक स्वीकृति दी गयी। इसके अलावा मनोहरपुर में उधनबारेगा से धानापल्ली तक ११ किलोमीटर सड़क सहित अन्य दो सड़कों के निर्माण की स्वीकृति दी गयी।

निर्वाचन आयोग ने जारी किया रांची के उपायुक्त को कारण बताओ नोटिस

रांची (एजेंसी): रांची नगर निगम के चुनाव में मतदान के दिन अव्यवस्था, वोटर लिस्ट में गड़बड़ी और बूथों के गठन संबंधी त्रुटियों को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

मंगलवार को कारण बताओ नोटिस उपायुक्त कार्यालय को रिसिव करा दिया गया। उसमें मीडिया में आयी बातों को रेखांकित करते हुए कहा गया है कि २३ फरवरी को मतदान के दिन रांची नगर निगम क्षेत्र में वोटर लिस्ट और मतदान केंद्रों के गठन में त्रुटि के कारण मतदाताओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यह गंभीर प्रकृति का प्रतीत होता है।

कारण बताओ नोटिस में कहा गया है कि लोक सेवकों का दायित्व है कि चुनाव प्रक्रिया त्रुटि रहित हो एवं मतदाताओं को अपने मताधिकार के प्रयोग में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो। इसलिए उपरोक्त तथ्यों की जांच के क्रम में मतदाता सूची तैयार करने, वार्डवार मतदाता सूची के विखंडन तथा बूथ निर्माण संबंधी कर्मचारियों-अधिकारियों को चिह्नित किया जाए।

बीएलओ सहित अन्य कर्मियों की जिम्मेवारी निर्धारित करते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई की अनुशंसा सहित जांच प्रतिवेदन सात दिनों में उपलब्ध करायी जाए।

झारखंड स्थित सेंट्रल यूनिवर्सिटी में पड़ा सीबीआई का छापा

रांची (एजेंसी): झारखंड स्थित रांची के ब्राम्बे में सीयूजे में सीबीआई का छापा पड़ने की जानकारी निकल कर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार, यूनिवर्सिटी के अंदर किसी को भी जाने की अनुमती नहीं दी जा रही है। बताया जा रहा है कि वित्तीय अनियमितताओं और भवन निर्माण से जुड़े पुराने मामलों के कारण छापा पड़ा है। इस मामले को लेकर सीयूजे वाइस चांसलर ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा है कि सीबीआई जांच के लिए आई है।

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर नो फ्लाइंग जोन घोषित

रांची (एजेंसी): भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के प्रस्तावित रांची आगमन को देखते हुए २६ फरवरी को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची के आसपास सुरक्षा कारणों से नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। यह निषेधाज्ञा अनुमंडल दंडाधिकारी सदर रांची ने जारी की है। इसके तहत ड्रोन, पारा ग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून पर प्रतिबंध रहेगा। रांची के बिरसा मुण्डा एयरपोर्ट की परिधि में २६ फरवरी को सुबह ६ बजे से लेकर रात १० बजे तक यह निषेधाज्ञा लागू रहेगी।

यह कदम सुरक्षा के दृष्टिकोण से लिया गया है, ताकि राष्ट्रपति के आगमन और प्रस्थान के समय किसी भी प्रकार की सुरक्षा खामी न हो। अनुमंडल दंडाधिकारी रांची द्वारा बीएनएसएस की धारा-१६३ के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए इस आदेश को लागू किया गया है। प्रशासन ने इस आदेश का पालन करने की अपील की है। किसी भी उल्लंघन की स्थिति में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जामताड़ा जिले में फेसबुक फ्रेंड बन साइबर अपराधियों ने ठगे 25 लाख

जामताड़ा (एजेंसी): सोशल मिडिया के इस दौर में लोगों को काफी सावधान रहने की जरुरत है क्यों की इन दिनों साइबर अपराधियों के द्वारा ठगी करने का नए नए हथकंडे अपनाएं जा रहे हैं, कुछ ऐसा ही मामला जामताड़ा जिले से सामने आया है दरअसल सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दोस्ती कर उनके साथ कोई नया व्यवसाय शुरू करने की योजना एक व्यक्ति को काफी महंगा पड़ गया इसलिए थोड़ा सावधान हो रहने की जरुरत है मही तो आप अपने जीवन की सारी पूंजी गंवा देंगे और फिर सिर पीटने के अलावा आपके हाथ में कुछ नहीं रहेगा।

ऐसा ही एक मामला जामताड़ा थाना क्षेत्र में से सामने आया है। जहां फेसबुक पर दोस्ती करने के बाद एक किराना दुकानदार को २५ लाख का चपत लगा दिया गया। एक व्यक्ति ने अपने फेसबुक फ्रेंड के कहने पर क्रिप्टो करेंसी में ज्यादा मुनाफा कमाने की लालच में २५ लाख रूपये का निवेश किया। जब मुनाफा नहीं आया और दोस्त का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया तब जाकर उसे समझ में आया की वह साइबर ठगी का शिकार हो गया है। इस अनोखे ठगी की बात की जाये तो किराना दुकानदार कृष्णा मंडल जो की देवघर जिला के चितरा थाना क्षेत्र के आसनबनी गांव का रहने वाला है। घटना को लेकर पीड़ित ने साइबर थाना में आवेदन देकर शिकायत दर्ज करवाई है। वर्तमान में वह कंबाइंड बिल्डिंग जामताड़ा रोड में अपना किराना दुकान का संचालन करता है।

पीड़ित द्वारा साइबर थाना जामताड़ा में दिए आवेदन में बताया कि ठग ने पहले विश्वास जीतने के लिए छोटे निवेश पर बड़ा रिटर्न दिया। कृष्णा मंडल ने पहली बार आठ हजार रुपये निवेश किए। जिसके अगले ही दिन उन्हें पूंजी सहित २४ हजार रुपये वापस मिले। इसके बाद करीब दस दिनों तक निवेश और रिटर्न का सिलसिला चलता रहा। इस दौरान ठग ने लगातार अधिक निवेश के लिए दबाव बनाया। भरोसे में आकर दुकानदार ने अपने परिवार और रिश्तेदारों से कर्ज लेकर लगभग २५ लाख रुपये निवेश कर दिया। बड़ी रकम जमा होने के बाद न तो कोई रिटर्न मिला और न ही मूलधन वापस किया जा रहा है। ठगों ने खुद को जाइलोक्लाउड कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए निवेश करवाया। पीड़ित ने बैंक और यूपीआई के माध्यम से तथाकथित फेसबुक फ्रेंड के कहने पर यश बैंक, रातू रोड शाखा रांची के बैंक में दिए गए खाते में पैसा डाला।

पृष्ठ एक का शेषांश

झारखंड विधानसभा में---

मौजूदा कीमतों पर जीएसडीपी में ९.९ फीसदी की औसत दर से वृद्धि हुई है। अगले पांच वर्षों में अतिरिक्त पांच फीसदी का वृद्धि दर प्राप्त कैसे होगा, यह बजट में रेखांकित नहीं है।

रोजगार, निवेश और औद्योगिक विकास में वृद्धि पर कोई फोकस नहीं

बजट में रोजगार कैसे बढ़े, पूंजी निवेश में इसके लिए कैसे बढोत्तरी हो या औद्योगिक विकास को बल मिले, इसके लिए कोई नयी योजना या कार्यक्रम नहीं दिखता है। केवल दावोस में मिले प्रस्ताव का जिक्र करने भर से पूंजी निवेश औरऔद्योगिक विकास शायद संभव नहीं होगा। क्योंकि दावोस पूर्व भी कई मौके पर इस तरह के प्रस्ताव झारखंड को मिल चुके हैं। इसके विपरीत पुरानी चालू योजनाओं, मसलन सर्वजन पेंशन योजना, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, कृषि ऋण माफी योजना, मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, मरांड गमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना, खाद्य सुरक्षा योजना, सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, जैसी योजनाओं के आगे भी जारी रखने की बात बार बार दुहरायी गयी है। यह सच भी है कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, किशोरी समृद्धि जैसी कई योजनाओं से समाज के नीचले पायदान पर बैठे लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में उतरोत्तर सुधार हो रहा है। लेकिन इसके साथ साथ झारखंड को विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा करने के लिए यह काफी नहीं है। इसके लिए राज्य में पूंजी निवेश का माहौल, जल जंगल और जमीन जैसे विवादित विषयों से जुड़ी समस्याओं के ठोस समाधान की दिशा में भी पैरलल प्रयास करना होगा। लेकिन इस बजट में यह नादारथ है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि केंद्र से दी जानेवाले एक रुपए में लाभुक तक मात्र १५ पैसे ही पहुंचते हैं। राजीव गांधी का यह बयान आज भी प्रासंगिक है। लाभुकों के खाते में अब सीधे राशि भेजे जाने से इसमें थोड़ी कमी जरूर आयी है। लेकिन भ्रष्टाचार में कोई बहुत अधिक कमी नहीं आयी है। व्यवस्थागत सुधार, मानव संसाधन का बेहतर उपयोग, जिम्मेदार प्रशासन की जरूरत हर योजना और मोर्चे पर आवश्यक दिखता है। लेकिन राज्य सरकार की किसी योजना के गुणवत्ता पूर्ण ढंग से ससमय पूरा करने के लिए जरूरी इस क्षेत्र पर बजट में कोई जिक्र ही नहीं है।

विकास, सामाजिक न्याय और---

सिंचाई, सड़क और बिजली जैसी आधारभूत सुविधाओं पर बढ़ा हुआ निवेश ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच की खाई को कम करने में सहायक होगा। युवा वर्ग के लिए रोजगार सृजन, कौशल विकास और स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाले प्रावधान अत्यंत सराहनीय हैं। इससे राज्य के युवाओं को अपने ही प्रदेश में बेहतर अवसर मिलेंगे और पलायन की समस्या में कमी आएगी। महिलाओं के सशक्तिकरण, छात्रवृत्ति योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों में बढ़ोतरी समाज के कमजोर वर्गों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, नए अस्पतालों और चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से आम जनता को राहत मिलेगी। साथ ही, उद्योग और निवेश को प्रोत्साहन देने के प्रयास राज्य में आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान करेंगे। कुल मिलाकर, यह बजट विकास, समावेशन और पारदर्शिता पर आधारित है। यह झारखंड को आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सरकार का यह प्रयास राज्य की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में निश्चित रूप से सफल होगा।

आम आदमी को निराश---

युवाओं, महिलाओं के साथ भी बजट में छल किया है। युवाओं के लिए रोजगार से संबंधित कोई ठोस योजना पेश नहीं की गई है। संक्षेप में कहा जाए तो यह बजट जनता के लिए घोर निराशाजनक बजट है।

जन आकांक्षाओं को पूरा---

रुपये और राज्य के पेंशनधारियों के लिए १४६३ करोड़ ५८ लाख रूपये का बजट पारित किए जाने को साहसिक कदम बताया। सांसद ने कहा कि सरकार ने सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए बजट तैयार किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध राज्य बनाने की दिशा में यह अबुआ दिशोम बजट कारगर साबित होगा।

सीएम हेमंत सोरेन की---

तिर्की, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पंजाब नैशनल बैंक के महाप्रबंधक आशीष कुमार चतुर्वेदी, मंडल प्रमुख रांची अवधेश झा, उप मंडल प्रमुख राकेश कुमार श्रीवास्तव सहित राज्य सरकार और बैंक के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रांची से उड़ा विमान---

प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटनास्थल के आसपास के इलाके को घेर दिया गया। आगे किसी को नहीं जाने दिया गया।

चतरा की उपायुक्त कीर्तिश्री जी. ने बताया कि विमान शाम करीब ७:३० बजे लापता हो गया थ। यह सिमरिया के बरियातु पंचायत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उपायुक्त ने कहा कि चूंकि घटनास्थल घने जंगल में है, इसलिए वह अभी हताहतों की पुष्टि नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा कि एक टीम भेजी गई है। चतरा एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि विमान क्रैश हुआ है। दुर्घटनास्थल घने जंगल में है।

रांची एयरपोर्ट के निदेशक विनोद कुमार ने बताया कि एयर एंबुलेंस ने शाम करीब ७.१० बजे रांची से उड़ान भरी थी। निदेशक ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में बताया कि रांची से सात लोगों को लेकर जा रही एक एयर एंबुलेंस चतरा जिले के सिमरिया के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना प्रशासन से प्राप्त हुई। एंबुलेंस के उड़ान भरने के २० मिनट बाद उसका हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संपर्क टूट गया था। कुमार ने कहा कि खराब मौसम दुर्घटना का एक कारण हो सकता है, लेकिन वास्तविक कारण की जानकारी जांच के बाद ही मिलेगी।

इस बीच डीजीसीए ने एक बयान में कहा कि २३ फरवरी २०२६ को रेडबर्ड एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड का बीचक्राफ्ट सी-९० विमान वीटी-एजेवी, रांची-दिल्ली मार्ग पर एयर एंबुलेंस उड़ान पर था, लेकिन यह झारखंड के चतरा जिले की कसरिया पंचायत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सात लोग सवार थे, जिनमें ४१-वर्षीय एक मरीज और चालक दल के दो सदस्य शामिल हैं। बयान में कहा गया गया कि विमान ने भारतीय समयानुसार १९:११ बजे रांची से उड़ान भरी। कोलकाता से संपर्क स्थापित होने के बाद, भारतीय समयानुसार १९:३४ बजे, विमान का वाराणसी से लगभग १०० समुद्री मील दक्षिण-पूर्व स्थित कोलकाता से संचार और रडार संपर्क टूट गया। जिला प्रशासन की खोज एवं बचाव टीम घटनास्थल पर मौजूद है और वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की एक टीम को जांच के लिए भेजी जा रहा है।

व्हाट्सऐप ने सुप्रीम----

मानने के लिए मजबूर किया। उउख ने ऐप पर २०० करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगा दिया और डेटा शेयरिंग के तरीके में बदलाव के निर्देश दिए। व्हाट्सऐप ने इस आदेश को चुनौती दी और मामला नेशनल कंपनी लॉ एपेलेट ट्रिब्यूनल तक गया। वहां कुछ राहत मिली, लेकिन विवाद पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। जब मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो अदालत ने साफ कहा कि यह सिर्फ जुर्माने का मामला नहीं है- यह नागरिकों के मौलिक अधिकार, खासकर निजता के अधिकार से जुड़ा मुद्दा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा कि क्या यूजर्स को साफ और स्वतंत्र विकल्प दिया गया था? क्या वे बिना दबाव के 'ना कह सकते थे? ताजा सुनवाई में व्हाट्सऐप ने कहा वह बिना स्पष्ट सहमति के डेटा साझा नहीं करेगा, यूजर्स को डेटा शेयरिंग पर कंट्रोल दिया जाएगा और नियामक आदेशों का पालन किया जाएगा। इसे ही व्हाट्सऐप के रुख में यू-टर्न के तौर पर देखा जा रहा है।

फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने की छापेमारी, रांची रेलवे स्टेशन के पास होटल में मिला मिलावटी पनीर

रांची (एजेंसी): होली पर्व को लेकर रांची रेलवे स्टेशन के आसपास स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों का खाद्य सुरक्षा टीम ने निरीक्षण किया। जिसका मुख्य उद्देश्य पर्व के दौरान स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। निरीक्षण के दौरान कुल १५ खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जिनमें कुलदीप होटल, होटल एम्बेसडर, होटल कृष्ण, लवली डेयरी, अन्नपूर्णा भोजनालय, आरके भोजनालय, होटल मानसरोवर, होटल मां डेयरी, तंदूर फूड वैन, एम्बसी फूड प्लाजा, सन्नी रेस्टोरेंट, शिवम खाजा भंडार, कुशवाहा खाजा भंडार, पंजाबी बार एंड रेस्टोरेंट और खालसा रेसिडेंसी शामिल थे। जहां कुछ प्रतिष्ठान में मिलावटी पनीर पाया गया। जिस पर टीम ने फाइन लगाया और दोबारा ऐसा नहीं करने की चेतावनी दी।

इसके अलावा प्रतिष्ठानों की जांच में जिन स्थानों पर खाद्य सुरक्षा मानकों की कमी पाई गई, उन्हें सुधार के लिए खाद्य सुरक्षा और मानक (लाइसेंसिंग और पंजीकरण) नियम २०११ और खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम २००६ की धारा ३२ के तहत सुधारात्मक नोटिस जारी किए गए। वहीं ९ खाद्य प्रतिष्ठानों पर जुर्माना भी लगाया गया। टीम ने प्रतिष्ठान संचालकों को स्वच्छता, खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण, कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता और लाइसेंस संबंधी प्रावधानों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया। प्रशासन ने चेतावनी दी कि भविष्य में सुधार नहीं होने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

टीम ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान लोगों और यात्रियों के स्वास्थ्य से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

रांची में अब खुलेंगे 18 नए अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर

पहले आरएमसी की 12 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलने की थी योजना

ठ-छउक्ख: रांची नगर निगम क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर इलाज उनके घरों के पास ही मिलेगा। रांची नगर निगम ने इसके लिए तैयारी कर ली है। जिसके तहत अब राजधानी में १८ नए अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलने की योजना है। इसमें से कई सेंटरों का निर्माण कार्य शुरू भी करा दिया गया है। वहीं अन्य सेंटरों के संचालन के लिए जगह चिन्हित किए जा रहे है। जिससे कि अब लोगों को केवल गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए ही रिम्स-सदर की दौड़ लगानी होगी। बता दें ति नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर (हेल्थ सेंटर) के खुल जाने के बाद इनकी संख्या ४३ हो जाएगी। इससे खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को प्राइमरी हेल्थ ट्रीटमेंट घर के आसपास ही मिल सकेगी।

पहले से चल रहे 25 सेंटर

इस पहल से रांची में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और बढ़ेगी। वर्तमान में रांची नगर निगम क्षेत्र में २५ आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहले से ही संचालित हैं, जहां लोगों को मुफ्त जांच, दवाइयां और प्राथमिक उपचार प्रदान की जा रही हैं। १८ नए केंद्रों के खुलने के बाद कुल ४३ आरोग्य मंदिर होंगे। जिससे कि लोगों को प्राइवेट हॉस्पिटल और क्लिनिक की दौड़ लगाने की झंझट से छुटकारा मिल जाएगा। वहीं उनकी जेब पर भी इसका असर नहीं पड़ेगा।

२५ लाख रुपए एक केंद्र के लिए

निगम अधिकारियों के अनुसार, प्रत्येक केंद्र के निर्माण पर लगभग ३४.५ लाख रुपये खर्च होंगे। इनमें से २५ लाख रुपये केंद्र से और ९.५ लाख रुपये राज्य सरकार द्वारा दिए जाएंगे। इन केंद्रों का निर्माण १५वें वित्त आयोग की राशि से कराया जाएगा। नए केंद्रों में मरीजों के बैठने की सुविधा, अलग-अलग टॉयलेट, ओपीडी और डिस्पेंसरी जैसी बुनियादी सुविधाएं मौजूद होंगी। हालांकि कुछ सेंटरों का निर्माण २५ लाख रुपए से ही कराया जाएगा। चूंकि पहले शहर में १२ सेंटर खोलने की योजना थी। लेकिन वार्डों को देखते हुए इसकी संख्या बढ़ाई गई है। ऐसे में खर्च की जाने वाली राशि को लेकर अधिकारी बताने से बच रहे है। लेकिन इतना तो तय है कि अब सेंटर आपके घर के आसपास होंगे तो इलाज से लेकर वैक्सीन के लिए दौड़ नहीं लगानी होगी।

घर के पास मेडिकल सुविधा

आयुष्मान आरोग्य मंदिर को खोलने का उद्देश्य लोगों को उनके घर के पास ही स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। एक अधिकारी ने बताया कि इन केंद्रों के माध्यम से बुखार, खांसी-जुकाम, ब्लड प्रेशर, शुगर की जांच, टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा मैटरनिटी के दौरान देखभाल और वैक्सीनेशन की भी सुविधा इन सेंटरों पर मिल रही है। इससे न केवल लोगों को तत्काल इलाज मिल रहा है, बल्कि बड़े अस्पतालों पर दबाव भी कम हो रहा है।

नए सेंटरों के खुलने से रिम्स और सदर में भी मरीजों का बोझ कुछ कम होगा। महीने में एक दिन वैक्सीनेशन से बच्चों और मां को भी लंबी वेटिंग से राहत मिली है।

मधुमेह के कारण बढ़ रही अन्य बिमारियां

डायबिटीज (मधुमेह) एक गंभीर और तेजी से फैलती हुई स्वास्थ्य समस्या है। पहले जहां यह बीमारी बुजुर्गों तक सीमित मानी जाती थी, वहीं अब यह युवाओं को भी तेजी से अपनी चपेट में ले रही है। खराब खानपान, मोटापा और अस्वस्थ जीवनशैली इसके प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि डायबिटीज के कारण लोगों को दिल की बीमारी, किडनी खरा होना, नर्व डैमेज और आंखों की रोशनी तक जाने का खतरा बना रहता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर 10 में से 4 लोगों को यह पता ही नहीं होता कि वे डायबिटीज का शिकार हो चुके हैं। यह स्टडी 2017 से 2019 के बीच 45 वर्ष और उससे ज्यादा उम्र के 57,810 लोगों पर की गई। इस स्टडी में पाया गया कि इस उम्र वर्ग के करीब 20 प्रतिशत लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं। दिलचस्प बात यह है कि पुरुष और महिलाओं दोनों में यह अनुपात लगभग समान है। इस स्टडी के अनुसार, डायबिटीज के मामले शहरी क्षेत्रों में ज्यादा देखे गए हैं। इसका प्रमुख कारण खराब लाइफस्टाइल, शारीरिक गतिविधियों की कमी और मानसिक तनाव हैं।

डायबिटीज मुख्य रूप से तीन प्रकार की होते हैं- टाइप 1, टाइप 2, और गर्भावधि डायबिटीज। टाइप 1 डायबिटीज में शरीर इंसुलिन बनाना बंद कर देता है, जबकि टाइप 2 में शरीर इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाता। गर्भावधि डायबिटीज महिलाओं को गर्भावस्था के समय होती है। इंसुलिन वह हार्मोन है जो खून में मौजूद शुगर को शरीर की कोशिकाओं में पहुंचाता है, ताकि शरीर ऊर्जा का इस्तेमाल कर सके। जब इंसुलिन काम नहीं करता या शरीर में बनता नहीं है, तो शुगर खून में ही जमा हो जाता है, जिससे कई तरह की समस्याएं शुरू हो जाती हैं। डायबिटीज के कारण दिल की बीमारी, किडनी फेल होना, आंखों की रोशनी जाना और पैरों की नसें खराब होना जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। इतना ही नहीं, यह बीमारी कैंसर, डिमेंशिया और सुनने की कमी जैसी परेशानियों का भी खतरा बढ़ा देती है।डायबिटीज से बचाव का सबसे खास तरीका है कि संतुलित खाना खाएं, रोज थोड़ा एक्सरसाइज करें, और समय-समय पर ब्लड शुगर की जांच कराते रहें।

सेहतमंद बनाये रखता है चुकंदर

चुकंदर एक ऐसी ही सब्जी है जो शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ाने, ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने और ताजगी बनाए रखने में मदद करता है। यह उन चुनिंदा सब्जियों में शामिल है जिन्हें आयुर्वेद, विज्ञान और न्यूट्रिशनिस्ट सभी ने लाभकारी माना है। एक रिपोर्ट के अनुसार चुकंदर में बेटानिन, नाइट्रेट, पॉलीफेनोल्स, फाइबर, विटामिन सी और ई समेत कई खास तत्व मौजूद होते हैं। बेटानिन, जो इसे लाल रंग देता है, एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। यह शरीर में मौजूद हानिकारक फ्री रेडिकल्स को खत्म करने में मदद करता है। इससे कोशिकाओं की रक्षा होती है और बढ़ती उम्र, हृदय रोग, कैंसर और दूसरी पुरानी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

चुकंदर हाई ब्लड प्रेशर से परेशान लोगों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद नाइट्रेट्स शरीर में जाकर नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल जाते हैं, जिससे रक्त नलिकाएं फैलती हैं और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। यह शरीर में खून की मात्रा को बढ़ाने में मददगार है। इसके अलावा, यह ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाकर दिल की सेहत को बनाए रखता है और थकान दूर करने में मदद करता है। चुकंदर में मौजूद प्राकृतिक रसायन शरीर की सूजन को कम करते हैं, जिसे एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण कहते हैं। इससे गठिया, आर्थराइटिस जैसी बीमारियों में राहत मिलती है।

इसके अलावा, यह लिवर की सुरक्षा करता है और शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है। चुकंदर में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो पाचन क्रिया को ठीक रखता है, कब्ज की समस्या दूर करता है और आंतों को स्वस्थ बनाए रखता है। इसके अलावा, यह वजन नियंत्रित रखने में भी मददगार होता है।

आयुर्वेद के अनुसार, इसका जूस, सलाद या सूप के रूप में सेवन करने से अधिकतम लाभ मिलते हैं। चुकंदर न केवल शरीर को अंदर से स्वस्थ बनाता है, बल्कि त्वचा को भी चमकदार और जवान बनाए रखने में मदद करता है। इसका नियमित सेवन त्वचा की रंगत को निखारता है और कील-मुंहासों जैसी समस्याओं से राहत दिला सकता है।

अपनाएं डैंड्रफ को दूर करने के उपाय

अधिकतर लोग डैंड्रफ की समस्या से परेशान रहती हैं। इससे स्कैल्प में सफेद रंग की पपड़ी जमने लगती है। डैंड्रफ के कारण सिर में खुजली भी होने लगती है। बहुत अधि?क खुजली करने से सिर में घाव बन जाते हैं। साथ ही बालों की जड़ें भी कमजोर हो जाती है। कुछ खास उपायों की सहायता से आप डैंड्रफ की इस समस्या से राहत पा सकती हैं।

डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए जरूरी है कि आप नियमित रूप से बालों में कंघी करें। इससे बालों की जड़ों से ज्यादा तेल निकलता है। इसके अलावा बालों में कंघी करने से बालों की ग्रोथ भी बढ़ती है।

डैंड्रफ में अच्छी क्वालिटी के शैंपू का ही इस्तेमाल करें। ऐसे हेयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करें जिसमें जिंक पाइरिथियन मौजूद होता है। ये डेंड्रफ को दूर करने में कारगर साबित होता है।

एलोवेरा के रस से बालों की मसाज करें और एक घंटे बाद ठंडे पानी से धो लें। ऐसा करने से डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी। नारियल के तेल में कपूर मिलाकर रख लें। नहाने से आधे घंटे पहले इससे बालों की मसाज करें। नियमित रूप से ऐसा करने से डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी। अपने बालों को रोजाना अच्छी क्वालिटी के एंटी-डैंड्रफ शैंपू से धोएं। इससे डैंड्रफ की समस्या काफी हद तक खत्म हो जाती है। एक ग?लास पानी में चार बड़े चम्मच बेसन मिलाकर पेस्ट बना लें और इसे बालों में लगाकर एक घंटे के लिए छोड़ दें और फिर बाल धो लें।

मौसम में बदलाव के साथ रखें स्वास्थ्य का ध्यान

मौसम में अचानक आए बदलाव की वजह से डेंगू, मलेरिया के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। वैसे तो डेंगू बुखार तकरीबन 7-10 दिनों तक बना रहता है और कई बार अपने आप ही ठीक हो जाता है लेकिन डेंगू हेमरेजिक फीवर थोड़ा खतरनाक होता है और इसमें खून के प्लेटलेट्स और डब्ल्यूबीसी की संख्या कम होने लगती है। ऐसी स्थिति में दवा के साथ ही अगर आयुर्वेदिक इलाज किया जाए तो मरीज जल्दी ठीक हो सकता है।

कद्दू का रस पीयें

आमतौर पर लोग कद्दू की सब्जी ही खाते हैं, मगर सब्जी से ज्यादा फायदेमंद इसका रस होता है। डेंगू-मलेरिया ही नहीं बल्कि किसी भी बीमारी में सबसे पहले शरीर की इम्यूनिटी बेहतर करनी जरूरी है ताकि शरीर रोग से लड़ने लायक हो जाए और कद्दू का रस शरीर को अंदर से मजबूत बना देता है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी बढ़ जाती है हालांकि इम्यूनिटी एक-दो दिन में नहीं बढ़ती। इसके लिए लंबे स म य ... नक रुटीन का ध्यान रखना पड़ता है!

दिल को मजबूत बनाए

कद्दू का रस रोग प्रतिरोधी ताकत बढ़ाने के साथ ही दिल को भी मजबूत बनाता है। दिल से संबंधित बीमारियां जैसे हार्ट अटैक, हार्ट स्ट्रोक आदि में कद्दू का रस बेहद लाभदायक होता है। साथ ही इसमें धमनियों को साफ करने के गुण होते हैं। इसमें उपस्थित ऐंटिऑक्सिडेंट धमनियों की दीवारों को सख्त होने से रोकता है।

बकरी का दूध भी फायदेमंद

कद्दू के रस के अलावा बकरी का दूध, पपीते की पतियां और गिलोय का रस भी खून में कम हो रहे प्लेटलेट्स की संख्या को फिर से सामान्य करने में मदद करता है। दरअसल, बकरी का दूध सुपाच्य होता है। आयुर्वेद में बताया गया है कि बकरी का दूध डेंगू के बुखार को निकलने में कारगर होता है।

पाचन शक्ति बढ़ाए

कद्दू का रस पाचन शाक्ति बढ़ाता है, जिससे शरीर स्वस्थ रहता है। दस्त और कब्ज दोनों ही समस्या में इसका सेवन बहुत मददगार होता है। इसके अलावा कद्दू का रस पीने से शरीर की गंदगी और विषैले पदार्थ यूरीन के माध्यम से बाहर निकाल जाते हैं। इसके रोगनाशक गुण अल्सर और ऐसिडिटी के इलाज में बहुत सहायक होते हैं।

पथरी की समस्या में लाभकारी

किडनी में पथरी की समस्या से परेशान लोगों के लिए कद्दू का रस बहुत फायदेमंद होता है। अगर आप किडनी में पथरी की समस्या से परेशान हैं तो 10 दिन तक लगातार दिन में तीन बार आधा गिलास कद्दू के रस का सेवन करें। किडनी की परेशानी भी इसका रस पीने से ठीक होने लगती है।

त्वचा की देखभाल करे

कद्दू के रस में प्रचूर मात्रा में विटमिन सी, विटमिन ई और बीटा-कैरोटीन होता है, जो त्वचा को जवां, नर्म और चमकदार बनाए रखता है। इसके अलावा यह झुर्रियों से बचाता है और त्वचा को हाइड्रेट भी करता है।

मुंह में छालों का रामबाण इलाज, रसोई में मौजूद ये 5 घरेलू चीजें देंगी तुरंत राहत

मुंह में लाल-सफेद छाले किसी के लिए भी परेशानी बन सकते हैं। ये दर्दनाक होते हैं, खाने-पीने में दिक्कत पैदा करते हैं और कई बार बार-बार निकलने लगते हैं। हालांकि ज्यादातर मामलों में छाले अपने आप ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ घरेलू नुस्खे इसे तेजी से ठीक करने में मदद कर सकते हैं।

छालों के होने के कारण

मुंह में छाले कई कारणों से निकल सकते हैं। इनमें हार्मोनल बदलाव, पेट की खराबी, कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता, दांत या मुंह में चोट, तीखा या एसिडिक खाना, एलर्जी और पोषक तत्वों की कमी शामिल हैं। साथ ही, खराब ओरल हाइजीन रखने वाले लोगों में यह समस्या अधिक देखने को मिलती है।

घरेलू नुस्खों से मिले राहत

विशेषज्ञों के अनुसार, मुंह के छालों को कम करने और दर्द से राहत पाने के लिए घर में मौजूद कुछ चीजें बेहद असरदार साबित होती हैं।

नारियल का तेल :

नारियल का तेल छालों पर लगाने से दर्द में राहत मिलती है और छाले जल्दी ठीक होने लगते हैं। इसे प्रभावित हिस्से पर थोड़ी मात्रा में लगाकर कुछ मिनट रहने दें, फिर जरूरत पड़ने पर हल्के पानी से धो सकते हैं। नारियल के तेल के एंटीबैक्टीरियल गुण छालों को जल्दी ठीक करने में मदद करते हैं।

शहद :

एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर शहद को सीधे छाले पर लगाने से जल्दी आराम मिलता है। इसे छाले पर कुछ मिनट के लिए लगाया जाए और फिर हल्के पानी से धो दें। शहद न केवल दर्द को कम करता है बल्कि छाले जल्दी ठीक होने में भी मदद करता है।

नमक का पानी :

हल्के गर्म पानी में नमक मिलाकर कुल्ला करने से मुंह में सूजन कम होती है और बैक्टीरिया भी हट जाते हैं। दिन में 2-3 बार इस पानी से कुल्ला करने की सलाह दी जाती है, जिससे छालों का दर्द और जलन जल्दी कम होती है।

हल्दी का पेस्ट :

हल्दी में मौजूद एंटीमाइक्रोबियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मुंह के छालों को जल्दी ठीक करने में मदद करते हैं। इसके लिए एक चम्मच हल्दी में थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट तैयार करें और इसे सीधे छाले पर लगाएं। कुछ मिनटों के बाद धो दें।

सेब का सिरका :

मुंह के छालों से राहत पाने के लिए सेब का सिरका बहुत मददगार है। इसके लिए एक गिलास पानी में 2 चम्मच सेब का सिरका मिलाकर कुल्ला करें। इसे दिन में 3-4 बार दोहराने से छाले जल्दी ठीक होने लगते हैं और दर्द में राहत मिलती है। डॉक्टरों का कहना है कि घरेलू उपायों के साथ-साथ पर्याप्त पानी पीना, संतुलित आहार लेना और मुंह की सफाई रखना बेहद जरूरी है। यदि छाले लंबे समय तक बने रहें या बार-बार हों, तो डॉक्टर से सलाह लेना भी जरूरी है।

तो चेहरे पर बुढ़ापे की निशानी समय से पहले ही दिखाई देने लगेगी

हम सभी की यह चाहत होती है कि हमारी जवानी लंबे समय तक बरकरार रहे इस चाहत को पूरा करने के लिए अक्सर हम कई तरह की चीजें करते हैं और प्रोडक्ट्स का भी इस्तेमाल करते हैं! कई बार इतना सबकुछ करने के बाद भी हमें जो परिणाम होते हैं वह सही तरीके से मिल नहीं पाते हैं। कई बार हम ऐसी कुछ गलतियां कर देते हैं जिनकी वजह से हमारा कोलेजन प्रोडक्शन कम हो जाता है और चेहरे पर बुढ़ापे की निशानी समय से पहले ही दिखाई देने लगती है

हमारे शरीर में कोलेजन का प्रोडक्शन सही मात्रा में हो यह काफी ज्यादा जरूरी होता है। कोलेजन की अगर बात करें तो यह हमारे स्किन से लेकर बालों और हड्डियों तक के लिए काफी जरूरी होता है। वहीं जब शरीर में इसका प्रोडक्शन होना कम होता है तो ऐसे में हमें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसका कारण है।

ज्यादा मीठी चीजों का सेवन

अगर आप नहीं चाहते हैं कि आपके शरीर में कोलेजन का प्रोडक्शन कम हो तो ऐसे में आपको मीठी चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए! मीठी चीजों के सेवन से ग्लाइकेशन का प्रोसेस तेज हो जाता है जिस वजह से कोलेजन का प्रोडक्शन कम होता है. लंबे समय तक ऐसा होते रहने की वजह से चेहरे पर झुर्रियां दिखाई देने लगती है और साथ ही अन्य समस्याएं भी होने लगती है. अगर आप मीठी चीजों का सेवन करना चाहते हैं तो आपको शहद या फिर गुड़ का सेवन करना चाहिए।

अगर आप सिगरेट पीते हैं तो आपको आज से ही इसे बंद कर देना चाहिए। सिगरेट में निकोटिन होता है जो शरीर में ब्लड फ्लो में रुकावट डालता है. ऐसा होने की वजह से आपकी स्किन तक ऑक्सीजन और न्यूट्रिएंट्स नहीं पहुंच पाते हैं।

सनस्क्रीन का इस्तेमाल न करना

मौसम चाहे कोई सा भी हो आपको घर से बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए. सनस्क्रीन के इस्तेमाल से हमारी त्वचा सूर्य से निकलने वाली हानिकारक युवी किरणों से बची हुई रहती है. जब आप सनस्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो ऐसे में कोलेजन टूटने लगता है जिससे आपकी त्वचा पर फाइन लाइन्स, झुर्रियां और पिगमेंटेशन दिखाई देने लगती है.

सही से नींद न लेना

अगर आप सही तरीके से नहीं सोते हैं या फिर आपके शरीर को जितनी जरूरत है उतनी नींद नहीं लेते हैं तो ऐसे में भी कोलेजन का प्रोडक्शन शरीर में कम हो सकता है. जब आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं तो ऐसे में आपका शरीर खुद को सही तरीके से रिपेयर नहीं कर पाता है. यह भी एक कारण है कि आपकी त्वचा पर समय से पहले ही एजिंग के लक्षण दिखाई देने लगते हैं.

हमेशा तनाव में रहना

अगर आपको कभी-कभार तनाव होता है तो यह आम बात है लेकिन जब आप लंबे समय तक स्ट्रेस में रहते हैं तो इससे आपके शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन का लेवल बढ़ जाता है. यह भी एक कारण है कोलेजन के टूटने का. स्ट्रेस की वजह से आपकी त्वचा डल पड़ जाती है और अनहेल्दी लगने लगती है।

रंग बदलती है कराकुल झील

दुनियाभर में कई ऐसे झील हैं जो अपने किसी ना किसी अनोखे कामों के लिए प्रसिद्ध है। आज हम आपको एक ऐसी ही झील के बारे में बताने जा रहे हैं। जी दरअसल हम बात कर रहे हैं 'कराकुल झील' की। यह झील भारत से कोसों दूर मध्य-एशिया के ताजिकिस्तान में है।

इस झील को मध्य-एशिया की चुनिंदा खूबसूरत और अद्भुत झीलों में गिना जाता है। यह झील लगभग 380 वर्ग किमी में फैली है। यहाँ चारों तरफ फैले पहाड़ और रेगिस्तान सभी को आकर्षित करते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस झील का पहला नाम महारानी विक्टोरिया पर रखा गया था, लेकिन कुछ ही समय बाद में सोवियत संघ द्वारा इस झील का नाम 'काराकुल' रख दिया गया, जिसका मतलब होता है काली झील। कहा जाता है इस झील का निर्माण धरती से उल्कापिंड के टकराने की वजह से हुआ था। इस घटना को ढाई करोड़ साल पहले हुई बताया जाता है। वैसे यह कोई नहीं जानता कि इस बात में कितनी सच्चाई है। यह झील नमक की झील है, और इसे चारों तरफ से घेर दिया गया है, ताकि इसका पानी बाहर न जा सके। बताया जाता है इस झील में इतना नमक पाया जाता है कि इसमें एक खास प्रजाति की मछली को छोड़कर कोई और जीव नहीं रहता।

वैसे इस झील को देखने लोग दूर-दूर से आते हैं क्योंकि यह झील दिन में कई बार अपने रंग को बदलती है। यह झील अगर सुबह से शाम तक में कभी नीली, कभी गहरे हरे रंग की, तो कभी फिरोजी रंग की हो जाती है। वही आज तक यह नहीं पता चल पाया कि ऐसा क्यों होता है। इस झील में भारी मात्रा में नमक की मौजूदगी के चलते आप इसमें बोटिंग भी नहीं कर सकते।

जापान की ये झीलें आपको दूसरी दुनिया में ले जाएंगी

जापान एक ऐसी जगह है जो अपनी विशाल आबादी और अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। यहां के खानपान से लेकर प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों को अनायास की आकर्षित करता है। जापान वास्तव में कई कारणों से लोकप्रिय है। यहां पर खूबसूरत पहाड़ों से लेकर एंटरटेनमेंट पार्कस, ऐतिहासिक स्थलों से लेकर खूबसूरत झीलें आदि देखने के लिए बहुत कुछ है। जापान में सैकड़ों खूबसूरत झीलें हैं जो इस देश को एक बेहतरीन पर्यटन स्थल बनाती हैं। यहां पर स्थित हर झील की अपनी एक अलग विशेषता है और इसलिए यहां की झीलें सिर्फ पर्यटकों के लिए ही नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए भी उतना ही महत्व रखती हैं। तो चलिए आज हम आपको यहां पर स्थित कुछ खूबसूरत झीलों के बारे में बता रहे हैं, जिनके बारे में आपको भी जरूर जानना चाहिए-

कावागुची झील

यह झील माउंट फ़ूजी पर स्थित है और इसे एक वर्ल्ड हैरिटेज साइटमाना जाता है। यह जापान की सबसे प्रसिद्ध झीलों में से एक है। झील तीन तरफ से पर्वत श्रृंखलाओं से घिरी हुई है और चौथी तरफ वह जगह है जहाँ माउंट फ़ूजी है। जब मौसम अच्छा होता है तो इस झील में माउंट फ़ूजी का प्रतिबिंब दिखाई देता है। इसे वास्तव में 'रिवर्स फ़ूजी' कहा जाता है और यह सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है जिसे आप देख सकते हैं। आप यहां सभी मौसमों का अनुभव कर सकते हैं। चेरी वसंत ऋतु में खिलती है, गर्मियों में हरे भरे जंगल में आप विभिन्न खेलों में भाग ले सकते हैं, शरद ऋतु में गिरे हुए पत्ते और सर्दियों में बर्फ से ढकी चोटी। वैसे, रिवर्स फ़ूजी देखने का सबसे अच्छा समय सर्दियों के दौरान होता है।

बीवा झील

यह जापान की सबसे बड़ी झीलों में से एक है जो कासुमीगौरा झील से पहले आती है और लाखों साल पहले की है। लेक बीवा जापान शिगा प्रान्त में है और इसके आसपास बहुत सारे छोटे शहर हैं। बीवा वास्तव में एक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट है और झील इंस्ट्रूमेंट के आकार जैसी दिखती है, शायद इसलिए इसे बीवा झील कहा जाता हहै। चूंकि यह एक मीठे पानी की झील है, आप ट्राउट सहित मीठे पानी की मछलियाँ और भी बहुत कुछ पा सकते हैं। झील के चारों ओर के शहर मंदिरों, महलों, ऑनसेन और रिसॉर्ट्स से भरे हुए हैं।

कासुमीगौरा झील

कासुमीगौरा झील, बीवा जापान के बाद दूसरी सबसे बड़ी झील है। हालाँकि झील का उपयोग ज्यादातर मछली पकड़ने के उद्योगों द्वारा किया जाता था, लेकिन अब यह एक बहुत ही लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यहां पर गर्मी बिताना एक अच्छा विचार है क्योंकि आप कई नावों या जहाजों की मदद से पानी में घूमने के लिए ले जा सकते हैं। 'होबिकुब्यून' नामक एक जहाज है जहाँ आप फुरसत में नौकायन कर सकते हैं। जहाजों के अपने हॉट स्प्रिंग्स या ओन्सेन्स भी होते हैं, जो बेशक कृत्रिम होते हैं, लेकिन फिर भी अच्छी तरह से काम करते हैं।

यामानाका झील

यह माउंट फ़ूजी पर स्थित पाँच में से सबसे बड़ी झीलों में से एक है। झील पर आप कई बेहतरीन एक्टिविटीज कर सकते हैं। आप साइकिल ले सकते हैं और झील के चारों ओर सवारी कर सकते हैं या विंडसर्फिंग, वाटर-स्कीइंग, तैराकी, मछली पकड़ने या नौका विहारकर सकते हैं। यदि आप गर्मियों के दौरान यात्रा करते हैं तो यह नाव की सवारी के लिए सबसे अच्छा समय होगा। अगर आप सर्दियों के दौरान घूमने जाते हैं तो आप बर्फ में छेद करके मछली पकड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

चुज़ेनजी झील

यह झील टोक्यो के पास जापान की प्रमुख झीलों में से एक है। झील निक्को शहर के ठीक ऊपर पहाड़ों में स्थित है। यदि आप गर्मियों के दौरान यात्रा करते हैं, तो आप वास्तव में यहाँ के पश्चिमी इतिहास पर एक शानदार नज़र डाल सकते हैं। यहां झील के आसपास ऐसी कई इमारतें हैं। ग्रीष्म ऋतु के दौरान, झील आसपास के वातावरण को ठंडा रखती है और शरद ऋतु में यहां का नजारा बेहद ही अद्भुत होता है। आप चुज़ेनजी स्काईलाइन से यहां का बेहतरीन दृश्य देख सकते हैं।

पानी से जमीन पर आया स्केटिंग का गेम

स्केटिंग का गेम जितना आसान है, उतना ही खतरनाक इसलिए इस गेम की पूर्ण जानकारी अत्यंत जरूरी है।

1950 के समय कैलिफोर्निया के अधिकांश सर्फर्स जब पानी पर सर्फिंग किया करते थे तो उन्हें यह आइडिया आया कि क्यों ना सड़क पर सर्फ किया जाए। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि पहला स्केटबोर्ड आखिर किसने तैयार किया था। इस तरह का दावा करने वाले कई लोग थे जिनका कहना था कि स्केटबोर्ड का इन्वेंशन उन्होंने ही किया है। पहला स्केटबोर्ड वुडन बॉक्स या बोर्ड जैसा बनाया गया था, जिस पर रोलर स्केट व्हील्स लगे हुए थे। जब लोगों ने सड़कों पर स्केटबोर्ड पर स्केट करना शुरू किया तो अनुभव की कमी के कारण गिरते भी काफी थे। 1995 में ईएसपीएन ने रोड्स आईलैंड पर पहली बार एक्स गेम्स का आयोजन किया जिसमें स्केटबोर्डिंग को भी शामिल किया गया था। इससे स्केटबोर्डिंग को काफी पॉपुरलैरिटी भी मिली। ईयर 2000 से मीडिया में यह और भी छा गया जब इससे रिलेटेड वीडियो गेम्स बनने लगे और बच्चों को बहुत पसंद भी आने लगे।

स्केटिंग की पहली क्लास

पहली बार स्केटिंग करने वालों को यह समझ नहीं आता कि आखिर इसे शुरू कैसे किया जाए। यदि तुम भी स्केटिंग करना चाहते हो तो सबसे पहले तुम्हे लाने होंगे स्केट शूज। यूं तो नॉर्मल शूज से भी स्केटिंग की जा सकती है लेकिन यह मुश्किल भी होता है और थोड़ा खतरनाक भी। दरअसल स्केट शूज का बॉटम काफी बड़ा होता है ताकि बोर्ड पर सही ग्रिप मिल सके और साथ ही कई और फीचर्स भी इसमें होते हैं। स्केटिंग के लिए दूसरी सबसे जरूरी चीज होती है हेलमेट। साथ ही प्रोटेक्टिंग पैड्स भी महत्वपूर्ण होते हैं। तुम्हें किन चीजों की जरूरत है यह इस पर निर्भर करता है कि तुम स्केट बोर्ड पर किस तरह की एक्टिविटी करते हो।

गूफी या रेग्युलर क्या होगा तुम्हारा स्टाइल?

जब बैलेंस बनाना सीख जाओ तो अब बारी है तुम्हारे स्टाइल की। स्केटबोर्ड पर अलग-अलग तरीके से खड़े होने को स्टेंस कहा जाता है, जो खिलाड़ी राइट फुट से स्केटबोर्ड पर खड़े होते हैं उन्हें गूफी स्टेंस कहा जाता है और जो लेफ्ट से खड़े होते हैं, वो रेग्युलर कहलाते हैं। तुम इस तरह अपना स्टाइल चुन सकते हो।

बैलेंसिंग से करो शुरू

प्रोटेक्शन की सारी चीजें तो इकट्ठी हो गई लेकिन स्केटबोर्ड पर सीधे ही कोई स्टंट ट्राय करना खतरनाक हो सकता है। स्केटिंग में सबसे पहले सही तरीके से स्केटबोर्ड पर खड़े होने की प्रैक्टिस करनी है। स्केटबोर्ड को घास पर या अपने घर के कारपेट पर सैट करो और सबसे पहले उस पर खड़े होकर बैलेंस बनाने की कोशिश करो। जैसे ही बैलेंस बनना शुरू हो जाए फिर अलग-अलग पोजिशन पर अपने पैरों को घुमाने की कोशिश करो। अपने बोर्ड के साइज को पूरी तरह से एक्सपीरिएंस करो और उस पर खड़े रहने की प्रैक्टिस करते रहो।

इन देशों के पास नहीं हैं एक भी एयरपोर्ट

किसी दौर में हवाई जहाज पर बैठना लोगों के लिए बड़ी बात हुआ करती थी। तब ज्यादातर अमीर लोग ही हवाई यात्रा अफॉर्ड कर पाते थे, लेकिन आज ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। आज आप उचित दामों में एरोप्लेन की यात्रा का मजा उठा सकते हैं। एरोप्लेन की आवाजाही के लिए ही दुनिया भर में कई एयरपोर्ट्स बनाए गए हैं। आज के समय में हर देश की यह ख्वाहिश होती है कि उनके पास आलीशान एयरपोर्ट हों, जहां से विदेश की यात्रा आसान हो सके।

भारत में भी कई ऐसे एयरपोर्ट्स हैं, जिन्हें उनकी आलीशान खूबसूरती के लिए जाना जाता है। आज ज्यादातर देशों में हवाई यात्राओं के लिए एयरपोर्ट्स बनाएं गए है, मगर कुछ ऐसे देश भी हैं जहां हवाई यात्रा मुमकिन नहीं, क्योंकि उन देशों के पास एक भी एयरपोर्ट नहीं है। आज हम आपको ऐसे ही देशों के बारे में बताएंगे, जहां इतने समय के बाद भी एयरपोर्ट नहीं तैयार किए जा सके हैं। आइए जानते हैं इन देशों के बारे में-

लिस्टेंस्टीन - यूरोप के ज्यादातर देश सुविधाओं से लैस हैं। इसके बावजूद भी यहां पर कुछ ऐसे देश मौजूद हैं, जिनके पास एक भी एयरपोर्ट नहीं मौजूद है। लेस्टेंस्टीन भी इन देशों में एक है, बता दें कि यह देश ऑस्ट्रिया और स्विट्जरलैंड के बीच स्थित है और यहां पर जर्मन भाषा बोलने वाले लोग भारी तादात में मौजूद हैं। बता दें कि लिस्टेंस्टीन दुनिया के ऐतिहासिक देशों में एक है, जहां पर पाषाण युग के कई प्रमाण देखने को मिलते हैं। इसके अलावा इस छोटे से देश की एक खासियत यह भी है कि यहां पर एक भी एयरपोर्ट मौजूद नहीं है। हालांकि यहां पर एक हेलीपोर्ट जरूर मौजूद है, जिसके जरिए हवाई यात्रा की जा सकती है। यहां जाने के लिए लोग स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख हवाई अड्डे की तरफ अपना रुख करते हैं। वहां पहुंचने के बाद रोड के माध्यम इस देश में पहुंचा जा सकता है।

सैन मैरिनो- सैन मैरिनो यूरोप का छोटा सा देश है। इस देश को यूरोप का सबसे पुराना गणराज्य माना जाता है। इसके अलावा इस देश की गिनती दुनिया के सबसे छोटे देशों में की जाती है। बता दें कि इतने समय बाद भी इस देश में एक भी एयरपोर्ट नहीं बनाया गया है। यहां जाने वाले लोगों के इटली के एयरपोर्ट की मदद लेनी पड़ती है। हालांकि एयरपोर्ट न होने का असर यहां के टूरिज्म पर नहीं पड़ता है, लोग इटली के जरिए यहां पर घूमने के लिए आते रहते हैं।

वेटिकन सिटी- वेटिकन सिटी का नाम आप में से ज्यादातर लोगों ने सुना होगा। इसे दुनिया का सबसे छोटा देश माना जाता है, इसके साथ ही यह देश ईसाई धर्म के संप्रदाय रोमन कैथोलिक चर्च का केंद्र है। बता दें कि यहां पर ईसाई धर्म के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप का निवास करते हैं। इतने प्रसिद्ध होने के बावजूद भी इस देश में एक भी एयरपोर्ट नहीं मौजूद है, माना जाता है कि यह देश इतना छोटा है कि यहां पर एक हवाई अड्डा तैयार करने के लिए जगह ही नहीं है। यहां जाने के लिए सैलानियों को रोम एक नजदीकी एयरपोर्ट तक पहुंचना होता है, जिसके बाद रोड की मदद से आप बाकी की यात्रा पूरी कर सकते हैं।

अंडोरा- यूरोप में कई ऐसे देश मौजूद हैं, जो कि काफी छोटे हैं। अंडोरा भी इन्हीं देशों में से एक है। बता दें कि यह दुनिया का 16वां सबसे छोटा देश है, जो कि एरिया और जनसंख्या में काफी कम है। 85,000 की जनसंख्या होने के कारण यहां पर एक भी एयरपोर्ट नहीं हैं, लेकिन इस देश के पास 3 प्राइवेट हेलीपैड जूरूर हैं। यहां से सबसे करीब स्टेशन स्पेन में है, जो कि अंडोरा से करीब 12 किलोमीटर की दूरी पर है। एयरपोर्ट की सुविधा न होने के बावजूद भी यहां पर यात्रा करने वालों का तांता लगा रहता है।

मोनाको- यह भी पश्चिम यूरोप में बसा एक छोटा सा देश है, इसे दुनिया का दूसरा सबसे छोटा देश माना जाता है। बता दें कि यह फ्रांस और इटली के बीच में मौजूद है। हैरानी की बात यह कि इस देश में किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा प्रति व्यक्ति करोड़पति मौजूद हैं, लेकिन इसके बावजूद भी यहां एक भी एयरपोर्ट नहीं मौजूद है। यहां जाने के लिए नजदीकी एयरपोर्ट फ्रांस में है, जो कि मोनाको से कुछ दूरी पर स्थित है।

संक्षिप्त समाचार

जापान के सरकारी स्कूलों की मंथली फीस दुनिया में सबसे कम

टोक्यो, एजेंसी। जापान को दुनिया के सबसे महंगे देशों में गिना जाता है लेकिन जब बात

बच्चों के भविष्य और शिक्षा की आती है तो यहां का सिस्टम हैरान कर देता है। अक्सर लोग सोचते हैं कि विकसित देशों में पढ़ाई का खर्च बजट से बाहर होगा लेकिन जापान ने अपनी शिक्षा नीति को इतना लचीला बनाया है कि वहां कई मायनों में पढ़ाई भारत के निजी स्कूलों से भी सस्ती पड़ती है। आइए जानते हैं क्या है जापान का एजुकेशन मॉडल। यहां 15 साल की उम्र तक शिक्षा हासिल करना कानूनी रूप से अनिवार्य है। अच्छी बात यह है कि इस उम्र तक सरकारी स्कूलों में ट्यूशन फीस पूरी तरह माफ होती है। सरकार का मुख्य उद्देश्य यह है कि पैसे की कमी किसी भी बच्चे की बुनियादी शिक्षा में बाधा न बने। पहले जापान में 15 से 18 साल की उम्र (सीनियर हाई स्कूल) के लिए 5,000 से 10,000 येन प्रति माह की फीस ली जाती थी लेकिन साल 2025 से लागू हुए नए नियमों के बाद सरकारी हाई स्कूलों की ट्यूशन फीस को भी लगभग खत्म कर दिया गया है। यानी अब जापान में 12वीं तक की शिक्षा सरकार की ओर से लगभग निशुल्क दी जा रही है। भारत में भी सरकारी स्कूल मुफ्त शिक्षा और मिड-डे मील जैसी सुविधाएं देते हैं। लेकिन जापान की खासियत वहां की क्वालिटी और इंफ्रास्ट्रक्चर है। भारत में जहां मध्यम वर्ग के लोग अच्छी शिक्षा के लिए महंगे प्राइवेट स्कूलों की ओर भागते हैं वहीं जापान में सरकारी स्कूलों का स्तर इतना ऊंचा है कि लोग उन पर आंख मूंदकर भरोसा करते हैं।

जल्द बनेंगे तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था; सिंगापुर में बोले सीएम योगी

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की यात्रा पर आए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

सोमवार को यहां प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की और निवेश एवं अवसंरचना विकास में सहयोग पर चर्चा की। सोशल मीडिया पोस्ट में वोंग ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की तीसरी सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्था और सबसे तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर की कंपनियां उत्तर प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर लॉजिस्टिक्स, कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचा विकास में निवेश कर रही हैं और व्यापार और निवेश के और गहरे संबंध बनाने की संभावना है। वोंग ने कहा, सिंगापुर और उत्तर प्रदेश के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने तथा व्यापारिक साझेदारियों को बढ़ावा देने के अवसरों पर हमारी अच्छी चर्चा हुई। मैं मुख्यमंत्री आदित्यनाथ को सिंगापुर की सफल यात्रा की शुभकामनाएं देता हूं। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का दो-दिवसीय सिंगापुर दौरा सोमवार से शुरू हुआ। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, आदित्यनाथ ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री वोंग के साथ विचारों का रचनात्मक आदान-प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा, भारत-सिंगापुर संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत किया गया है, जिससे निवेश, बुनियादी ढांचे के सहयोग और गहन आर्थिक जुड़ाव के नये रास्ते खुल गए हैं। उत्तर प्रदेश हमारे आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने तथा साझा विकास प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। आदित्यनाथ ने सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के साथ भी सार्थक चर्चा की। दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत उत्तर प्रदेश-सिंगापुर सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की, जिसमें निवेश सुविधा, बुनियादी ढांचा सहयोग, कौशल विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग ने 13 साल की बेटी को सबसे पावरफुल कुर्सी पर बिठाया

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया की राजनीति में इस वक्त एक बड़ा बदलाव पूरी दुनिया को हैरान कर रहा है। तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी महज 13 साल की बेटी, किम जू ए को देश की सबसे पावरफुल कुर्सी पर बिठा दिया है। रिपोर्टों के मुताबिक, अब उत्तर कोरिया के मिसाइल निर्माण विभाग...

इंटरनेशनल डेस्क- उत्तर कोरिया की राजनीति में इस वक्त एक बड़ा बदलाव पूरी दुनिया को हैरान कर रहा है। तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी महज 13 साल की बेटी, किम जू ए को देश की सबसे पावरफुल कुर्सी पर बिठा दिया है। रिपोर्टों के मुताबिक, अब उत्तर कोरिया के मिसाइल निर्माण विभाग की जिम्मेदारी उनकी बेटी संभालेगी, यह वही विभाग है जो अमेरिका और जापान जैसे दुश्मनों की नींद उड़ाने वाले घातक हथियारों को तैयार करता

है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस बड़ी जिम्मेदारी को दुनिया की नजरों से छिपाने के लिए किम ने अपनी बेटी का नाम तक बदल दिया है. अब उन्हें किम जू ए के बजाय किम जू हे के नाम से पुकारा जा रहा है. यह रणनीति कुछ वैसी ही है, जैसी खुद किम जोंग उन के वक्त अपनाई गई थी। जब 2009 में उन्हें उत्तराधिकारी चुना गया था, तब उनका नाम किम जोंग वून से बदलकर किम जोंग उन कर दिया गया था। अब बेटी के साथ भी वही इतिहास दोहराया जा रहा है।

उत्तर कोरिया के लिए मिसाइल विभाग का महत्व सबसे ऊपर है। यहां हर साल लगभग 50 मिसाइलें बनाई जाती हैं और किम के पास 3000 से ज्यादा मिसाइलों का खतरनाक भंडार है। इस विभाग में काम करने वाले अधिकारियों की जान हमेशा जोखिम में रहती है, क्योंकि काम में ज़रा सी चूक होने पर किम उन्हें सीधे मौत की सजा देने के लिए जाने जाते हैं। अब इतनी सख्त और खतरनाक जगह की कमान अपनी बेटी को सौंपना साफ इशारा करता है कि किम उन्हें भविष्य के शासक के तौर पर तैयार कर रहे हैं। साल 2013 में जन्मी किम जू ए पहली बार 2022 में सार्वजनिक तौर पर नजर आई थीं। उन्हें उत्तर कोरिया में बहुत सम्मान दिया जाता है और अक्सर सम्मानित संतान कहकर पुकारा जाता है। जू ए को घुड़सवारी और स्कीइंग का बेहद शौक है।

ईरान में इमरजेंसी जैसे बने हालात! भारतीय दूतावास ने जारी किया कड़ा आदेश- जो जहां है, तुरंत देश छोड़ दे

तेहरान, एजेंसी। ईरान में जारी भारी विरोध प्रदर्शनों और अस्थिरता के बीच भारतीय दूतावास ने एक बड़ा कदम उठाया है। तेहरान स्थित एम्बेसी ने वहां रह रहे सभी भारतीय नागरिकों को बिना देरी किए देश छोड़ने की सलाह दी है। ईरान में जारी भारी विरोध प्रदर्शनों और अस्थिरता के बीच भारतीय दूतावास ने

एक बड़ा कदम उठाया है। तेहरान स्थित एम्बेसी ने वहां रह रहे सभी भारतीय नागरिकों को बिना देरी किए देश छोड़ने की सलाह दी है। दूतावास ने यह भी साफ किया है कि सुरक्षा के मद्देनजर अब हालात और भी चुनौतीपूर्ण हो गए हैं, इसलिए भारतीयों को उपलब्ध कमर्शियल उड़ानों या अन्य साधनों का उपयोग कर सुरक्षित स्थानों पर चले जाना चाहिए। इससे पहले भी 5 और 14 जनवरी 2026 को भी इसी तरह के दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन मौजूदा एडवाइजरी में स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत वापसी पर जोर दिया गया है। दूतावास ने छात्रों, व्यापारियों, पर्यटकों और तीर्थयात्रियों समेत सभी भारतीय मूल के लोगों को विशेष सावधानी बरतने को कहा है। भीड़भाड़ से बचें- किसी भी प्रकार के प्रदर्शन या रैली वाले इलाकों में जाने से पूरी तरह परहेज करें। अपना पासपोर्ट, पहचान पत्र और यात्रा से संबंधित सभी जरूरी कागजात हर समय अपने पास रखें।

20 बैंक फूंके, गर्लफ्रेंड से लोकेशन का पता चला

मेक्सिको- ड्रग माफिया की मौत से 20 राज्यों में हिंसा: 25 सैनिकों समेत 32 मौतें

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको में ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो की मौत के बाद सोमवार को भी हिंसक प्रदर्शन हुए। मेंचो के समर्थकों ने 20 राज्यों में हिंसा फैला दी। कई जगह रोडब्लॉक लगाए, गाड़ियों और 20 से ज्यादा सरकारी बैंक शाखाओं में आग लगा दी गई।

जालिस्को में लॉकडाउन के हालात हैं। ये शहर फीफा 2026 के मेजबान शहरों में शामिल है। अलग-अलग शहरों में कम से कम 32 मौतें हुई हैं, जिसमें 25 सैनिक शामिल है। ऑपरेशन के दौरान सेना ने बख्तरबंद गाड़ियां और रॉकेट लॉन्चर सहित बड़ी संख्या में हथियार जब्त किए।

दरअसल, मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। सेना के ऑपरेशन के दौरान वह घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा अन्य 8 अपराधी भी मारे गए।

मेक्सिको के रक्षा मंत्री रिकार्डो ट्रेविला के मुताबिक मेंचो की लोकेशन का पता उसकी गर्लफ्रेंड के जरिए चला। सेना उसे लंबे समय से ट्रैक कर रही थी।

ट्रेविला ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि खुफिया एजेंसियों ने एल मेंचो की गर्लफ्रेंड से जुड़े एक भरोसेमंद साथी की पहचान की थी। उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई।

इसी व्यक्ति ने एल मेंचो की प्रेमिका को जालिस्को के पास एक कंपाउंड में पहुंचाया था, जिसका पीछा करते-करते सेना कैंपस तक पहुंच गई। जब महिला वहां से निकली तो अधिकारियों को यकीन हो गया कि भारी सुरक्षा के बीच एल मेंचो कंपाउंड के अंदर ही मौजूद है। इसके बाद सुरक्षाबलों ने तुरंत ऑपरेशन शुरू कर दिया और एक दिन बाद पूरे इलाके

को घेर लिया। उन्होंने बताया कि सेना की घेराबंदी के दौरान मेंचो के वफादार बंदूकधारियों ने सेना पर फायरिंग शुरू कर दी।

सेना ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें मेंचो घायल हो गया। उसके साथी उसे लेकर पास के जंगल में भाग गए। काफी मशक्कत के बाद सैनिकों ने उसे खोज निकाला। घायल माफिया को हेलिकॉप्टर से मेडिकल सेंटर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने और उसके दो बॉडीगार्ड ने दम तोड़ दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एल मेंचो, जालिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल का प्रमुख था। जालिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है। इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प काफी समय से मेक्सिको पर एल मेंचो पर एक्शन लेने का दबाव बना रहे थे।

मेक्सिको में पहले भी जब किसी बड़े कार्टेल नेता को पकड़ा गया या मारा गया है, तब सरकार और कार्टेल के बीच हिंसक टकराव हुआ है। कई बार गिरोह के अंदर ही सत्ता की लड़ाई छिड़ जाती है, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि एल मेंचो की मौत से पहले 2016 में सिनाओला कार्टेल के सरगना एल चापो की गिरफ्तारी और 2024 में अल मायो की गिरफ्तारी के वक्त भी देश में ऐसा ही हुआ था।

2019 में जब अल चापो के बेटे ओविदियो गुजमान को पकड़ा गया था, तब उसके गुर्गों ने कुलियाकान शहर को घंटों तक बंधक बना लिया था और सरकार को उसे छोड़ना पड़ा था। इसलिए अब भी डर है कि हालात और बिगड़ सकते हैं। अब यह इस बात पर निर्भर करेगा कि जालिस्को कार्टेल के पास नया नेता साफ तौर पर तय है या नहीं।

मोदी के स्वागत को बेताब इजरायल!

येरूसलम, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25-26 फरवरी को इजरायल के दौरे पर जा रहे हैं। इस यात्रा से पहले भारत में इजरायल के राजदूत ने कहा है कि भारत और इजरायल सिर्फ साझेदार नहीं, बल्कि सच्चे दोस्त हैं, जो मिलकर भविष्य को आकार दे रहे हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दौरा भारत और इजरायल के विशेष संबंधों को और मजबूत करेगा। नेतन्याहू ने कहा कि उनकी और पीएम मोदी की व्यक्तिगत मित्रता भी दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाई दे रही है।

उन्होंने बताया कि पीएम मोदी इजरायल की संसद को संबोधित करेंगे और यरुशलम में एक इनोवेशन कार्यक्रम में भाग लेंगे। दोनों नेता भी जाएंगे, जो होलोकॉस्ट पीड़ितों की स्मृति में बना आधिकारिक स्मारक है। भारत-इजरायल संबंध पिछले कुछ वर्षों में रणनीतिक रूप से बेहद मजबूत हुए हैं। रक्षा, कृषि, जल प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और स्टार्टअप इकोसिस्टम में दोनों देश एक-दूसरे के पूरक हैं।यह दौरा न सिर्फ द्विपक्षीय सहयोग को नई दिशा देगा, बल्कि बदलती वैश्विक राजनीति में दोनों देशों की सामरिक साझेदारी को भी मजबूत करेगा। राजदूत अजार ने कहा कि जब भारत और इजरायल साथ आते हैं तो वह सिर्फ एक औपचारिक बैठक नहीं होती, बल्कि यह विश्वास, तकनीक और साझा चुनौतियों की समझ पर आधारित साझेदारी होती है। राजदूत

अजारने बताया कि इस यात्रा के दौरान दोनों देश रक्षा और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करेंगे। मौजूदा सुरक्षा समझौतों को अपडेट किया जाएगा ताकि संवेदनशील परियोजनाओं पर मिलकर काम किया जा सके। भारत और इजरायल वर्षों से रक्षा क्षेत्र में सहयोग कर रहे हैं। अब बदलती वैश्विक परिस्थितियों और खतरों को देखते हुए दोनों देश नई तकनीकी साझेदारी पर ध्यान देंगे।ढ्ढ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), क्वांटम टेक्नोलॉजी और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़े समझौते होने की उम्मीद है।

नेपाल के दक्षिणी मधेश प्रदेश में लगाए गए कर्फ्यू को हटाया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के दक्षिणी मधेश प्रदेश में तनाव के चलते लगाए गए कर्फ्यू को सोमवार को हटा दिया गया। रौतहट जिले में गोर नगरपालिका में शादी की झगड़े के बाद उत्पन्न तनाव के कारण शनिवार से लागू कर्फ्यू सोमवार सुबह 10 बजे हटाया गया। कर्फ्यू हटने के बाद बाजार, यातायात और शैक्षणिक संस्थान सामान्य रूप से खुल गए। राजनीतिक दलों ने शांति बनाए रखने और आपसी सम्मान के लिए जनता से अपील की। गोर में सोमवार सुबह शांति रैली आयोजित की गई। बीते घटनाओं में कम से कम आठ लोग घायल हुए थे, जिनमें दो पुलिसकर्मी भी शामिल थे। बिरगंज महानगर क्षेत्र के श्रीपुर इलाके में भी पार्किंग विवाद के चलते कर्फ्यू लगाया गया था, जिसे सोमवार शाम 4:30 बजे हटाया गया। हालांकि, मंगलवार सुबह 8 बजे तक अतिरिक्त प्रतिबंध जारी रहेंगे।

डच राजनीति में नए युग की शुरुआत

एम्स्टर्डम एजेंसी। नीदरलैंड में नई गठबंधन सरकार ने आधिकारिक रूप से शपथ ग्रहण कर ली है। देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में रोब ने पदभार संभाला। यह नई सरकार कई दलों के गठबंधन से बनी है और राजनीतिक स्थिरता तथा सहमति की नई शुरुआत का संकेत देती है। पिछले कुछ वर्षों में डच संसद में गुटबाजी और राजनीतिक खींचतान देखने को मिली थी, जिससे निर्णय प्रक्रिया प्रभावित हुई थी।प्रधानमंत्री जेटन ने संकेत दिया है कि उनकी प्राथमिकता संसद में सहयोग और सहमति का माहौल बनाना होगा। वे देश के भीतर राजनीतिक संतुलन स्थापित करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नीदरलैंड की मजबूत भूमिका बहाल करना चाहते हैं। नई सरकार का लक्ष्य यूरोपीय संघ में नीदरलैंड की प्रभावशाली भूमिका को फिर से स्थापित करना है। जेटन ने कहा है कि वे यूरोपीय सहयोग को मजबूत करने के लिए अपने समकक्ष नेताओं से जल्द बातचीत करेंगे।सरकार ने स्पष्ट किया है कि रूस के खिलाफ युद्ध लड़ रहे यूक्रेन को डच समर्थन जारी रहेगा। यह समर्थन राजनीतिक, आर्थिक और रक्षा सहयोग के रूप में बना रहेगा। नई कैबिनेट में विभिन्न

गठबंधन दलों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। विदेश नीति, रक्षा और वित्त जैसे अहम मंत्रालयों में अनुभवी नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों का संतुलित तरीके से सामना किया जा सके। रॉब जेटन डेमोक्रेट्स 66 पार्टी से जुड़े हैं और पहले जलवायु व ऊर्जा मंत्री रह चुके हैं। यूरोपीय सहयोग, हरित नीतियों और सहमति की राजनीति उनके प्रमुख एजेंडा हैं। वे यूक्रेन समर्थन और मजबूत श्व भूमिका के पक्षधर हैं। नीदरलैंड के एक प्रमुख उदारवादी नेता हैं।

अमेरिका ने तिब्बत मुद्दे पर उठाया नया कदम!

चीन ने जताई कड़ी आपत्ति, बोला- 'आंतरिक मामलों में दखल बर्दाश्त नहीं'

बीजिंग/वाशिंगटन, एजेंसी। तिब्बत मुद्दे को लेकर चीन और अमेरिका के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने तिब्बती मुद्दों के लिए अमेरिका का नया विशेष समन्वयक (स्पेशल कोऑर्डिनेटर) नियुक्त किया है। बार्न्स वर्तमान में अमेरिकी विदेश विभाग में लोकतंत्र, मानवाधिकार और श्रम मामलों के सहायक विदेश मंत्री के रूप में कार्यरत हैं। यह घोषणा तिब्बती नववर्ष लोसार के अवसर पर की गई। रूबियो ने दुनिया भर के तिब्बतियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अमेरिका तिब्बतियों के मानवाधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, सांस्कृतिक पहचान और भाषा संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अपने संदेश में तिब्बती समुदाय के प्रति समर्थन जताया।चीन के विदेश मंत्रालय ने इस नियुक्ति पर कड़ी आपत्ति जताई। बीजिंग ने कहा कि तथाकथित स्पेशल कोऑर्डिनेटर का पद चीन के आंतरिक मामलों में दखल देने का माध्यम है और चीन ने कभी भी इस पद की वैधता को मान्यता नहीं दी है। चीन ने दोहराया कि तिब्बत से जुड़े सभी मुद्दे उसकी संप्रभुता के दायरे में आते हैं और किसी भी बाहरी हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जाएगी। अमेरिका में यह पद 2002 में बनाया गया था। यह कानून तत्कालीन प्रशासन द्वारा पारित किया गया था, जिसके तहत विदेश मंत्री को तिब्बती मुद्दों के लिए एक विशेष समन्वयक नियुक्त करना अनिवार्य है।इस पद का उद्देश्य चीनी सरकार उनके प्रतिनिधियों के बीच सार्थक संवाद को प्रोत्साहित करना, तिब्बतियों के मानवाधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा, तिब्बती भाषा और संस्कृति का संरक्षण, दक्षिण एशिया में तिब्बती शरणार्थियों को मानवीय सहायता करना है। यह पद बीजिंग में राजनयिक प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि अमेरिकी नीति

समन्वय का दायित्व निभाता है।विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम ऐसे समय आया है जब चीन और अमेरिका के बीच पहले से ही कई मुद्दों पर तनाव बना हुआ है जैसे ताइवान, व्यापार और मानवाधिकार। तिब्बत का मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच संवेदनशील रहा है। जहां अमेरिका मानवाधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता की बात करता है, वहीं चीन इसे अपनी संप्रभुता का मामला मानता है।

ट्रंप के 15 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- जल्दबाजी में बयान देना ठीक नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा फटकार के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 प्रतिशत ट्रैरिफ का ऐलान किया था। इस नई घोषणा ने वैश्विक बाजार में हलचल पैदा कर दी है। इस पूरे घटनाक्रम का भारतीय अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ेगा, इसे लेकर वित्त मंत्री निर्मला... नेशनल डेस्क- स सुप्रीम कोर्ट द्वारा फटकार के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15त्न ट्रैरिफ का ऐलान किया था। इस नई घोषणा ने वैश्विक बाजार में हलचल पैदा कर दी है। इस पूरे घटनाक्रम का भारतीय अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ेगा, इसे लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपनी पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वित्त मंत्री से अमेरिकी टैरिफ के असर के बारे में सवाल पूछने पर कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके संभावित प्रभाव का आकलन करना अभी जल्दबाजी होगी। उन्होंने साफ किया कि वाणिज्य मंत्रालय वर्तमान में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौतों की समीक्षा कर रहा है। आगे की बातचीत कब और कैसे होगी, इसका फैसला संबंधित मंत्रालय और प्रतिनिधिमंडल स्थिति का विश्लेषण करने के बाद ही लेंगे। आपको बता दें कि 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के वैश्विक टैरिफ लगाने के आदेश को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया था। ट्रंप ने इस अदालती फैसले पर तीखी नाराजगी जताते हुए इसे शर्मनाक करार दिया। हालांकि, हार न मानते हुए ट्रंप ने कुछ ही घंटों के भीतर सभी देशों पर 10 फीसदी के नए टैरिफ की घोषणा कर दी, जिसे बाद में बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया गया। भारत और अमेरिका के बीच मौजूदा व्यापारिक सौदों में टैरिफ की दरें लगभग 18 फीसदी के स्तर पर हैं, जो ट्रंप द्वारा प्रस्तावित 15 त्न के नए टैरिफ से कम हैं। ट्रंप का रुख सख्त है।

काटने पड़े हाथ पैर, 6 बार दिल का दौरा पड़ा

लंदन, एजेंसी। हम अक्सर अपने पालतू कुत्तों को परिवार का हिस्सा मानते हैं और उनके प्रति अपना प्यार जताने में कोई कसर नहीं छोड़ते। बदले में, ये वफादार जानवर भी हमें चाटकर अपनी ममता दिखाते हैं। लेकिन क्या आप सोच सकते हैं कि किसी बेजुबान का यही प्यार आपके लिए मौत का पैगाम बन सकता है? ब्रिटेन की 52 वर्षीय मनजीत संघा के साथ हुई रूह कंपा देने वाली घटना ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। महज एक पालतू कुत्ते के चाटने की वजह से आज यह महिला अपने दोनों हाथ और पैर गंवा चुकी है।

साल 2025 के जुलाई महीने में मनजीत जब काम से लौटीं, तो उन्हें हल्की बेचैनी महसूस हुई। उन्होंने इसे मामूली थकान समझा होगा, लेकिन अगले ही दिन उनकी हालत बेकाबू हो गई। शरीर ठंडा पड़ने लगा, होंठ नीले हो गए और सांसें उखड़ने लगीं। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों

ने जो खुलासा किया, वह किसी बुरे सपने जैसा था। मनजीत सेप्सिस नाम की एक बेहद खतरनाक स्थिति से जूझ रही थीं। इलाज के दौरान उन्हें एक नहीं बल्कि 6 बार दिल का दौरा पड़ा। संक्रमण इतना फैल चुका था कि उनकी जान बचाने के लिए डॉक्टरों को उनके दोनों हाथ और घुटनों के नीचे से दोनों पैर काटने का कड़ा फैसला लेना पड़ा। हैरानी की बात यह है कि मनजीत को कुत्ते ने काटा नहीं था। असल में उनके शरीर पर एक छोटा सा घाव या खरोंच थी, जिसे उनके कुत्ते ने प्यार से चाट लिया था। डॉक्टरों के अनुसार, कुत्तों के थूक में कैपनोसाइटोफेगा कैनिमोरसस नाम का एक बैक्टीरिया पाया जाता है। वैसे तो यह सामान्य होता है, लेकिन अगर यह किसी जख्म के जरिए इंसान के खून में मिल जाए, तो यह सेप्सिस पैदा कर सकता है। सेप्सिस वह स्थिति है जहाँ शरीर का अपना रक्षा तंत्र (इम्यून सिस्टम) ही खुद के अंगों को नष्ट करने लगता है। इससे अंगों में सूजन आ जाती है, ब्लड प्रेशर गिर जाता है और शरीर के अंग काम करना बंद कर देते हैं। यह घटना हमें डराने के लिए नहीं, बल्कि जागरूक करने के लिए है। अगर आप भी पेट लवर हैं, तो कुछ बातों का खास ख्याल रखें। कभी भी अपने पालतू जानवर को शरीर के किसी भी घाव या चोट वाली जगह को चाटने न दें। अगर आपके शरीर पर कोई मामूली खरोंच भी है, तो उसे तुरंत साफ करके पट्टी से ढक दें। यदि जानवर के संपर्क में आने के बाद आपको अचानक तेज बुखार, कंपकंपी, सांस लेने में तकलीफ या स्किन पर अजीब धब्बे दिखाई दें, तो इसे मामूली कमजोरी समझकर टालने की गलती न करें। सावधानी आपको और आपके परिवार को सुरक्षित रख सकती है।

ऑफ-स्पिन से होगा भारत पर वार? शाई होप के बयान ने बढ़ाया सस्पेंस

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय बल्लेबाजों की ऑफ-स्पिन के खिलाफ कमजोरी खुलकर सामने आई है। ऐसे में भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने अपनी रणनीति को लेकर सस्पेंस बना दिया है।

पोस्ट-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब उनसे पूछा गया कि क्या वह पावरप्ले में ऑफ-स्पिन का इस्तेमाल करेंगे, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा - इंतजार कीजिए और देखिएज जब टॉस के वक्त टीम शीट दूंगा, तभी सबको पता चलेगा। स्टे ट्यून।

भारत की ऑफ-स्पिन के खिलाफ कमजोरी - इस टूर्नामेंट में भारत की टॉप ऑर्डर बल्लेबाजी दाएं हाथ के ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करती दिखी है। पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने कोलंबो में इसका फायदा उठाया। नीदरलैंड्स के आर्यन दत्त ने भी यही रणनीति अपनाई। साउथ अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने भी ऑफ-स्पिन से भारत को परेशान किया। बाएं हाथ के बल्लेबाजों से भरी भारतीय टीम के खिलाफ यह रणनीति कारगर साबित हुई है।

क्या लौटेंगे रोस्टन चेज - जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में होप ने रोस्टनचेस को बाहर बैठाकर शेफर्ड को मौका दिया था। यह फैसला सही साबित हुआ क्योंकि शेफर्ड ने 10 गेंदों पर 21 रन की तेज पारी खेली। गेंदबाजी में बाएं हाथ के स्पिनर एकल हाउसिन और गुडाकेस मोटी ने मिलकर 7 विकेट झटके और जिम्बाब्वे को 147 रन पर समेट दिया। हालांकि भारत के खिलाफ कई बाएं हाथ के बल्लेबाजों को देखते हुए होप रोस्टन चेज को वापस लाने का जोखिम भरा फैसला ले सकते हैं।

आईसीसी रैंकिंग में भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम को फायदा

दुबई (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीमों ने ऑस्ट्रेलिया में अपनी कड़ी टक्कर वाली सीरीज के बाद लेटेस्ट आईसीसी महिला टी20 प्लेयर रैंकिंग में काफी बढ़त हासिल की है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने टी20 बॉलर्स में करियर की बेस्ट रैंकिंग हासिल की, जो सीरीज में 8 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली बॉलर रहीं। उनकी टीममेट श्री चरणी भी आगे बढ़ीं और 11 स्थान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर पहुंच गईं।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में एनाबेल सदरलैंड बॉलिंग रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि एश्ले गार्डनर दो स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गईं। बॉलिंग चार्ट में पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की सादिया इक़बाल टॉप पर बनी हुई हैं। गार्डनर टी20 ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। बैटिंग रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल 26 पायदान की शानदार छलांग लगाकर 10वें नंबर पर पहुंच गईं, जबकि उनकी टीममेट फोएबे लिचफील्ड चार पायदान ऊपर चढ़कर 12वें नंबर पर पहुंच गईं।

भारतीय बैटर जेमिमा रोड्रिग्स भी एक पायदान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गईं। ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी ओपनर बेथ मूनी ने टी20 बैटिंग रैंकिंग में टॉप पर अपनी जगह बनाए रखी। इस बीच साउथ अफ्रीका विमेंस क्रिकेट टीम, श्रीलंका विमेंस क्रिकेट टीम, वेस्ट इंडीज विमेंस क्रिकेट टीम और पाकिस्तान विमेंस क्रिकेट टीम के मैचों के बाद लेटेस्ट वनडे रैंकिंग में भी बदलाव देखा गया।

साउथ अफ्रीका की सुने लुस वनडे बैटर्स में चार पायदान चढ़कर 30वें नंबर पर और ऑलराउंडर्स की लिस्ट में पांच पायदान ऊपर चढ़कर 17वें नंबर पर पहुंच गईं। उनकी टीममेट मारिजाने कैप वनडे ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में गार्डनर के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गईं। स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा वनडे गेंदबाजों में बराबर नौवें स्थान पर पहुंच गयीं, जबकि वेस्टइंडीज की करिश्मा रामहैरक चार स्थान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर पहुंच गईं।

एक चूक और खत्म होगा सफर!

अगर ऐसा हुआ तो सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी टीम इंडिया

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 में भारत की राह अब बेहद कठिन हो गई है। अहमदाबाद में साउथ अफ्रीका से 76 रन की हार के बाद टीम इंडिया का नेट रन रेट (-3.800) बुरी तरह गिर गया। इसी बीच वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को 107 रन से हराकर ग्रुप-1 की तस्वीर पूरी तरह बदल दी। अब सेमीफाइनल की दौड़ में भारत का भविष्य सिर्फ अपनी जीत पर नहीं, बल्कि दूसरे मुकाबलों के नतीजों पर भी निर्भर करता है।

भारत कैसे कर सकता है क्वालीफाई?

भारत दोनों मैच बड़े अंतर से जीते।
साउथ अफ्रीका अपने एक या दोनों मैच हार जाए।
या फिर तीन टीमों के बीच अंक बराबर होने की स्थिति में भारत एनआरआर में बढ़त बना ले। भारत के पास एक फायदा यह है कि वह अपना आखिरी मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेगा। इससे उसे एनआरआर का स्पष्ट लक्ष्य पता रहेगा।

ग्रुप-1 की मौजूदा स्थिति

वेस्टइंडीज टीम-बड़ी जीत के बाद नेट रन रेट में भारी बढ़त (+5.350)

साउथ अफ्रीका-2 अंक, मजबूत स्थिति(+3.800)

भारत- हार के बाद दबाव में

जिम्बाब्वे-भारी नुकसान के बाद लगभग बाहर ग्रुप-1 की जंग तीन टीमों के बीच सिमटती दिख रही है।

बचे हुए मुकाबले

साउथ अफ्रीका - वेस्टइंडीज - 26 फरवरी (अहमदाबाद)
भारत - जिम्बाब्वे - 26 फरवरी (चेन्नई)
जिम्बाब्वे -साउथ अफ्रीका - 1 मार्च (दिल्ली)
भारत-वेस्टइंडीज - 1 मार्च (कोलकाता)
भारत को अपने दोनों मैच जीतने ही होंगे, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती।

भारत के लिए झटका देने वाले दो समीकरण

- **समीकरण 1- दोनों मैच जीतकर भी फंस सकता है भारत** - अगर भारत दोनों मैच जीत भी ले, लेकिन बड़ी जीत हासिल न कर पाए और साउथ अफ्रीका भी अपने दोनों मैच जीत जाए, तो एनआरआर का खेल भारत को बाहर कर सकता है। वेस्टइंडीज की 107 रन की जीत ने उन्हें बड़ा कुशन दे दिया है। ऐसे में सिर्फ जीत नहीं, बल्कि बड़े अंतर से जीत अब भारत के लिए अनिवार्य हो गई है।
- **समीकरण 2- अगर भारत एक भी मैच हारा** - अगर भारत जिम्बाब्वे या वेस्टइंडीज में से किसी एक से भी हार जाता है, तो उसके सेमीफाइनल की उम्मीद लगभग खत्म हो जाएगी। क्योंकि वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका पहले ही मजबूत नेट रन रेट बना चुके हैं।

12 जून से शुरू होंगे मुकाबले

महिला टी-20 वर्ल्ड कप2026 का पूरा शेड्यूल जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने मंगलवार को महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया है जिसमें सभी 12 हिस्सा लेने वाली टीमें शामिल हैं। मेजबान इंग्लैंड 12 जून को पहले मैच में श्रीलंका से भिड़ेगा। आईसीसी के अनुसार इस साल 12 जून से 5 जुलाई तक इस टूर्नामेंट का 10वां एडिशन होगा जिसमें 12 टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी।

बांग्लादेश, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स इस इवेंट में अपनी जगह पक्की करने वाली आखिरी चार टीमें थीं, जो पिछले महीने नेपाल में हुए महिला टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर के जरिए आगे बढ़ीं। चार क्वालिफाइंग टीमें अब डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड, 2009 में पहले एडिशन की मेजबान और विजेता इंग्लैंड, 2016 की विजेता वेस्ट इंडीज और भारत में मौजूदा एक दिवसीय वर्ल्ड कप विजेता और छह बार की टूर्नामेंट विजेता ऑस्ट्रेलिया के साथ शामिल हो गई हैं। मेजबान इंग्लैंड 12 जून को टूर्नामेंट के पहले मैच में श्रीलंका से भिड़ेगा, जबकि आयरलैंड और स्कॉटलैंड 13 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में एक ऑल-यूरोपियन मुकाबले में एक-दूसरे के खिलाफ अपने कैंपेन की शुरुआत करेंगे। जब इंग्लैंड 20 जून को हेडिंग्ले में स्कॉटलैंड से भिड़ेगा तो यह पहली बार होगा जब दोनों टीमें इंग्लिश टर्फ पर किसी आईससी इवेंट में आमने-सामने होंगी। आयरलैंड और स्कॉटलैंड को ग्रुप बी में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के साथ रखा गया है। वहीं ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, भारत, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स हैं।

डच टीम आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप में अपना डेब्यू करेगी और बांग्लादेश के खिलाफ अपने कैंपेन की शुरुआत करेगी, जो क्वालिफाइंग टूर्नामेंट में हारी नहीं थी। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा, आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का शेड्यूल जारी होना, इस ग्लोबल, प्रीमियर स्पोर्टिंग इवेंट से पहले एक अहम पड़ाव है। यह इवेंट आईसीसी के महिला क्रिकेट में लगातार इन्वेस्टमेंट का हिस्सा है जिसमें ज़्यादा पार्टिसिपेशन और हाई-परफॉर्मेंस के तरीके, इवेंट और प्रोडक्शन स्टैंडर्ड, टूर्नामेंट प्राइज मनी, ज्यादा मीडिया डिस्ट्रीब्यूशन और कमर्शियल पार्टनरशिप शामिल हैं जिसका मकसद दुनिया भर के फैंस का ज़्यादा ध्यान, जुड़ाव और रुतबा हासिल करना है। गुप्ता ने कहा, भारत में आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप ने इस खेल को और भी ज्यादा फायदा पहुंचाया रिकॉर्ड तोड़े, लोगों की सोच को बढ़ाया और कम्युनिटी को प्रेरित किया और हमारा मकसद जून-जुलाई में होने वाले इवेंट में भी इसी रफ़्तार को बनाए रखना है। फाइनल 5 जुलाई को लंदन के पवित्र लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा।

आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026

ग्रुप 1 - ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, इंडिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स
ग्रुप 2 - वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड
शुक्रवार 12 जून- इंग्लैंड बनाम श्रीलंका, एजबेस्टन
शनिवार 13 जून- स्कॉटलैंड बनाम आयरलैंड, ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड
शनिवार 13 जून- ऑस्ट्रेलिया बनाम साउथ अफ्रीका, ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड 14:30 बीएसटी
शनिवार 13 जून- वेस्टइंडीज बनाम न्यूजीलैंड, हैम्पशायर बाउल 18:30 बीएसटी
रविवार 14 जून- बांग्लादेश बनाम नीदरलैंड्स, एजबेस्टन 10:30 बीएसटी
रविवार 14 जून- भारत बनाम पाकिस्तान, एजबेस्टन 14:30 बीएसटी
मंगलवार 16 जून- न्यूजीलैंड बनाम श्रीलंका, हैम्पशायर बाउल 14:30 बीएसटी
मंगलवार 16 जून- इंग्लैंड बनाम आयरलैंड, हैम्पशायर बाउल 18:30 बीएसटी
बुधवार 17 जून- ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश, हेडिंग्ले 10:30 बीएसटी
बुधवार 17 जून- इंडिया बनाम नीदरलैंड्स, हेडिंग्ले 14:30 बीएसटी
बुधवार 17 जून- साउथ अफ्रीका बनाम पाकिस्तान, एजबेस्टन 18:30 बीएसटी
गुरुवार 18 जून- वेस्ट इंडीज बनाम स्कॉटलैंड, हेडिंग्ले 18:30 बीएसटी
शुक्रवार 19 जून- न्यूजीलैंड बनाम आयरलैंड, हैम्पशायर बाउल 18:30 बीएसटी
शनिवार 20 जून- ऑस्ट्रेलिया बनाम नीदरलैंड्स, हैम्पशायर बाउल 10:30 बीएसटी
शनिवार 20 जून- पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, हैम्पशायर बाउल 14:30 बीएसटी
शनिवार 20 जून- इंग्लैंड बनाम स्कॉटलैंड, हेडिंग्ले 18:30 बीएसटी
रविवार 21 जून- वेस्ट इंडीज बनाम श्रीलंका, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड 10:30 बीएसटी
रविवार 21 जून- साउथ अफ्रीका बनाम इंडिया, ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड 14:30 बीएसटी
मंगलवार 23 जून- न्यूज़ीलैंड बनाम स्कॉटलैंड, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड 10:30 बीएसटी
मंगलवार 23 जून- श्रीलंका बनाम आयरलैंड, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड 14:30 बीएसटी
मंगलवार 23 जून- ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान, हेडिंग्ले 18:30 बीएसटी
बुधवार 24 जून- इंग्लैंड बनाम वेस्ट इंडीज़, लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड 18:30 बीएसटी
गुरुवार 25 जून- इंडिया बनाम बांग्लादेश, ओल्ड ट्रैफ़र्ड क्रिकेट ग्राउंड 14:30 बीएसटी
गुरुवार 25 जून- साउथ अफ़्रीका बनाम नीदरलैंड्स, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड 18:30 बीएसटी
शुक्रवार 26 जून- श्रीलंका बनाम स्कॉटलैंड, ओल्ड ट्रैफ़र्ड क्रिकेट ग्राउंड 18:30 बीएसटी
शनिवार 27 जून- पाकिस्तान बनाम नीदरलैंड्स, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड 10:30 बीएसटी
शनिवार 27 जून- वेस्ट इंडीज़ बनाम आयरलैंड, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड 14:30 बीएसटी
शनिवार 27 जून- इंग्लैंड बनाम न्यूज़ीलैंड, द ओवल 18:30 बीएसटी
रविवार 28 जून- साउथ अफ्रीका बनाम बांग्लादेश, लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड 10:30 बीएसटी
रविवार 28 जून- ऑस्ट्रेलिया बनाम इंडिया, लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड 14:30 बीएसटी
मंगलवार 30 जून- टीबीसी बनाम टीबीसी (सेमी फाइनल1), द ओवल 14:30 बीएसटी
गुरुवार 2 जुलाई- टीबीसी बनाम टीबीसी (सेमी फाइनल 2), द ओवल 18:30 बीएसटी
रविवार 5 जुलाई- टीबीसी बनाम टीबीसी (फाइनल), लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड 14:30 बीएसटी

टी20 वर्ल्ड कपः

सुपर 8 में भारत से भिड़ंत से पहले जिम्बाब्वे कोच का बयान

● हमें पता है टीम इंडिया आक्रामक खेलेगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 में 107 रन की करारी हार के बाद जिम्बाब्वे के हेड कोच जेस्टीन ने माना कि उनकी टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई गलतियों से सीख लेनी होगी। अब चेन्नई में होने वाले भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले उन्होंने साफ कहा है कि उन्हें पता है भारतीय टीम पूरी ताकत के साथ आक्रमण करेगी।

भारत भी वेस्टइंडीज जैसा खेलेगा - सैमन्स ने कहा, हमें पता है कि भारत भी वेस्टइंडीज की तरह आक्रामक शुरुआत करेगा। वे पीछे नहीं हटेंगे। हमें दबाव में ज्यादा समझदारी से जवाब देना होगा। कई मौकों पर हम थोड़ा अनुमानित रहे, जिसे सुधारना होगा। भारत की अगुवाई सूर्यकुमार यादव कर रहे हैं और मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ क्या हुई गलती - मुंबई के बानखेडे स्टेडियम में खेले गए मैच में जिम्बाब्वे ने कैच छोड़े और गेंदबाजी में विविधता की कमी दिखी।

हेटमायर- 34 गेंदों में 85 रन
पावेल- 35 गेंदों में 59 रन
वेस्टइंडीज ने 254/6 का विशाल स्कोर खड़ा किया

सैमन्स ने माना कि भारत और श्रीलंका की परिस्थितियां अलग हैं। छोटे मैदान और बेहतर बाउंस के कारण मामूली मिसहिट भी छक्के में बदल सकते हैं।

भारत में पहली बार खेलने का अनुभव - कोच ने बताया कि टीम के 11 में से सिर्फ तीन खिलाड़ियों को भारत में खेलने का अनुभव है। बाकी आठ खिलाड़ियों के लिए यह पहला मौका है। हरारे में मैदान बड़ा है, श्रीलंका में गेंद धीमी आती है, लेकिन भारत में हालात पूरी तरह अलग हैं। हमें इन परिस्थितियों से जल्दी सीखना होगा।

मुजरबानी की तारीफ - सैमन्स ने तेज गेंदबाज मुजरबानी की जमकर सराहना की। 4 मैचों में 11 विकेट, औसत 10.27, वेस्टइंडीज के खिलाफ भी 2 विकेट; उन्होंने यह भी कहा कि अगर हेटमायर का शुरुआती कैच लपक लिया जाता, तो मैच की तस्वीर अलग हो सकती थी।

एनआरआर पर भी पड़ा असर - 107 रन की हार से जिम्बाब्वे का नेट रन रेट बुरी तरह गिर गया है। अब टीम को न सिर्फ जीत, बल्कि बड़े अंतर से जीत की जरूरत है ताकि सेमीफाइनल की उम्मीद जिंदा रह सके।

कोच रयान टेन डेशकाटे ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ किया वॉशिंगटन सुंदर के चयन का बचाव

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए मैच के टॉस के दौरान जब भारत की प्लेइंग 11 में शामिल खिलाड़ियों के नाम बोले जा रहे थे तब पूरा स्टेडियम एक-एक नाम पर चीयर कर रहा था। हालांकि, जैसे ही लोगों को पता लगा कि उनके घरेलू स्टार अक्षर पटेल प्लेइंग 11 में नहीं हैं और उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर खेल रहे हैं तो लोग इस एक नाम पर निराश दिखाई दिए।

नीदरलैंड्स के खिलाफ अक्षर को आराम देकर वॉशिंगटन को मौका दिया गया था। भारत ने वॉशिंगटन के पूरी तरह फिट होने का इंतजार किया था और उनके किसी रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की थी। हालांकि, इस बात की पूरी उम्मीद थी कि टीम के उप-कप्तान और शानदार फॉर्म में चल रहे अक्षर इस सुपर 8 मुकाबले के लिए वापसी करेंगे। अक्षर की उपस्थिति से मैच के परिणाम पर कितना असर पड़ता ये तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन मैच के बाद हुई प्रेस कांफ्रेस का थीम यही मुद्दा रहा और भारत के असिस्टेंट कोच रयान टेन डेशकाटे ने इस पर खुलकर बात की।

उनसे सीधे ये तक पूछ लिया गया कि क्या टीम मैनेजमेंट ने टीम के उप-कप्तान को ये कह दिया कि आप एक टैक्टिकल निर्णय के चलते इस मैच में खेलने योग्य नहीं हैं। डेशकाटे ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इतने सीधे तौर पर ये कहा गया। हमारी एनालिसिस में हमने पाया कि क्विंटन डी कॉक, रयान रिकलटन और डेविड मिलर ही सबसे बड़ा खतरा होने वाले हैं। जब आप दो विकल्पों में से केवल एक ही चुन सकते हैं तो हमें उसकी ओर जाना पड़ा जो पावरप्ले में गेंदबाजी करने का आदी है। अक्षर भी कभी-कभार पावरप्ले में गेंदबाजी करते हैं। लेकिन हमें लगा कि वॉशिंगटन इस चरण में अधिक प्रभाव छोड़ सकते हैं।

रविवार की रात भारत ने वॉशिंगटन का उस तरह इस्तेमाल नहीं किया जिसके लिए उन्हें चुना गया था और पावरप्ले में उनसे गेंदबाजी ही नहीं कराई। अर्शदीप सिंह (तीन ओवर), जसप्रीत बुमराह (दो ओवर) और वरुण चक्रवर्ती (एक ओवर) ने ही पावरप्ले का अंत किया। इसके बाद तो मामला ऐसा बनता दिखा कि बीच के ओवरों में कौन अच्छी गेंदबाजी कर सकता है और इस मामले में अक्षर हमेशा आगे रहेंगे।

डेशकाटे ने कहा, शुरुआती समझ के हिसाब से ही रणनीति तैयार की गई थी। इस तरह के टूर्नामेंट में आप चाहते और उम्मीद करते हैं कि खिलाड़ी इस बात को समझेंगे कि हर निर्णय सही उद्देश्य के साथ लिया जाता है। किसी निर्धारित मैच के लिए हम सबसे मजबूत प्लेइंग 11 चुनना चाहते हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि अक्षर भी इसे उसी तरह देखेंगे। टेन डेशकाटे ने आगे अपनी बात को और समझाते हुए ये साफ किया कि वॉशिंगटन का चुनाव केवल मैच को देखते हुए किया गया था और इससे अक्षर की क्षमताओं पर कोई सवाल खड़ा नहीं होता है।

उन्होंने कहा, आज की रणनीति का प्रमुख हिस्सा ये था कि वॉशिंगटन ने टी20 क्रिकेट में पावरप्ले में कितनी शानदार गेंदबाजी की है। विचार तीन प्रमुख गेंदबाजों के साथ जाने का था जिनका साथ वॉशिंगटन देते और दो अन्य लोग मिलकर पांचवें गेंदबाज का रोल अदा करते। पावरप्ले जीतना सबसे अहम होने वाला था। हमने पहले यह अनुमान लगाया था कि वॉशिंगटन शुरुआती दो ओवर गेंदबाजी करेगा, लेकिन जरूरी नही कि स्कोर 30 रन पर 3 विकेट हो। इस शुरुआती स्थिति से बल्लेबाजी में भी लचीलापन मिलता है।

उन्होंने कहा, आप इस बात का तर्क भी दे सकते हैं कि एक बल्लेबाज को बाहर करके एक अतिरिक्त प्रमुख गेंदबाज चुनना शायद सही निर्णय हो सकता था। लेकिन जब वास्तविक समय में आप निर्णय लेते हैं तो हमें लगा कि आठ बल्लेबाजी विकल्पों के रूप में हमें रिंकू की जरूरत थी। इस कॉम्बिनेशन के पीछे यही सोच थी। इससे अक्षर को लेकर कोई सवाल नहीं उठते क्योंकि उनकी लीडरशिप और टीम में महत्व पर कोई शंका नहीं है। हालांकि, हर सप्ताह हमें इस चुनौती से गुजरना होता है कि 15 के दल से 11 खिलाड़ियों को कैसे फिट किया जाए।